24वाँ वार्षिक रिपोर्ट 2018-19

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

रा.इ.सू.प्रौ.सं

NIELIT

24वां वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19

विषयवस्तु

संदेश 04

परिषदें 08

विशेषताएं 16

परियोजनाएं 28

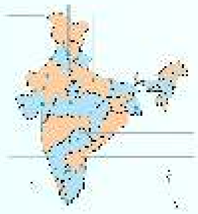

केन्द्र 33

लेखा–परीक्षक 80

लेखा 83

संक्षिप्ताक्षर 128

रवि शंकर प्रसाद
RAVI SHANKAR PRASAD

सत्यमेव जयते

मंत्री
विधि एवं न्याय, संचार
एवं
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
भारत सरकार
MINISTER OF
LAW & JUSTICE, COMMUNICATIONS
AND
ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY
GOVERNMENT OF INDIA

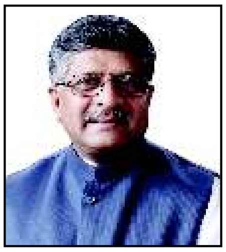

संदेश

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की 24वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए लेखों का संपरीक्षित विवरण एवं लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हुई है।

हमारे राष्ट्र के आर्थिक विकास व सामाजिक विकास में कौशल तथा ज्ञान प्रेरक शक्ति हैं। भारत आईईसीटी के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति के केंद्र के रूप में उभर रहा है। उभरती तकनीकें आईईसीटी के क्षेत्र में असीमित अवसर तथा प्रतिस्पर्धा का सृजन कर रही हैं।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भावी कौशल अर्थात कृत्रिम आसूचना, ब्लॉक चेन, रोबोटिक्स प्रोसैस ऑटोमेशन, क्लाउड कम्प्यूटिंग, 3डी प्रिंटिंग, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा एनालिटिक्स इत्यादि के अंतर्गत विभिन्न उभरती हुई तकनीकों की पहचान की है, जिसमें, राष्ट्र की आईटी जनशक्ति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुनः कौशल/कौशल बढ़ाने के फ्रेमवर्क को संस्थागत किया गया है। इस कार्यक्रम को पारंपरिक कौशल तकनीकों से और अधिक समकालीन नए युग के शिक्षण तथा प्रशिक्षण विधियों में रूपांतरित करते हुए राष्ट्र में कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार हेतु डिजाइन किया गया है जो लाभार्थियों को उपयुक्त कौशल प्राप्त करने में सहायता कर सकता है।

नाइलिट, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के भावी कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत प्रौद्योगिकियों के लिए चिन्हित कौशल विकास पहल को पूर्ण करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, नाइलिट अपनी विशिष्ट सेवाओं तथा अनेक औपचारिक व अनौचारिक पाठ्यक्रम, जो पूरे देश में संचालित है, के माध्यम से 'डिजिटल इंडिया' को सहयोग प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

मैं राष्ट्र और इसके नागरिकों के विकास में नाइलिट के अत्यधिक योगदान के लिए शुभकमनाएं देता हूं।

(रवि शंकर प्रसाद)

Electronics Niketan, 6 C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003
Phone: 011-24369191, 24362626 FAX : 011-24366070

Digital India
Power To Empower

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

संजय धोत्रे
SANJAY DHOTRE

राज्य मंत्री
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार
Minister of State
Electronics & Information Technology,
Communications and
Human Resource Development
Government of India

सत्यमेव जयते

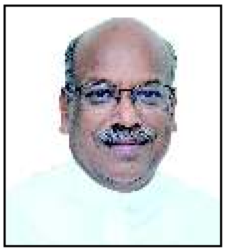

संदेश

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की 24वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए लेखों का संपरीक्षित विवरण एवं लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए मुझे नाइलिट द्वारा गत वर्ष के दौरान हासिल की गई संवृद्धि को देखकर प्रसन्नता हुई है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) व इसके संगठन अत्यधिक समर्पण के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वप्न 'डिजिटल इंडिया' को साकार करने की दिशा में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं तथा इस दिशा में नाइलिट इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अत्यधिक गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करते हुए योगदान दे रहा है।

इस रिपोर्ट से सुस्पष्ट है कि भारत में नाइलिट मुख्यतः उभरती प्रौद्योगिकियों में अधिगम/ शिक्षण की नई विधियों को अपनाते हुए अपने प्रगतिशील विस्तार हेतु अथक प्रयास कर रहा है। डिजिटल साक्षरता में प्रगति डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में योगदान दे रही है।

मैं भावी कौशल के लिए नाइलिट द्वारा की गई पहल से प्रसन्न हूँ जो भारतीय अर्थव्यवस्था को एक "ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था" तक पहुंचाने में संभावित रूप से एक मंच तैयार कर रहा है। नाइलिट द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), साइबर कानून/ सिक्योरिटी, बिग डेटा, एनालिटिक्स, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, ईएसडीएम, ई–वेस्ट और संबंधित क्षेत्रों में उभरते योग्य मानव संसाधनों का विकास/ भविष्य की प्रौद्योगिकियों की ओर किए जा रहे प्रयास सराहनीय है।

मुझे विश्वास है कि नाइलिट रोजगार क्षमता की ओर स्किलिंग के बहु–आयामी दृष्टिकोण को अपनाकर मौजूदा क्षमताओं में वृद्धि तथा डिजिटल इंडिया के विजन को पूर्ण करने में नई उपलब्धियों को प्राप्त करना जारी रखेगा। मैं नाइलिट को इसके सर्वांगीण विकास और इसके भावी प्रयासों में अधिक सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

(संजय धोत्रे)

Digital India
Power To Empower

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय : इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003, दूरभाष : 011-24368757-58 फैक्स : 011-24360958
Office : Electronics Niketan , 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003, Tel. : 011-24368757-58, Fax : 011-24360958
E-mail : mos-office@meity.gov.in, Website : www.meity.gov.in

सत्यमेव जयते

अजय साहनी, आई.ए.एस.
AJAY SAWHNEY, I.A.S.

सचिव
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
Secretary
Ministry of Electronics &
Information Technology (MeitY)
Government of India

संदेश

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शीघ्र परिवर्तन भारत को डिजिटल रूप से सशक्त ज्ञान अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

डिजिटल क्रांति से प्रौद्योगिकी की दुनिया में विकास की शुरुआत हुई है। इस डिजिटल क्रांति को प्रौद्योगिकियों के एकीकरण द्वारा संचालित "चौथी औद्योगिक क्रांति" के रूप में देखा जा सकता है जो प्रौद्योगिकियों के संलयन द्वारा संचालित है जो तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के साथ भौतिक और डिजिटल क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम कर रही है। इलेक्ट्रॉनिकी जगत की उन्नति से इंटरनेट का प्रसार तथा नए उत्पादों व सेवाओं की मांग में वृद्धि हेतु स्मार्टफोन की लागत को कम करने में मदद मिली है। ये नए नवाचार आधारित व्यवसाय मॉडल्स को नवीनतम तकनीकों में कुशल कार्यबल की आवश्यकता होगी और मुझे विश्वास है कि नाइलिट उन्नत और उभरती तकनीकों में अपने पाठ्यक्रमों के व्यापक संचालन से महत्वपूर्ण अभिदाता होगा।

यह सराहनीय है कि नाइलिट साइबर कानून, साइबर सुरक्षा, आईपीआर, जीआईएस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ईएसडीएम, आईओटी, ई–गवर्नेंस और संबंधित क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों की व्यापक पेशकश कर रहा है। अन्य प्रकार से, नाइलिट ने अपने डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों के माध्यम से 'डिजिटल विभाजन' को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभायी है, तथा यह पीएमजीदिशा के अंतर्गत अधिकृत परीक्षा एजेंसियों में से एक एजेंसी के रूप में मान्य है। नाइलिट ने ऑनलाइन माध्यम में परीक्षाएं आयोजित करके डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों के संचालन में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है तथा ऑनलाइन सत्यापन हेतु क्यूआर कोड सहित पूर्ण होने पर ई–प्रमाणपत्र जारी किए हैं।

नाइलिट ने उद्योगों में अग्रणी जैसे अमेज़न, गूगल, इंटेल, माइक्रोसॉफ़्ट इत्यादि के साथ मिलकर मोबाइल एप्लीकेशन के विकास, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी, ई–वेस्ट, साइबर सिक्योरिटी, मोबाइल हैंडसेट डिजाइन आदि के क्षेत्रों में मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण के माध्यम से आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

मैं नाइलिट को उसके लक्ष्यों में सफलता प्राप्त करने हेतु शुभकामनाएं देता हूँ।

(अजय साहनी)

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 / Electronics Niketan, 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003
Tel.: 011-24364041 • Fax 24363134 • email : secretary@meity.gov.in

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
Dr. Jaideep Kumar Mishra
महानिदेशक
Director General

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)
National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था)
(An Autonomous Scientific Society of Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India)
6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली– 110 003
6 CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi-110 003
दूरभाष / Tele No. : +91-11-24364870, 24363732
ईमेल / E-mail : dg@nielit.gov.in
ट्विटर / Twitter : @NIELITIndia

संदेश

कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी ने हमारे विश्व एवं दैनिक जीवन में आमूल परिवर्तन किया है। प्रौद्योगिकियों में आधुनिक परिवर्तन व व्यापार और समाज पर इसके बढ़ते प्रभाव तथा उभरती कौशल आवश्यकताओं ने व्यापार अभिमुखीकरण में वृद्धि की प्रवृति के साथ तालमेल बनाए रखते हुए स्वयं को आवश्यक परिवर्तन की ओर अग्रसर किया है। विश्वभर में डिजिटल व्यवधान ने भविष्य में कार्य करने की प्रक्रिया के प्रबंधन हेतु गुणात्मक–शिक्षा के महत्व पर विशेष बल दिया है। आज प्रौद्योगिकी समाज में आर्थिक विकास शिक्षा और प्रशिक्षण के स्तर में सुधार सहित उभरते मुद्दों का समाधान करती है। हमारा देश अवसरों का लाभ प्राप्त करने की ओर आशाप्रद रूप से अग्रसर है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने देश भर में अपने विभिन्न कौशल विकास पहल के माध्यम से कौशल आवश्यकताओं के अंतर को दूर करने की दिशा में कदम उठाएँ हैं। नाइलिट ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मानव संसाधन विभाग की शाखा होने की स्थिति में अपने विशेष कार्यक्रमों एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना संचार प्रौद्योगिकी (ई व आईसीटी) के क्षेत्र में अनेक औपचारिक व अनौपचारिक पाठ्यक्रम जो भौगोलिक रूप से पूरे देश में संचालित हैं, के माध्यम से कुशल कार्यबल को तैयार करने में सहायक सक्रिय कदम उठाएँ हैं। क्षमता निर्माण सेवाओं के अतिरिक्त, नाइलिट अनुसंधान और विकास पहल को आगे बढ़ाने, तृतीय पक्ष परीक्षाओं का संचालन तथा संबंधित क्षेत्रों में परामर्श सेवाएं प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

वर्ष 2018–19 के दौरान, पूरे देश में नाइलिट के विस्तार को आगे अत्यधिक प्रबल करने हेतु नए विस्तार केंद्र मंडी, हिमाचल प्रदेश और माजुली, असम में शुरू किए गए हैं जो वर्तमान में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का पूर्व से ही संचालन कर रहे हैं। माननीय केंद्रीय मंत्री, (इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, विधि एवं न्याय) ने बक्सर, बिहार में एक और विस्तार केंद्र की आधारशिला रखी है।

भौगोलिक रूप से विस्तार करते हुए, नाइलिट ने देशभर में विभिन्न क्षमता–निर्माण की पहल को पूर्ण करने में विशेषज्ञता साबित की है। वर्ष 2018–19 के दौरान, नाइलिट केंद्रों ने डोनर, भारत सरकार की वित्तीय सहायता से पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में आईटी और डिजिटल सेवाओं पर राज्य सरकार के कुल 10,000 पदाधिकारियों के प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। इसके अतिरिक्त, ई–अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना के चरण–II के अंतर्गत नाइलिट ने 19 चिन्हित राज्यों में ई–अपशिष्ट प्रबंधन पर कुल 3500 सरकारी कार्मिकों के प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है।

अनुसंधान एवं विकास में नाइलिट ने सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) मोहाली, पंजाब में एरे सिग्नल प्रोसेसर का टेप–आउट सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। नाइलिट द्वारा संग्रह, विश्लेषण तथा स्पैम–मेल के संदर्भ में सूचनाओं का आदान–प्रदान करने हेतु एंटी–स्पैम समन्वय केंद्र की सफलतापूर्वक स्थापना की गई है। नाइलिट एक स्वदेशी कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड मशीन को भी तैयार कर रहा है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि वर्ष 2018–19 के दौरान नाइलिट ने रु.438.58 करोड़ के टर्नओवर की उपलब्धि हासिल की है जो, तुलनात्मक रूप से, गत वर्ष रु.383.47 करोड़ थी। नाइलिट, डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की सहायता तथा मार्गदर्शन से भरसक प्रयास जारी रखेगा।

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)

अध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष	नाम
1995-1996	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1996-1997	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1997-1998	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1998-1999	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1999-2000	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2000-2001	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2001-2002	**प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2002-2003	**डॉ. संजय पासवान,** राज्य मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2003-2004	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2004-2005	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2005-2006	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2006-2007	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2007-2008	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2008-2009	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2009-2010	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2010-2011	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (14/11/2010 तक) **श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (15/11/2010 से)
2011-2012	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2012-2013	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2013-2014	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2014-2015	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2015-2016	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2016-2017	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2017-2018	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2018-2019	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी

उपाध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष	नाम
2016-17	**श्री पी.पी. चौधरी,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2017-18	**श्री के जे अलफोन्स,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2018-19	**श्री एस एस अहलुवालिया,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

* First time created in 2016

अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड

नाम	से	तक
श्री जे. सत्यनारायण, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	14/03/2012	30/04/2014
श्री आर एस शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	01/05/2014	07/08/2015
श्री राकेश गर्ग, भाप्रसे, सचिव, संचार विभाग	08/08/2015	30/08/2015
श्री जे.एस. दीपक, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	31/08/2015	08/02/2016
श्रीमती अरुणा शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	08/02/2016	28/07/2016
श्रीमती अरुणा सुंदरराजन, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	29/07/2016	22/06/2017
श्री अजय साहनी, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	23/06/2017	-

महानिदेशक

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्ता	09/11/1994	26/06/1999
श्री. वी.बी. तनेजा	28/06/1999	04/08/1999
श्री अरिन्दम बोस	05/08/1999	17/07/2000
डॉ. पी.एन. गुप्ता	18/07/2000	30/12/2005
श्री जी.वी. रघुनाथन	31/12/2005	28/09/2006
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/09/2006	28/02/2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01/03/2007	15/07/2007
श्री जी.वी. रघुनाथन	16/07/2007	16/10/2008
डॉ. एस. बिरेन्द्र सिंह	17/10/2008	01/11/2010
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	02/11/2010	18/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	19/08/2011	28/08/2011
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/08/2011	31/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	02/09/2011	03/05/2012
डॉ. अजय कुमार, भाप्रसे	04/05/2012	05/08/2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06/08/2012	05/08/2017
श्री राजीव कुमार, आईएफओएस	16/08/2017	14/08/2018
डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, आईसीएएस	21/08/2018	-

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

दृष्टि

उद्योग उन्मुखी गुणवत्तापरक शिक्षा व प्रशिक्षण के विकास में अग्रणी होना तथा सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश का प्रमुख संस्थान बनना है।

लक्ष्य

देश के अनौपचारिक संस्थानों के मध्य कम्प्यूटर शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन हेतु एकल स्रोत के रूप में स्थापित होना। अधिक संख्या में आईटी पेशेवर उपलब्ध कराने के पश्चात, अब देश के सभी क्षेत्रों के साथ–साथ विदेशों में भी, नाइलिट की पहुँच में विस्तार हो रहा है।

अधिशासी परिषद (2018-19)

श्री रवि शंकर प्रसाद
अध्यक्ष
माननीय विधि एवं न्याय, संचार व इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री एस.एस. अहलुवालिया
उपाध्यक्ष
माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

श्री अजय साहनी
कार्यकारी उपाध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह
सदस्य
अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

श्री आर. सुब्रह्मण्यम
सदस्य
सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबूद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
तकनीकी शिक्षा परिषद

श्रीमती किरण सोनी गुप्ता
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (ए.बी.सी. प्रभाग)
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

अधिशासी परिषद (2018-19)

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव, (एच.आर.डी.) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजेश अग्रवाल
सदस्य
महानिदेशक (प्रशिक्षण), कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
अध्यक्ष, नैसकॉम

प्रो. (डॉ.) केटीवी रेड्डी
सदस्य
अध्यक्ष, आईईटीई

श्री हरी ओम राय
सदस्य
अध्यक्ष, लावा इंटरनेशनल लि.

प्रो. पुष्पक भट्टाचार्य
सदस्य
निदेशक, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी पटना

श्री विनीत नायर
सदस्य
संस्थापक, संपर्क फाउंडेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश

श्री मोहनदास पाई
सदस्य
अध्यक्ष, मणिपाल ग्लोबल एडुकेशन सेर्विसेस प्रा.लि. बैंगलोर

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य, सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

प्रबंधन बोर्ड (2018-19)

श्री अजय साहनी
अध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्रीमती किरण सोनी गुप्ता
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (एबीसी प्रभाग)
इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव, (एचआरडी),
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबूद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
तकनीकी शिक्षा परिषद

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
अध्यक्ष, नैसकॉम

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

वित्त एवं लेखा समिति (2018-19)

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
महानिदेशक, नाइलिट

श्रीमती किरण सोनी गुप्ता
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (एबीसी प्रभाग)
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री ए.के. पिपल
सदस्य
निदेशक एवं एचओडी (एचआरडी),
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्रीमती चमन शर्मा
सदस्य सचिव
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी), नाइलिट

मुख्य सतर्कता अधिकारी/कार्यकारी निदेशक/निदेशक/प्रभारी निदेशक

श्री प्रफुल्ल कुमार
मुख्य सतर्कता अधिकारी,
नाइलिट एवं वरिष्ठ निदेशक,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी
गोरखपुर

डॉ. एम पी पिल्लै
कालीकट

श्री टी पी सिंह
इम्फ़ाल

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता
औरंगाबाद

श्री के बरुआ
गुवाहाटी

डॉ. युमनाम जयंता सिंह
कोलकाता

श्रीमती सुनीता गोयल
चंडीगढ़

श्री शमीम खान
दिल्ली

डॉ. डी के मिश्रा
लखनऊ

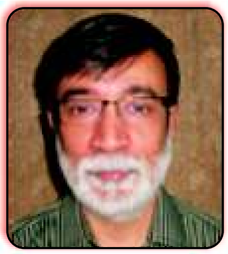
श्री अरूप चट्टोपाध्याय
गेंगटॉक

श्री राजीव अग्रवाल
शिमला

श्री संजीव सूरी
अजमेर, पाली

श्री आलोक त्रिपाठी
पटना

श्री अनुराग माथुर
अगरतला

श्री टी एस बावा
कुरुक्षेत्र

प्रभारी निदेशक/कुलसचिव/मुख्य वित्त अधिकारी

श्री डी एस ओबेरॉय
श्रीनगर/जम्मू

श्री के एम मार्टिन
चेन्नै

श्री वी कृष्णामूर्ति
भुवनेश्वर

श्री एन देबाचन्द्र सिंह
आईजोल, ईटानगर

श्री सांतनु बोर्गोहैन
शिलौंग

श्री एल. लनुवावंग
कोहिमा

श्री अनुराग कुमार
हरिद्वार

श्री तपस त्रिवेदी
रांची

श्री जनक राज
कुलसचिव
लोक शिकायत अधिकारी व
अपीलीय प्राधिकारी

श्रीमती चमन शर्मा
मुख्य वित्त अधिकारी (प्रभारी)

विशेष

क. संगठन

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है। नाइलिट सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) इलेक्ट्रॉनिकी; संचार प्रौद्योगिकी; हार्डवेयर; साइबर कानून; साइबर सुरक्षा; भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस); क्लाउड कंप्यूटिंग; ईएसडीएम; ई–अपशिष्ट; आईओटी; बिग डेटा; ब्लॉक चेन; डेटा विश्लेषण; ई–गवर्नेंस व संबंधित क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के कार्य में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। यह औपचारिक और गैर–औपचारिक दोनों क्षेत्रों में पाठ्यक्रम संचालन तथा राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु संस्थानों/संगठनों को प्रत्यायन प्रदान करती है। नाइलिट विभिन्न राज्य सरकार के कार्मिकों व जनसाधारण के लिए आईटी साक्षरता कार्यक्रम का भी संचालन कर रही है।

नाइलिट अधिशासी परिषद के समग्र नियंत्रण एवं दिशानिर्देशों के अंतर्गत कार्य कर रही है। इस परिषद के अध्यक्ष माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (इ. व सू.प्रौ.) व उपाध्यक्ष व माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री साथ में, सरकार, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न व्यावसायिक निकायों से इसके सदस्य हैं।

नाइलिट के **प्रबंधन बोर्ड** की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव द्वारा की जाती है। बोर्ड तथा परिषद के निर्णयों का कार्यान्वयन प्रभावी रूप से करने हेतु प्रत्येक नाइलिट केंद्र की एक **कार्यकारी समिति** है जिसमें राज्य सरकारों, शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योगों के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं।

नाइलिट की **वित्त और लेखा (वि. एवं ले.) समिति** के अध्यक्ष, महानिदेशक, नाइलिट हैं। यह समिति बजट अनुमान/संशोधित अनुमानों तथा संगठन के वित्तीय मुद्दों/समाधानों की सिफ़ारिश करके अधिशासी परिषद की सहायता करती है। इस समिति को लेखा–परीक्षकों की नियुक्ति के अतिरिक्त, संस्थान की संपरीक्षित वार्षिक लेखों को अधिशासी परिषद द्वारा पारित किए जाने से पहले उनकी जांच करने का अधिकार प्राप्त है। उन्हें मुख्यालय स्तर पर कुलसचिव, मुख्य वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक व सभी संयुक्त निदेशक (तकनीकी) एवं केंद्र स्तर पर कार्यकारी निदेशक/निदेशक का सहयोग प्राप्त होता है।

अकादमिक सलाहकार समिति (एसीसी) की अध्यक्षता प्रख्यात विद्वानों द्वारा की जाती है, जिसके सदस्य शैक्षिक एवं उद्योग क्षेत्रों से होते हैं तथा यह नाइलिट की शैक्षणिक गतिविधियों पर एक सलाहकार निकाय है।

नाइलिट के सतर्कता विभाग के प्रमुख **मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ)** हैं, जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रत्येक केन्द्र तथा नाइलिट मुख्यालय के सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।

पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में जुलाई, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम में उल्लिखित अपेक्षाओं के अनुसार, मुख्यालय में **लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ)** तथा सभी नाइलिट केन्द्रों में लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए आन्तरिक कार्यविधियाँ तैयार की गई हैं और अनिवार्य सूचना नाइलिट की वेबसाइट (www.nielit.gov.in) पर उपलब्ध कराई गई है। सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता लाने तथा नागरिकों की शिकायतों का निवारण सार्थक रूप में करने के उद्देश्य से, नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक **लोक शिकायत अधिकारी (पीजीओ)** की भी नियुक्ति की है। हिन्दी के प्रयोग के संबंध में संवैधानिक अनुदेशों का अनुपालन नाइलिट केन्द्रों में क्षेत्रवार प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है।

वर्तमान स्थिति अनुसार, नाइलिट ने पूरे भारत में अगरतला, ऐजवाल, अजमेर (केकड़ी), अलावलपुर, औरंगाबाद, भुवनेश्वर, कालीकट, चंडीगढ़, चुचुइमलंग, चुराचंदपुर, चेन्नई, दिल्ली, डिब्रूगढ़, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, कोकराझार, कोलकाता, कुरुक्षेत्र, लखनपुरा, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, मजुली, मंडी, पाली, पासीघाट, पटना, रांची, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर, तेजू और तुरा, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय सहित 43 केन्द्रों के साथ अपने नेटवर्क के माध्यम से पहुँच का सुनिश्चय किया है।

नाइलिट के अपने केन्द्रों का प्रतिवर्ष विस्तार

2012 से पूर्व	22	अगरतला, आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, चुचुइमलंग, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, पटना, शिमला, शिलांग, श्रीनगर, तेजपुर
2012-13	6	अजमेर, जोरहाट, सिलचर, चुराचंदपुर, सेनापति, लेह
2013-14	3	रांची, कोकराझार, लुंगलेई
2014-15	1	अलावलपुर
2015-16	2	पासीघाट, तूरा
2016-17	3	कुरुक्षेत्र, डिब्रूगढ़, भुवनेश्वर
2017-18	2	पाली, हरिद्वार
2018-19	4	लखनपुरा, मजुली, मण्डी, तेजू
प्रगति में	8	बक्सर, मुजफ्फरपुर, अल्मोड़ा, अयोध्या, गोवा, दिमापुर, कारगिल, जलंधर

अपने केंद्रों के अतिरिक्त, नाइलिट का ओ/ए/ बी/सी स्तर के प्रशिक्षण के लिए लगभग 850+ प्रत्यायित केन्द्रों का एक अच्छा नेटवर्क स्थापित है तथा डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण में लगभग 9,200+ सुविधा केन्द्रों का एक नेटवर्क से जुड़ा हुआ है जिससे, नाइलिट का देश के सभी क्षेत्रों एवं समाज के सभी वर्गों तक पहुँच के संबंध में विशिष्ट स्थान है।

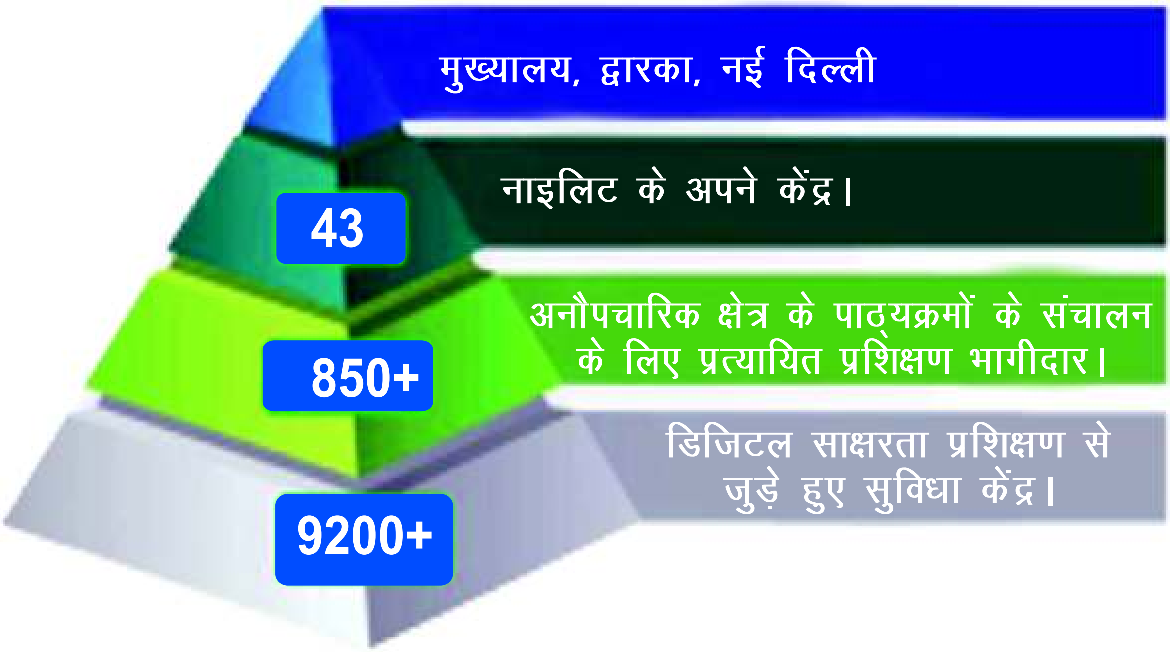

नाइलिट–अखिल भारतीय स्तर पर उपस्थिति

(31 मार्च, 2019 तक)

क्र. सं.	राज्य / केंद्र शासित प्रदेश	केंद्रों की संख्या			
		मुख्य	विस्तार	प्रत्यायित	सुविधा
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह			0	1
2	आंध्रप्रदेश			3	69
3	अरुणाचल प्रदेश	1	2	3	11
4	असम	1	6	24	160
5	बिहार	1	2	17	401
6	चंडीगढ़			1	5
7	छत्तीसगढ़			8	200
8	दादर व नगर हवेली			0	2
9	दमन व दीव			0	1
10	गोवा			0	15
11	गुजरात			19	221
12	हरियाणा	1		16	217
13	हिमाचल प्रदेश	1	1	27	118
14	जम्मू और कश्मीर	1	2	82	397
15	झारखंड	1		11	138
16	कर्नाटक			5	305
17	केरल	1		9	313
18	लक्षद्वीप			0	0
19	मध्य प्रदेश			28	384
20	महाराष्ट्र	1		9	1315
21	मणिपुर	1	2	4	40
22	मेघालय	1	1	2	17
23	मिजोरम	1	1	1	9
24	नागालैंड	1	1	4	5
25	दिल्ली–एनसीटी	1		59	150
26	ओडीशा	1		32	231
27	पुडुचेरी			0	9
28	पंजाब	1		8	95
29	राजस्थान	1	1	57	337
30	सिक्किम	1		2	10
31	तमिलनाडु	1		3	290
32	तेलंगाना			0	14
33	त्रिपुरा	1		2	30
34	उत्तर प्रदेश	1	1	371	3193
35	उत्तराखंड	1		22	185
36	पश्चिम बंगाल	1		29	385
	कुल	**23**	**20**	**858**	**9273**

ख. कौशल विकास, क्षमता निर्माण तथा नियोजनीयता

कौशल विकास दीर्घकालीन विकास प्रक्रिया को प्रेरित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और यह अनौपचारिक से औपचारिक अर्थव्यवस्था में संचरण की सुविधा प्रदान करने में योगदान दे सकता है। अच्छी तरह कार्य करने के सिद्धान्त तथा मूल्य, कौशल विकास के डिजाइन एवं प्रदायगी के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं और ये सामाजिक रूप में उचित संचरण का कुशल प्रबंध करने का एक प्रभावी मार्ग है। राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का उद्देश्य उन्नत कौशल, ज्ञान तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रूप में मान्यता प्राप्त अर्हता के माध्यम से सभी व्यक्तियों का सशक्तीकरण करना है जिससे, वे अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकें तथा वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित हो सके। नाइलिट विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में आईईसीटी में युवाओं को कौशल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले व्यापक पाठ्यक्रमों में ये शामिल हैं : (क) नाइलिट केन्द्रों द्वारा राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों/तकनीकी बोर्डों के सहयोग से चलाए जाने वाले **औपचारिक क्षेत्र** के पाठ्यक्रम जैसे कि **एमई/एम.टेक, बीई/बी.टेक, एमसीए, बीसीए** कार्यक्रम; औरंगाबाद केन्द्र भी इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में **पीएचडी** कार्यक्रम चलाता है (ख) सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर आदि के चार स्तरों पर अर्थात **'ओ'** (आरम्भिक); **'ए'** (उन्नत डिप्लोमा); **'बी'** (एमसीए के समतुल्य) तथा **'सी'** (एम.टेक के समतुल्य) पर **अनौपचारिक क्षेत्र** के पाठ्यक्रम; प्रमुख क्षेत्रों में **अल्पावधि पाठ्यक्रम;** तथा देश में डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए **सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम;** और राज्य सरकारों के कर्मचारियों के सशक्तीकरण के लिए ई–शासन, ई–अपशिष्ट, जीएसटी में विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की फर्मों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार **विशेष रूप से तैयार कौशल विकास कार्यक्रम** चलाने की विशेषज्ञता तैयार की है।

प्रशिक्षण का विवरण : अप्रैल, 2018 से मार्च, 2019 के दौरान, विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुशल/ प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या, इस प्रकार है:

क्र. सं.	पाठ्यक्रमों का वर्गीकरण	प्रशिक्षित/कुशल/उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या
1	**औपचारिक पाठ्यक्रम** (एम.टेक/बीसीए/एमसीए/तीन वर्षीय डिप्लोमा इत्यादि)	2,364
2	**अनौपचारिक पाठ्यक्रम** 1 वर्ष या उससे अधिक अवधि के आईटी हार्डवेयर/ मल्टीमीडिया इत्यादि में (ओ/ए) स्तर।	33,190
3	**लघु अवधि पाठ्यक्रम** (एक वर्ष से कम अवधि के सभी अल्पकालिक पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं; डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम के अतिरिक्त)	36,075
4	**डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम** (सीसीसी एवं बीसीसी की परीक्षा में उपस्थिति)	16,34,054
	अभ्यर्थियों की कुल संख्या	17,05,683

मार्च, 2019 तक डिजीलॉकर में प्रमाणपत्रों की संख्या–15,48,913 (संचित)

ग. सहभागिता और समझौता ज्ञापनों के द्वारा तालमेल

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के साथ समझौता–ज्ञापन : नाइलिट दिल्ली केद्र द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जी.बी.यू.) ग्रेटर नोएडा के साथ आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में विभिन्न अल्पअवधि और दीर्घ अवधि के पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने हेतु पारस्परिक सहयोग से समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री जयदीप कुमार मिश्रा, महानिदेशक, नाइलिट द्वारा दिनांक 13 मार्च, 2019 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स को बढ़ावा देने के लिए समझौता–ज्ञापन: नाइलिट शिलौंग केन्द्र तथा डॉ. एच. गार्डोन रार्बट अस्पताल, शिलांग द्वारा अस्पताल के उपकरणों के परीक्षण, अंशांकन, मरम्मत एवं रखरखाव के संदर्भ में परामर्श सेवाएं प्रदान करने हेतु समझोता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। परामर्श सेवाओं से परिकल्पित समझौता–ज्ञापन इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स व स्वास्थ्य सूचना प्रभाग में अनुसंधान व विकास द्वारा प्रायोजित मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स परियोजना का हिस्सा है, जिसे मेघालय में नाइलिट शिलांग केन्द्र द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

बिहार सरकार के साथ समझौता–ज्ञापन: नाइलिट पटना ने बिहार सरकार के पंचायती राज्य विभाग के अंतर्गत बिहार ग्राम स्वराज योजना सोसायटी के साथ 25 फरवरी, 2019 को एक समझौता–ज्ञापन पर हस्तारक्षर किए, जिसमें बिहार पंचायती राज पदाधिकारियों को पीईएस (पंचायती इन्टरप्राइजेज सूट), जीपीएमएस (ग्राम पंचायत प्रबंधन प्रणाली) तथा राज्य के अन्य विशिष्ट ऐप्स तथा डब्ल्यूएपी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा। बिहार सरकार के उद्योग विभाग तथा नाइलिट पटना केन्द्र के बीच एक अन्य करार पर दिनांक 06 मार्च, 2019 को हस्ताक्षर किए गए।

कौशल विकास के लिए असम में कॉलेजों के साथ समझौता–ज्ञापन: नाइलिट गुवाहाटी केन्द्र में हांडिक गर्ल्स कॉलेज, गुवाहाटी, आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी; जवाहर लाल नेहरू कॉलेज, बोको, कामरूप, असम और गुवाहाटी कालेज जैसे कई कालेजों के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए इस करार के साथ वह अपने कालेजों के एससी/एसटी विद्यार्थियों को नाइलिट असम में स्थित केन्द्र एवं विस्तारण केन्द्रों में प्रशिक्षण (एनएसक्यूएफ से संबंद्ध पाठक्रमों में) प्रदान करेंगे।

जॉब्सेन्ज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता–ज्ञापन: नाइलिट इम्फाल केन्द्र ने जॉब्सेन्ज प्राइवेट लिमिटेड, जोकि सिंगापुर स्थित एक स्टार्टअप कंपनी है, के साथ नाइलिट इंफाल केन्द्र में जॉब्सेन्ज टेक्नालॉजी इन्कुबेशन केन्द्र की स्थापना हेतु दिनांक 10 नवबंर, 2018 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

रैयत संस्थान समूह के साथ समझौता–ज्ञापन: नाइलिट रोपड़ केन्द्र ने रैयत संस्थान समूह के साथ रोजगार संर्वधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता–ज्ञापन के उद्देश्य से रयातबाहरा समूह संस्थानों के विद्यार्थियों का कौशल विकास करना है तथा रयातबाहरा समूह के विद्यार्थियों हेतु एनएसक्यूएफ से संबंद्ध पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण हेतु नाइलिट को सुविधा प्रदान करना है।

उद्योग एवं व्यापार विभाग नागालैंड के साथ समझौता–ज्ञापन: नागालैंड में क्षमता–निर्माण तथा कौशल विकास के क्षेत्र में संयुक्त सहयोग के उद्देश्य से नाइलिट कोहिमा केन्द्र तथा उद्योग एवं व्यापार विभाग, नागालैंड के साथ दिनांक 18 अप्रैल, 2018 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता–ज्ञापन के अनुसार नागालैंड सरकार आईईसीटी के क्षेत्र में युवा कौशल के व्यापारिक हब दीमापुर में केन्द्र स्थापित करने के लिए नाइलिट, कोहिमा निर्मित स्थान उपलब्ध कराएगा।

आईईटी भद्दल के साथ समझौता–ज्ञापन: नाइलिट रोपड़ केन्द्र द्वारा आईईटी भद्दल के साथ विद्यार्थियों के रोजगार संवर्धन हेतु दिनांक 08 जून, 2018 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन के अंतर्गत बी.टेक तथा अन्य स्नातक पाठयक्रमों के प्रथम व द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पंजाब विश्वविद्यालय के साथ समझौता–ज्ञापन: नाइलिट रोपड़ ने रोजगार संवर्धन पाठयक्रम के अंतर्गत पंजाब टेक्नीकल यूनिर्वसिटी (पीटीयू) से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु पीटीयू के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

डब्ल्यू बीईआईडीसी के साथ समझौता–ज्ञापन: डॉ० वाई जयंता, निदेशक नाइलिट कोलकाता और पश्चिम बंगाल इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग विकास निगम के प्रतिनिधि श्री कौशिक हल्दर, आई.ए.एस., अपर सचिव, पश्चिम बंगाल के बीच दिनांक 04 अप्रैल, 2018 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, इसके अंतर्गत, अगले तीन वर्षा के दौरान पश्चिम बंगाल के जिलों में 54 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दिल्ली में सरकारी संगठनों के साथ समझौता–ज्ञापन: नाइलिट दिल्ली केन्द्र ने दिल्ली के कई सरकारी संगठनों जैसे एआईसीटीई, दिल्ली उच्च न्यायालय, एनडीएमसी, सीआरआईएस (रेलवे सूचना प्रणाली के लिए केन्द्र) आदि के साथ सरकार के ई–सरकार परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु आईटी संसाधन व्यक्तियों को प्रदान करने के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्तार किए गए हैं।

जादवपुर विश्वविद्यालय पर समझौता–ज्ञापनः नाइलिट कोलकाता ने इजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रमों का संचालन हेतु दिनांक 09 मार्च, 2019 को जादवपुर विश्वविद्यालय के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापनः नाइलिट कोलकाता ने दिनांक 12 अप्रैल, 2018 को सेल–आईएसपी बर्नपुर में लीगेसी अप्लीकेशन साफ्टवेयर के रखरखाव हेतु भारत सरकार के उपक्रम स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इंफाल कॉलेज के साथ समझौता–ज्ञापनः नाइलिट इंफाल ने राष्ट्रीय उच्च्तर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) के अंतर्गत अपने परिसर में विभिन्न कौशल विकास पाठयक्रम प्रशिक्षण तथा तकनीकी ज्ञान एवं जनशक्ति प्रदान करने हेतु महाराजा बोधचंद्र कालेज, इंफाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

घ) राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय सहयोग तथा प्रदर्शनियां

नाइलिट ने क्षमता निर्माण गतिविधियों को द्विपक्षीय बैठकों तथा उद्योग संबंधित दौरों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय आयोजनों के अवसर पर अपनी पहल को रेखांकित किया। इनमें से कुछ पहल हैंः

- ताइवान में आयोजित मोबाईल हैंडसेट डिजाइन इंजीनियरों को प्रशिक्षणः– (चरण II: मोबाईल हैंडसेट डिजाइन इंजीनियरों के लिए मोबाइल विनिर्माण व्यवहारिक व्यक्तियों के लिए निवेश प्रोत्साहन)ः इसका मुख्य उद्देश्य इलैक्ट्रॉनिक्स या दूरसंचार डोमन के लिए अनुभवी डिजाइन इंजीनियर बनने के लिए आवश्यक मूलभत कौशल प्रदान करना था। इसमें उच्च्तम स्तर के हैंडसेट डिजाइन के लिए सब–असेम्बली तथा कम्पोनेंट के चयन के साथ (जैसेः एडप्टर, बैटरी, कैमरा मॉड्यूल आदि) विनिर्माण सम्मिलित है। नाइलिट के चार इंजीनियरों ने परियोजना के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर बनने हेतु दिनांक 12 मार्च, 2019 से 02 अप्रैल, 2019 तक ताइवान में आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया।
- अंतराष्ट्रीय सहयोग से इएसडीएम को बढ़ावाः डॉ० एम. के. पिल्लई., कार्यकारी निदेशक (दिनांक 09 अप्रैल से 12 अप्रैल, 2018 तक) ताइवान गए, वह इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के शिष्टमंडल में सम्मिलित थें। इसका नेतृत्व श्री पंकज कुमार, अपर सचिव द्वारा किया गया, इस दौरे का उद्देश्य ईएसडीएम क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना था।
- **अंतराष्ट्रीय/राष्ट्रीय मंच पर तकनीकी प्रलेख प्रस्तुतिः** श्री के. बेतल, वैज्ञानिक 'सी' नाइलिट केंद्र, कोलकाता ने 18–20 जनवरी, 2019 को कुआलालमपुर, मलेशिया में तीसरी आईसीडीएमएआई संगोष्ठी में 'एक दृष्टिकोण–मौजूदा विषम बहुसांस्कृतिक स्थिति पर वास्तविक समय कार्य प्रयोज्यता' पर एक प्रलेख प्रस्तुत किया। डॉ० वाई जयंता सिंह, निदेशक नाइलिट केंद्र, कोलकाता ने पंजाब में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में 'ग्रीन कम्प्यूटिंग' पर व्याख्यान दिया। 22–23 नवम्बर, 2018 नाइलिट कोलकाता के वैज्ञानिक श्रीमती एस. भट्टाचार्य ने सीआईसीएन में मीन बेस्ड केपीसीए का प्रयोग करते हुए महिला प्रजनन अंग कैंसर की प्रभावी निगरानी पर व्याख्यान दिया।
- जैव सूचना विज्ञान पर कार्यशालाः नाइलिट गुवाहाटी केन्द्र ने दिनांक 16 फरवरी, 2019 को मंगलबोई कॉलेज, मंगलबोई असम में जैव प्रौद्योगिकी विभाग की जैवसूचना विज्ञान पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

ड) वर्ष 2018–2019 के दौरान नाइलिट परिसर का निर्माण व बुनियादी ढांचा

दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लाभ हेतु आवासीय सुविधाओं के साथ–साथ बुनियादी ढ़ांचा प्रदान करने की दृष्टि से इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमआईइटीवाई) भारत सरकार ने देश के विभिन्न भागों में स्थाई परिसरों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। नाइलिट ने अपनी समग्र निधि से नाइलिट मुख्यालय/भवन का निर्माण किया है। नए केन्द्रों की स्थापना से नाइलिट की पहुंच दूरस्थ उन क्षेत्रों तक बनी है जहां, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान नहीं हैं। स्थायी परिसरों के साथ–साथ नाइलिट का प्रयास है कि दूरस्थ क्षेत्रों में संबंधित राज्यों में स्थित नाइलिट केन्द्रों की निगरानी में प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाए। वर्ष 2018–2019 के दौरान पूर्ण/निर्माणाधीन भवन परियोजनाओं की स्थिति, इस प्रकार हैः

पाकयांग सिक्किम में एक नए नाइलिट केन्द्र का निर्माणः केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित परियोजना 'पूर्वोत्तर

क्षेत्र का विकास' के अंतर्गत आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/क्षमता बढ़ाने हेतु पाक्यांग उपमंडल के अंतर्गत पचखनी ब्लॉक में नाइलिट के स्थाई परिसर के निर्माण के लिए सिक्किम सरकार द्वारा 8.54 एकड़, भूमि आवंटित की गई है। 50 फीसदी कार्य पूर्ण होने के साथ निर्माण–कार्य प्रगति पर है।

लाखनपुरा में नाइलिट अध्ययन केन्द्रः प्रधानमंत्री, सांसद आदर्श ग्राम योजना के दूसरे चरण के अंतर्गत श्री रविशंकर प्रसाद माननीय इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा कानून एवं न्याय मंत्री, भारत सरकार ने पटना के ब्लॉक बख्तियारपुर के लखनपुरा गांव को अपनाया है जिससे कि, आईईसीटी समर्थित पाठयक्रमों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं का कौशल बढ़ाया जा सके।

इस प्रयास में नाइलिट पटना ने गांव में एक आदर्श कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र कि शुरुआत की है। जिसका उद्घाटन माननीय मंत्री महोदय द्वारा दिनांक 21 जून, 2018 को किया गया। नए कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र आधुनिक तकनीकी कक्षा–कक्ष तथा कम्प्यूटर प्रयोगशाला से सुसज्जित है। क्षेत्र के स्थानीय युवाओं की सुविधा हेतु विशेष रूप से महिला अभ्यर्थियों को केन्द्र के विभिन्न रोजगार उन्मुखी पाठयक्रमों में नामांकन कराया जाना अपेक्षित है।

नाइलिट केंद्र, कोलकाताः नाइलिट कोलकता केंद्र को साल्टलेक स्थित नवनिर्मित परिसर से शुरू किया गया है। इस परिसर का निर्माण फरवरी, 2009 में एमआईइटीवाई की अनुमोदित परियोजना के अंतर्गत किया गया था।

नाइलिट विस्तार केंद्र, माजूलीः माननीय इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा कानून एवं न्याय मंत्री, भारत सरकार, श्री रविशंकर प्रसाद ने असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल के साथ दिनांक 30 जुलाई, 2018 को

गुवाहाटी में एक बैठक के दौरान माजूली, असम में एक नया नाइलिट केन्द्र के शुभारंभ की घोषणा की। तत्पश्चात् असम सरकार तथा जिला प्रशासन, माजूली व नाइलिट गुवाहाटी ने स्थान की पहचान की एवं माजूली में किराए पर एक स्थान से प्रारम्भ करने की पूर्व–औपचारिकताओं के पश्चात दिनांक 01 जनवरी, 2019 से माजूली में नाइलिट अध्ययन केन्द्र का संचालन कर दिया गया।

पूर्वोतर में स्थायी परिसरों का निर्माण / उन्नयनः उत्तर पूर्व में वर्ष 2012 में माननीय मंत्रिमंडल द्वारा 18 परिसरों की स्वीकृति दी गई थी। 12 स्थानों (मणीपुर में इम्फाल, सेनापति और चुड़ाचंद्रपुर, मिजोरम में आइजोल लुंगलेईय, नागालैंड में चुचुइमलांग अरूणाचल प्रदेश में पासीघाट, असम में तेजपुर, कोकराझार, जोरहट, डिब्रुगढ़ तथा सिक्किम में गंगटोक) में निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है।

नाइलिट विस्तार केंद्र, बक्सरः दिनांक 13 सितंबर, 2018 को श्री रविशंकर प्रसाद का माननीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा कानून एवं न्याय मंत्री, भारत सरकार ने आईटीआई मैदान बक्सर में बनने वाले नाइलिट केन्द्र की आधारशिला रखी। इस अवसर पर श्री नीतिश कुमार माननीय मुख्यमंत्री बिहार, श्री सुशील कुमार मोदी माननीय उप मुख्यमंत्री बिहार, श्री अश्विनी कुमार चौबे, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, डॉ० जयदीप कुमार मिश्रा, महानिदेशक, नाइलिट तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। आईटीआई मैंदान बक्सर में विस्तार केंद्र का निर्माण, नवीनतम स्मार्ट क्लासरूम और प्रयगोशाला के साथ करवाया जाएगा जो, लगभग 1000 वर्गमीटर के क्षेत्र में निर्मित होंगी। बिहार सरकार ने बक्सर में विस्तार केंद्र के लिए एक एकड़ भूमि आवंटित की है जो, विभिन्न दीर्घकालीक और अल्प अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संचालन के उद्देश्य से है।

नाइलिट विस्तार केंद्र, मंडीः— विस्तार केंद्र, शिमला ने हिमाचल सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गए स्थान मंडाव होटल, मंडी स्थित अपनी गतिविधियों का शुभारंभ किया है जब तक कि स्थायी परिसर का निर्माण पूर्ण न हो। केन्द्र का उदघाटन माननीय मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश द्वारा दिनांक 05 मार्च, 2019 को किया गया। नाइलिट शिमला ने स्थायी परिसर के निर्माण हेतु पूर्व में ही स्थान का अधिग्रहण कर लिया है।

च) डिजीटल साक्षरता

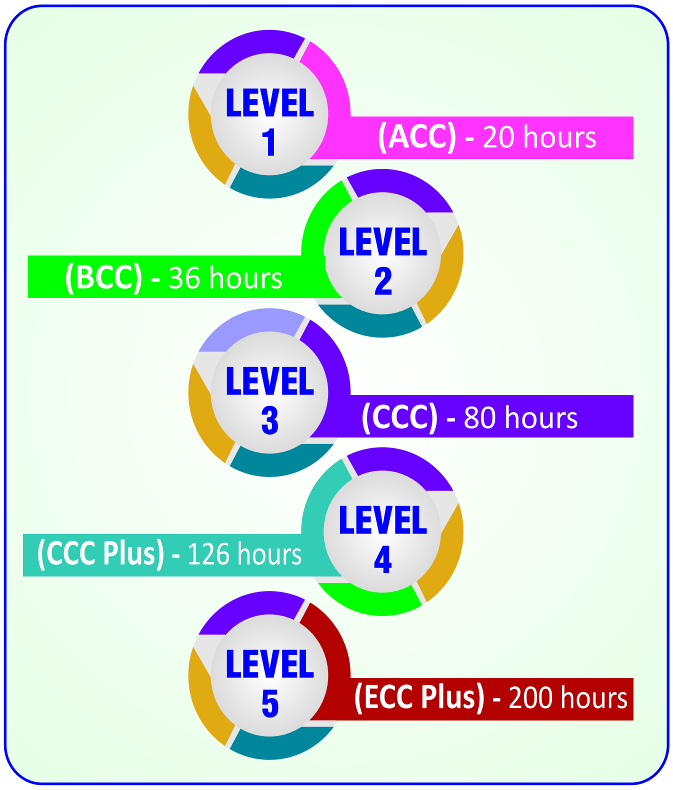

डिजीटल साक्षरता एक ऐसा अभियान है, जो भारत सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया है कि सरकार की सेवाओं को ऑनलाइन बुनियादी ढांचे में अत्यधिक सुधार के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाकर या तकनीकी क्षेत्र में देश को डिजीटल रूप से समर्थ बनाकर इलैक्ट्रॉनिकी रूप से नागरिकों को उपलब्ध कराया जाए। डिजीटल साक्षरता से तात्पर्य विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों जैसे कि स्मार्टफोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप आदि के माध्यम से स्पष्ट जानकारी खोजने, मूल्यांकन, उत्पादन और संचार करने की किसी व्यक्ति की क्षमता से है। डिजीटल साक्षरता दिनचर्या के कार्यों में तकनीक का प्रयोग करने तथा उत्पादकता बढ़ाने में जनसाधारण की सहायता करती है। डीआईईटीवाई की मानव संसाधन की शाखा के रूप में नाइलिट अपने आईटी साक्षरता पाठ्यक्रमों के माध्यम से डिजिटल डिवाइड को कम करने में प्रयासरत है, विशेषतः यह समाज के हाशिए पर आने वाले युवाओं के रोजगार के लिए अग्रणी है। नाइलिट में डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों की एक श्रेणी है, जैसे कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट जागरूकता (एसीसी–20 घंटे) बेसिक कम्प्यूटर कोर्स (बीसीसी–36 घंटे) कोर्स आन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट (सीसीसी–80 घंटे) कोर्स ऑन कॅम्प्यूटर कॉन्सेप्ट प्लस (सीसीसी प्लस 126 घंटे) एक्सपर्ट कम्प्यूटर कोर्स (इसीसी–200 घंटे) ये पाठ्यक्रम देश में डिजिटल साक्षरता के प्रभावी प्रसार के लिए अनुशंसित है। कई राज्य सरकारों ने रोजगार पदोनति, वेतनवृद्धि के उद्देश्य हेतु इन पाठ्यक्रमों को मान्यता भी प्रदान की है। मुख्यतः नाइलिट के बीसीसी/सीसीसी के डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों को अरूणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, दमन व दीव, गुजरात महाराष्ट्र, मिजोरम, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, सीजीए, डीजी तथा टी कार्यालय आदि ने भर्ती/सेवाकाल पदोन्नति/ प्रोत्साहन आदि के उद्देश्य से मान्य किया है।

छ) वर्ष 2018–2019 के दौरान महत्वपूर्ण आयोजन/ उपलब्धियां

1. आईटी तथा डिजिटल सेवाओं में क्षमता–निर्माण (जीएसटी तथा डिजिटल भुगतान सहित):

यह परियोजना उत्तर–पूर्व क्षेत्र (एनइआर) में आईटी तथा डिजिटल सेवाओं पर दस हजार राजकीय सेवकों के प्रशिक्षण के लक्ष्य के साथ नाइलिट द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण हो गई है। डोनर मंत्रालय (उत्तर–पूर्व क्षेत्रीय विकास) तथा उत्तर–पूर्व परिसर (एनइसी) के सहयोग से, उत्तर–पूर्व क्षेत्र में स्थित सभी नाइलिट केन्द्रों द्वारा 320 बैचों के माध्यम से दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

परियोजना का उद्देश्य अधिकारियों को डिजिटल साक्षरता अर्थात ई–गर्वनेस सेवाएं, जीएसटी ट्रेनिंग

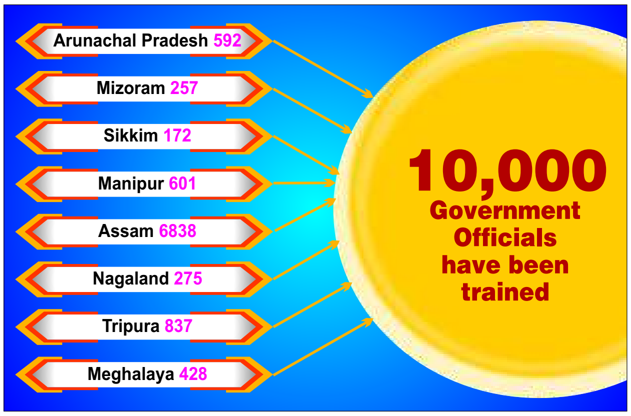

विशेष रूप से सरकारी कार्यों में आईटी और डिजिटल सेवाओं के प्रयोग संबंधी प्रशिक्षण देकर उनके आईटी कौशल को बढ़ाना था। विभिन्न विभागों जैसेकि वन एवं पर्यावरण, समाज कल्याण, हैण्डलूम, पर्यटन, सामुदायिक एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, कार्मिक विभाग आदि 616 विभागों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सभी पूर्वोत्तर राज्यों में कार्यक्रम को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

2. डिजीटल उत्तर–पूर्व विजन 2022 का शुभांरभ : दिनांक 11 अगस्त, 2018 को माननीय श्री रवि शंकर प्रसाद, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा कानून एवं न्याय मंत्री, भारत सरकार ने असम गुवाहाटी, मेघालय और त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्रियों तथा पूर्वत्तर के अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में "डिजिटल उत्तरपूर्व विजन 2022" का दस्तावेज जारी किया। विजन 2022 एक महत्वाकांक्षी भविष्यवादी दस्तावेज है जो, डिजिटल तकनीक का लाभ लेते हुए उत्तर–पूर्व के जनसाधारण के जीवन में परिवर्तन तथा डिजिटल विभाजन को दूर करके उत्तर–पूर्व के जनसाधारण के जीवन को सहज व सरल बनाने में मदद करता है। इस

शिलांग, मेघालय में नाइलिट के स्थायी परिसर की आधारशिला श्री रविशंकर प्रसाद, माननीय केन्द्रीय मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी और विधि एवं न्याय तथा श्री कॉनराड कोंगकल संगमा, माननीय मुख्यमंत्री मेघालय द्वारा रखी गई।

आयोजन के दौरान माननीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार ने 4 स्थायी नाइलिट केन्द्रों गुवाहाटी, शिलांग, लुंगलेई और गंगटोक की आधारशिला भी रखी। यह कार्यक्रम नाइलिट गुवाहाटी द्वारा नाइलिट मुख्यालय एवं एमआईइटीवाई के पर्यवेक्षण में गुवाहाटी, असम में आयोजित किया गया।

3. डिजिटल इंडिया' हेतु ईएसडीएम में कौशल विकास योजना : इस योजना का उद्देश्य 3,28,000 व्यक्तियों के कौशल विकास के माध्यम से ईएसडीएम क्षेत्र के विकास के लिए एक इकोप्रणाली के निर्माण की सुविधा प्रदान करना है। यह 90,000 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य के साथ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एण्ड मैन्यूफैक्चरिंग (ईएसडीएम) क्षेत्र में कौशल विकास हेतु राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता देने हेतु उनके चयन से पहले, एक अनुमोदित योजना की निरंतरता में है। इस ईएसडीएम योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विद्यार्थियों तथा बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण नाइलिट के प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से प्रदान किया जाता है।

एमईआइटीवाई की ओर से नाइलिट प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसियों में से एक है। परियोजना के कार्यान्वयन के लिए एमईआइटीवाई द्वारा एक ईएसडीएम कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (ईएसडीएम–पीएमयू) बनाई गई है जो धरातल स्तर पर नाइलिट मुख्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रही है।

31 मार्च, 2019 तक 2.88 लाख अभ्यर्थी नामांकित और प्रशिक्षित किए गए जिनमें से 1.95 लाख अभ्यर्थी प्रमाणित और 16847 अभ्यर्थियों को दोनों योजनाओं में संचयी रूप में रखा गया है। योजना की अवधि दिनांक 31 मार्च, 2020 तक बढ़ा दी गई है।

4. पीएमजी दिशा कार्यक्रम : प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को कम्प्यूटर या डिजिटल एक्सेस डिवाइस संचालित करने हेतु प्रशिक्षित करके उन्हें सशक्त बनाना है। यह डिजिटल साक्षरता जागरूकता शिक्षा और क्षमता–निर्माण का एक गतिशील एवं अंगीकृत मंच है जो ग्रामीण समुदायों को वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने में सहायता करेगा। पीएमजीदिशा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण, परीक्षा तथा अभ्यर्थियों का प्रमाणीकरण करने में विभिन्न एजेंसियां सम्मिलित हैं तथा इसके एक भाग के रूप में वर्ष 2018–2019 के दौरान, 7,66,810 अभ्यर्थियों हेतु परीक्षाएं आयोजित की गई।

5. एन.एस.क्यू.एफ. प्रत्यायन योजना पर कार्यशाला: यह सुनिश्चित करने के लिए कि नाइलिट के पाठ्यक्रम उद्योगों की आवश्यकता अनुसार अद्यतन एवं तैयार किए गए हैं, इन पाठ्यक्रमों में सरकारी विनियमन एवं ढांचे के अनुसार परिवर्तन कर सक्रिय उपाय किए जा रहे हैं। स्किल इंडिया मिशन के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए नाइलिट ने 75 राष्ट्रीय कौशल विकास/फ्रेमवर्क पाठ्यक्रमों को श्रेणीबद्ध किया है। (क्षेत्र–इलेक्ट्रानिक्स : 43 और सूचना प्रौद्योगिकी 32) जो लेवल 2 से लेवल 8 के अन्दर हैं (एनएसक्यूएफ) एक ऐसा गुणवता ढांचा है जो योग्यता पर आधारित है जो योग्यता ज्ञान कौशल और सीखने के परिणामों के संदर्भ में योग्यता को व्यवस्थित करता है, चाहे वे औपचारिक, गैरऔपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से प्राप्त किए गए हैं।

एनएसक्यूएफ मान्यता योजना को दिनांक 01 जुलाई, 2018 को नाइलिट गोरखपुर एवं लखनऊ द्वारा आयोजित एक कार्यशाला से शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य योजना के बारे में जागरूकता फैलाना था जिसके अंतर्गत संस्थान, नाइलिट के एनएसक्यूएफ संबद्ध पाठ्यक्रमों का संचालन कर सके। इस कार्यशाला में विभिन्न नाइलिट प्रत्यायित संस्थानों, केन्द्रों, कालेजों तथा अन्य संगठनों के 161 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

6. महिलाओं के लिए साइबर शिक्षा : नाइलिट पटना तथा नाइलिट जम्मू केन्द्र महिलाओं के लिए विशेष रूप से "साइबर शिक्षा" प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह कार्यक्रम साइबर सुरक्षा में विभिन्न प्रकार से रोजगार हेतु पारिश्रमिक के रूप में भावी नियोक्ताओं की मांग के साथ योग्य अभ्यर्थियों के प्लेसमेंट में सहायता भी प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम संयुक्त रूप से माइक्रोसाफ्ट, सीडीएसी, डाटा सेक्यूरिटी कांसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) द्वारा आईएसइए एवं इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सहयोग से प्रायोजित किया गया है।

कार्यशाला/सेमिनार/प्रशिक्षण

- जीएसटी के नियामक ढांचे को समझने में तथा हितधारकों की सहायता करने के उद्देश्य से नाइलिट केन्द्र संबंधित राज्य सरकारों के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। नाइलिट कोहिमा के व्यापार विभाग तथा नागालैंड विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से भारत में जीएसटी विषय पर 22–23 मई, 2018 को नाइलिट कोहिमा केन्द्र में एक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह–सेमिनार का आयोजन किया गया। इसी प्रकार की कार्यशाला नाइलिट केंद्र, गुवाहाटी द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 2019 को एनइडीएफआई कन्वेशन सेंटर गुवाहाटी में भी आयोजित की गई थी।
- नाइलिट कालीकट और राज्य कृषि प्रबंधन विस्तारण प्रशिक्षण संस्थान, केरल ने संयुक्त रूप से अप्रैल, 2018 में केरल में 25 कृषि अधिकारियों हेतु आईईसीटी तथा सोशल मीडिया में एडवांस डिप्लोमा का छः माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- **सरकारी संगठनों के लिए सॉफ्टवेयर विकास:** पूर्वोत्तर जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (एनइआरआईडब्ल्यूएएलएम) के लिए एक वेबसाइट डिजाइन एवं विकसित की गई। यह संस्थान जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा कायाकल्प मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संस्था है। वैबसाइट का यह कार्य नाइलिट विस्तार केन्द्र,

तेजपुर द्वारा किया गया। नाइलिट जम्मू केन्द्र ने जम्मू एवं कश्मीर राज्य डेंटल काउंसिल (जेकेएसडीसी) के लिए एक वेबसाइट डिजाइन एवं विकसित की है इससे जेके एसडीसी के पंजीकरण व नवीनीकरण की प्रक्रिया में आसानी होगी तथा प्रणाली में पारदर्शिता आएगी। नाइलिट अगरतला ने त्रिपुरा के प्रत्येक जिले में सरकारी स्कूलों की स्थिति पर निगरानी के लिए शिक्षा विभाग त्रिपुरा के लिए एक स्कूल निरीक्षण पोर्टल डिजाइन तथा विकसित किया है। यह पोर्टल दिनांक 27 सितंबर, 2018 को माननीय स्कूल एवं उच्च शिक्षा मंत्री त्रिपुरा द्वारा शुरू किया गया। नाइलिट अगरतला में उच्च शिक्षा निदेशालयए त्रिपुरा सरकार के लिए प्लेसमेंट पोर्टल एवं सर्वशिक्षा अभियान (एसएसए) त्रिपुरा के लिए पेरोल प्रबंधन संबंधी पोर्टल भी विकसित किया है।

- नाइलिट कोलकाता द्वारा दिनांक 31 अक्तुबर, 2018 को 'भ्रष्टाचार मिटाओ—एक नया भारत बनाओ' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें नाइलिट केन्द्रों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों एवं सतर्कता अधिकारियों द्वारा भाग लिया गया।

- नाइलिट पटना द्वारा दिनांक 12 दिसंबर, 2018 को साइबर सेल बिहार पुलिस के कर्मियों के लिए एक आईपी, वेबसाईट और ई—मेल ट्रेसिंग संबंधी एक कार्यशाला आयोजित की गई।

- नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा दिनांक 24 अक्तुबर, 2018 पंजाब विश्विद्यालय चंडीगढ़ के विद्यार्थियों में रोजगार कौशल को बढ़ाने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई।

- नाइलिट पटना, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रायोजित 'मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना' के अंतर्गत अल्पसंख्यक समुदाय के उम्मीदवारों के लिए विभिन्न आईटी पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है।

- नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा 1300 से अधिक नर्सों को डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया गया।

- नाइलिट पटना द्वारा बिहार क्षेत्र के केन्द्रीय विद्यालय के पीजीटी के अध्यापकों के लिए साइबर सुरक्षा में तीन दिवसीय मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया।

- **राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड कार्मिकों के लिए प्रशिक्षणः** एनएसजी कर्मियों के लिए 7—11 जनवरी, 2019 को नाइलिट मुख्यालय में एक सप्ताह का कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा नेटवर्किंग पर कौशल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम नेटवर्किंग अवधारणाओं और कम्प्यूटर हार्डवेयर प्रबंधन की बारीकियों पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था।

- **असम में वायुसेना और पुलिस विभाग के लिए कौशल विकास** : नाइलिट गुवाहाटी केन्द्र ने अपने निस्तारण केन्द्रों डिब्रुगढ़, जोरहाट, कोकराझार, सिल्चर और तेजपुर में असम पुलिस के 245 कर्मिकों के लिए कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) का आयोजन किया।

"नाइलिट शिलांग में सेटअप ऑफ मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स लैब" परियोजना के अंतर्गत "मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव" पाठ्यक्रम के अधीन प्रशिक्षण दिया जाना है। 09 से 13 जुलाई, 2018 के बीच एक सप्ताह के कार्यक्रम में 12 पैरा मेडिकल कर्मियों ने भाग लिया।

"नाइलिट अगरतला द्वारा दिनांक 15 मार्च, 2019 को विद्यार्थियों एवं विभिन्न हितधारकों में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से 'डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता' पर आधे दिन की कार्यशाला आयोजित की गई। श्री रेबती मोहन दास, माननीय स्पीकर त्रिपुरा विधानसभा ने इसका उदघाटन किया। नाइलिट आईजोल द्वारा दिनांक 15 मार्च, 2019 को राज्य महिला एसोसिएशन (एमएचआईपी) के सहयोग से डिजीटल भुगतान पर कार्यशाला आयोजित की गई इसमें, 115 व्यापारियों, एमएचआईपी सदस्य तथा सरकारी कर्मचारियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

- नाइलिट श्रीनगर ने फरवरी, 2019 में कम्प्यूटर के सीसीएनए और बेसिक कोर्स के लिए जम्मू व कश्मीर लाइट इन्फेंटरी के जवानों को इन—हाउस प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- नाइलिट इंफाल केन्द्र ने मणिपुर राज्य के इंजीनियरों के लिए ग्रीन जॉब्स (एससीजीजे) और सूराभाटा की टीम के लिए कौशल परिषद का प्रमाणिक प्रशिक्षक होने के नाते 'रूफटॉपसोलर ग्रिड' पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व इसका विवरण	कुल परिव्यय (रु. में)
उत्तर पूर्व क्षेत्र के सात राज्य (असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड व सिक्किम)	**"प्रशासनिक, अनुमोदन सं. एए सं. 1(2)/2012–एचआरडी दिनांक 30.05.2012 के जरिए सूचना इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास"** माननीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित परियोजना को नाइलिट द्वारा एमईआईटीवाई से रु.366.78 करोड़ की वित्तीय सहायता से कार्यान्वित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य पांच वर्ष की अवधि में आईईसीटी प्रशिक्षण/शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण करना है। परियोजना के अंतर्गत, उत्तर पूर्व के क्षेत्र के सभी 18 स्थानों पर अस्थायी निर्मित स्थल (मणिपुर में इम्फाल, सेनापति और चूराचंदपुर, मिजोरम में एजवाल और लुंगलाई, नागालैंड में चुचुइमलंग, मेघालय में शिलांग और तुरा, अरुणाचल प्रदेश में ईटानगर, पासीघाट और तेजू, असम में गुवाहाटी, तेजपुर, कोकराझार, जोरहाट, डिब्रूगढ़ और सिलचर और सिक्किम में गंगटोक) में प्रशिक्षण गतिविधियां शुरू की गई हैं। 18 स्थानों में से 12 स्थानों पर स्थायी परिसरों का निर्माण शुरू किया गया है। (मणिपुर में इम्फ़ाल, सेनापति व चूराचंद्रपुर, मिजोरम में एजवाल, व लुंगलईय नागालैंड में चुचुइमलंग, अरुणाचल में पासीघाट, असम में तेज़पुर, कोकराझार, जोरहाट, डिब्रुगढ़ एवं सिक्किम में गंगटोक हैं।) पीआरएसजी की अपनी 7वीं बैठक की सिफारिशों के अनुसार, छह स्थानों, असम में गुवाहाटी और सिलचर, मेघालय में शिलॉन्ग और तुरा और अरुणाचल प्रदेश में तेजू में स्थायी परिसर की स्थापना का प्रस्ताव भूमि की अनुपलब्धता और अन्य संबंधित मुद्दों के कारण स्थगित कर दिया है।	₹287.00 करोड़
केरल	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(5)/2015–ME&HI दिनांक 28.09.2015 के जरिए पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर का डिजाइन एवं विकास करना है।	₹ 243.56 लाख
महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं.1(12)/2011–एचआरडी दिनांक 1.5.2012 के जरिए इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन तथा उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट औरंगाबाद तथा चेन्नै द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य इस प्रकार हैं: • सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर, तथा शोध प्रोफेशनल सहित विभिन्न स्तरों पर सक्षमता के उपयुक्त स्तर सहित मानव संसाधन विकास। • ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों के विकास के उद्देश्य से कम कीमत वाली इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना। • भारतीय उद्योग को डिजाइन परामर्श–सेवा, अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के उत्पाद विकास एवं तकनीकी समर्थन सेवाएँ उपलब्ध कराना।	₹ 2610 लाख
नागालैंड, मणिपुर और मिज़ोरम	**प्रशासनिक अनुमोदन सं एएए–22 /2/2018–सीएसआरडी–एमइआईटीवाई दिनांक 08.02.2019 के जरिये फॉरेंसिक सेवाओं के साथ–साथ रिमोट फ़ोरेंसिक्स का अधिग्रहण और डिजिटल साक्ष्य का विश्लेषण प्रदान करने के लिए स्टेट ऑफ़ आर्ट डिजिटल फ़ोरेंसिक डेटा केंद्र, उ.पू.के लिए वर्चुअल प्रशिक्षण सेवाओं की स्थापना।** इस परियोजना को नाइलिट कोहिमा, नाइलिट इम्फाल और नाइलिट आइज़ॉल द्वारा संयुक्त रूप से एमइआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य, आवश्यक डिजिटल फोरेंसिक उपकरणों के साथ डिजिटल फोरेंसिक डेटा केंद्र की स्थापना व उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए वर्चुअल प्रौद्योगिकी अवधारणा सहित संसाधनों को साझा करके फॉरेंसिक सेवाओं की पेशकश करना है।	₹ 401.14 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व इसका विवरण	कुल परिव्यय (रु. में)
पश्चिम बंगाल	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. एल–14011/3/2018–एचआरडी दिनांक 27.09.2018 के जरिए जनसाधारण में आईटी हेतु आईटी टूल व टूल तथा पीएमयू का उपयोग करके आजीविका गतिविधियों में वृद्धि पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के युवाओं और महिलाओं का सशक्तिकरण" करना।** यह परियोजना नाइलिट कोलकाता (पश्चिम बंगाल के दो चयनित जिलों अर्थात दार्जिलिंग और अलीपुरद्वार में) द्वारा एमइआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य दिन–प्रतिदिन आजीविका की वृद्धि के लिए कार्यात्मक आईटी पर एससी/एसटी और महिलाओं का सशक्तीकरण करना तथा गतिविधियों और रोजगार सृजन/उद्यमिता विकास को बढ़ावा देना है।	₹ 222.38 लाख
मणिपुर	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. एल–14011/2/2018–एचआरडी दिनांक 26 मार्च, 2019 के जरिए नाइलिट इम्फ़ाल द्वारा "नाइलिट के कम्प्यूटर अवधारणा आधारित पाठ्यक्रम (सीसीसी) पर मणिपुर में नेत्रहीनों के लिए प्रशिक्षण।** इस परियोजना को नाइलिट इम्फाल द्वारा एमइआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य मणिपुर राज्य के 200 नेत्रहीन अभ्यर्थियों उम्मीदवारों को कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट्स (सीसीसी) पर 200 घंटे की अवधि (4–सप्ताह/1–महीने) जैसाकि आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, सॉफ्ट स्किल सहित नाइलिट के सीसीसी पाठ्यचर्या से अच्छांदित है, के साथ प्रशिक्षित करना है। भारतीय नेत्रहीन छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए ब्रेल रीफ्रेशेबल कीबोर्ड के साथ "श्रुति दृष्टि" शीर्षक से भारतीय पाठ का उपयोग करके प्रशिक्षण कार्यान्वित किया जाएगा।	₹ 30.208 लाख
त्रिपुरा	**प्रशासनिक अनुमोदन सं. एल–14011/2/2018–एचआरडी दिनांक 28 मार्च, 2019 के जरिए "उद्यमशीलता और सतत विकास को समर्थकारी बनाने के लिए त्रिपुरा के बेरोजगार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं का कौशल विकास प्रशिक्षण।** इस परियोजना को नाइलिट इम्फाल द्वारा एमइआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य त्रिपुरा के एससी व एसटी युवाओं के बीच उद्यमिता और सतत विकास को समर्थकारी बनाना है, जिसमें 1940 बेरोजगार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को एनएसक्यूएफ से संरेखित 06 कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया है अर्थात; (i) प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर (520 अभ्यर्थी), डाटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन (640 अभ्यर्थी), ईसीजी और आईसीसीयू उपकरण की मरम्मत और रखरखाव (80 अभ्यर्थी), टेलीकॉम तकनीशियन–पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग (360 अभ्यर्थी), बिजली की आपूर्ति, इन्वर्टर और यूपीएस की मरम्मत और रखरखाव (80 अभ्यर्थी) और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत व स्थापन (260 अभ्यर्थी)।	₹ 131.58 लाख
17 राज्य	**अनुमोदन सं. डीजीइ–वी–11011/17/2017–इइ–III (एस) दिनांक 26.06.2018 के जरिए रोजगार महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रायोजित आईटी–ओ स्तर में "एससी/एसटी जॉबसिकर्स का प्रशिक्षण।** रोजगार महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार की वित्तीय सहायता से नाइलिट ने रोजगार एक्सचेंजों के साथ पंजीकृत 1500 एससी/एसटी जॉब सिकर्स के लिए नाइलिट आईटी –'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में निः शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया। कार्यक्रम में कुल 1494 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जॉबसिकर्स नामांकित हुए।	₹ 518 लाख
17 राज्य	**अनुमोदन सं. डीजीइ–वी–11011/16/2017–इइ–III (एस) दिनांक 26.06.2018 के जरिए रोजगार महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रायोजित सीएचएम–ओ स्तर में "एससी/एसटी जॉबसिकर्स का प्रशिक्षण।** रोजगार महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार की वित्तीय सहायता से नाइलिट ने रोजगार एक्सचेंजों के साथ पंजीकृत 700 एससी/एसटी जॉब सिकर्स के लिए नाइलिट सीएचएम–ओ स्तर पाठ्यक्रम में निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया। कार्यक्रम में कुल 606 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जॉबसिकर्स नामांकित हुए।	₹ 298 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम व इसका विवरण	कुल परिव्यय (रु. में)
बिहार	**बिहार ग्रामीण स्वराज योजना सोसाइटी, बीजीएसवाईएस के कर्मचारियों के लिए पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार व पंचायती राज विभाग, बिहार द्वारा प्रायोजित "पीइएस, ई–पंचायत, जीपीएमएस और अन्य राज्य विशिष्ट एप और वेप" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।** यह परियोजना विभाग द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की बेहतर निगरानी और मूल्यांकन में सहायता करेगी। यह पंचायती राज व्यवस्था में बल व पारदर्शिता भी प्रदान करेगी।	₹ 22.5 लाख
बिहार	**उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित' कौशल विकास कार्यक्रम' के अंतर्गत प्रशिक्षण।** **इस परियोजना में, बिहार के बेरोजगार युवाओं को निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जा रहा है:** 1– इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन तकनीशियन (10+2) 2– सौर एलईडी डिजाइन और विनिर्माण (10+2) 3– मुद्रित सर्किट बोर्ड डिजाइन और विनिर्माण (और इलेक्ट्रिकल में डिप्लोमा/बीएससी)। अब तक कुल प्रशिक्षित: 81	₹ 22.5 लाख
बिहार	**अल्पसंख्यक अभ्यर्थियों हेतु क्षमता निर्माण (राज्य सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रायोजित)** इस परियोजना में, 10+2/बीटेक/एमसी, अल्पसंख्यक छात्रों को एडवांस आईसीटी पाठ्यक्रम जैसे एडीएचएनएस (10+2 आईटीआई), नेटवर्किंग विशेषज्ञ (10+2), जावा एंटरप्राइज एडिशन में एडवांस डिप्लोमा (डिप्लोमा विज्ञान में स्नातक की डिग्री/ तकनीकी, कंप्यूटर या किसी भी समकक्ष), एडवांस डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग एंड पब्लिशिंग (10+2), डाटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेट कोर्स (10+2, आईटीआई), वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित कोर्स (10+2) पर प्रशिक्षण मिलता है।	₹ 90 लाख
बिहार	**ई–गवर्नेंस और सूचना सुरक्षा परियोजना (आईटी विभाग, बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)** इस एक दिवसीय कार्यशाला में जिला प्रशासन के अधिकारियों जैसे (डीएम, डीडीसी, एडीसी, एडीएम, सहायक निदेशक और उच्च अधिकारी, आईटी प्रबंधक अन्य विभाग के अधिकारी बीडीओ, सीओ, एसडीओ, डी,सई आदि) के लिए आयोजित की जा रही है। 1– कुल 92 कार्यशालाएँ, आयोजित की जानी हैं। 2– 4600 कर्मचारियों की संख्या का लक्ष्य वर्तमान में 9 कार्यशाला, आयोजित की गई हैं और 640 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है (अब तक सम्मिलित जिले जैसे वैशाली, मुजफ्फरपुर, औरंगाबाद, नवादा हैं) (कार्यशाला जिला स्तर और आयुक्त स्तर पर आयोजित की जानी है।)	₹ 19.5 लाख
बिहार	**साइबर शिक्षा परियोजना: (भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद व माइक्रोसॉफ्ट द्वारा प्रायोजित)** इस परियोजना के अंतर्गत, साइबर सुरक्षा के अंतर्गत 3 माह हेतु बालिकाओं को प्रशिक्षित किया जाता है) कुल प्रशिक्षित : 18 प्रशिक्षणरत : 21	₹ 30 लाख
आर एंड डी परियोजना	चिप्स को सिस्टम डिज़ाइन (SMDP-C2SD) के लिए विशेष जनशक्ति विकास कार्यक्रम–5 साल दिसंबर 2015 से प्रभावी – एमइआईटीवाई।	₹ 94.40 लाख

आय बनाम व्यय
एनपीआर परियोजना को छोड़कर

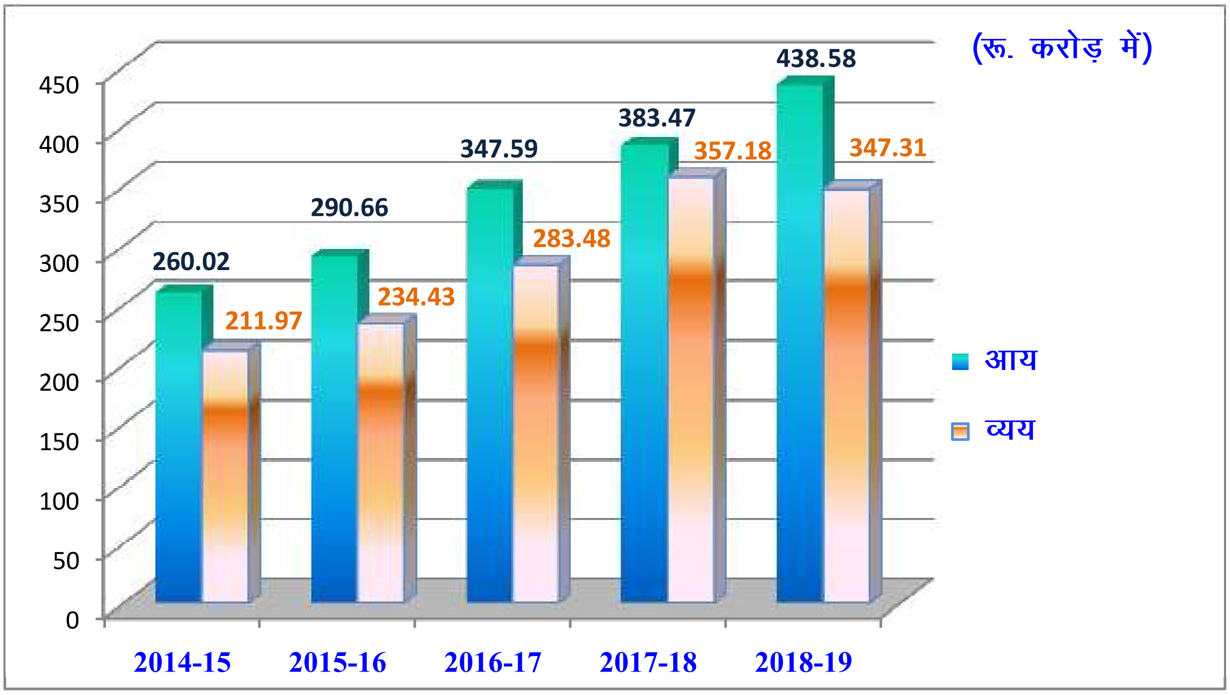

अतिशेष
एनपीआर परियोजना को छोड़कर

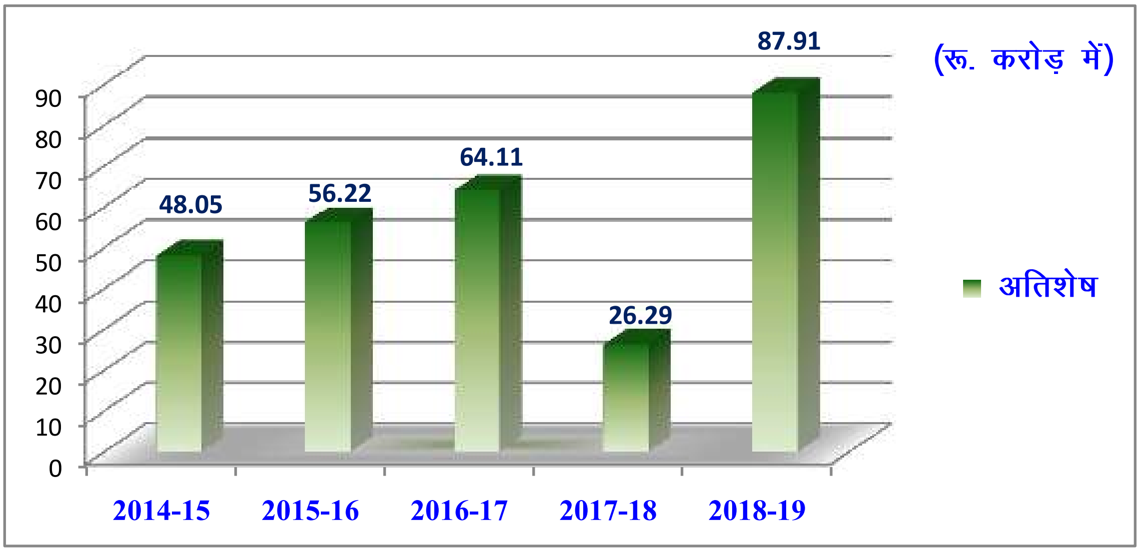

वर्ष 2018–19 हेतु नाइलिट का कार्यकलापवार राजस्व सृजन

157.01	शुल्क / अंशदान
86.11	परियोजनाओं से आय
123.37	बिक्री व् सेवाओं से आय
24.24	अर्जित ब्याज
31.70	विविध आय
15.89	अनुदान / सब्सिडी
0.13	प्रकाशन की बिक्री से आय
0.13	टाउनशिप से प्राप्तियां
438.58	कुल (रुपए करोड़ में)

वर्ष 2018–19 हेतु नाइलिट के व्यय अंश का विवरण

63.78	परियोजनाओं पर व्यय
101.56	सेवाओं पर व्यय
88.67	स्थापना व्यय
66.05	अन्य प्रशासनिक व्यय
27.25	मूल्यह्रास
347.31	कुल (रुपए करोड़ में)

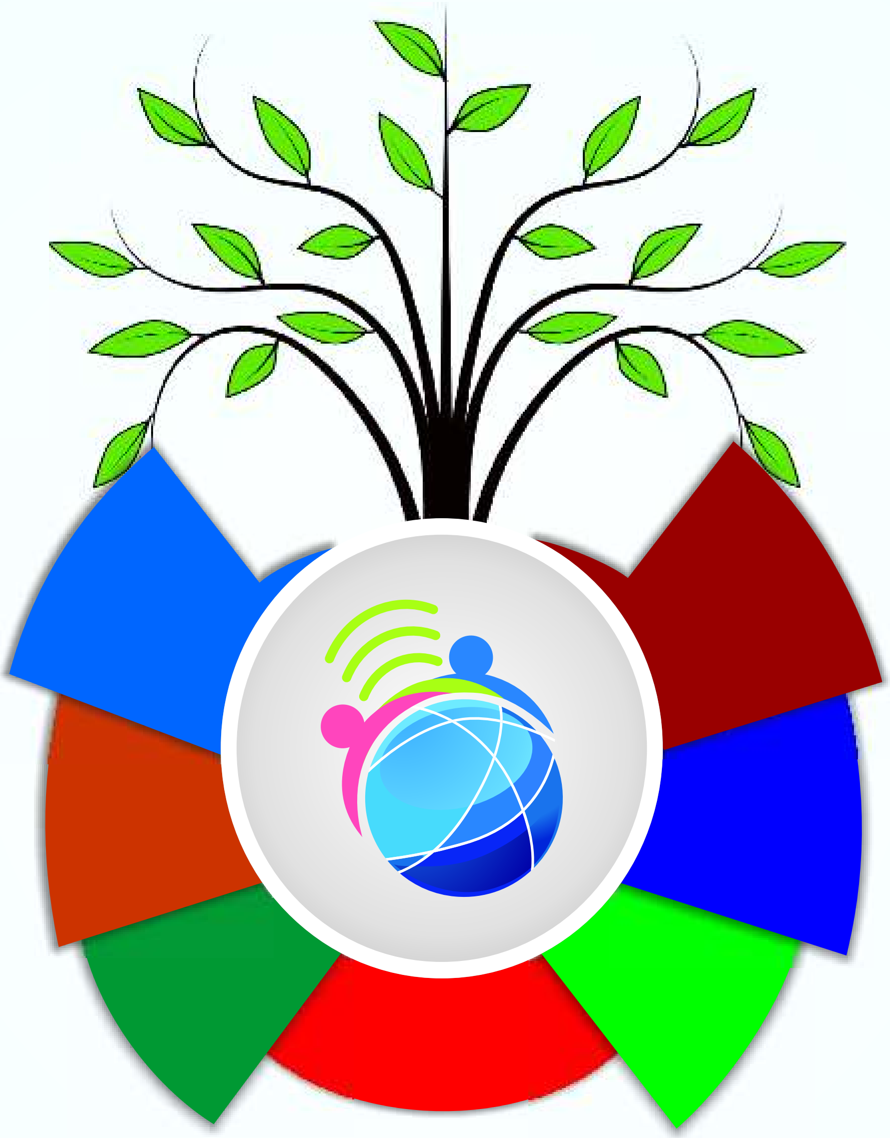

नाइलिट केन्द्र

अगरतला

कार्मिक

नियमित : 19
परियोजना आधारित : 57

कारोबार

801.19 लाख रूपये

प्रभारी निदेशक

श्री अनुराग माथुर

पता

आर. के. नगर (नीप्को के सामने)
खयरपुर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा,
पी.एस.–बोधजंगनगर, त्रिपुरा
पिन–799008

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0381–2391010
फैक्स : 0381–2391220
ई–मेल : dir-agartala@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/agartala

क्षेत्राधिकार राज्य

त्रिपुरा

केंद्र का इतिहास :
केंद्र की प्रारंभिक प्रशिक्षण सुविधा का दिनांक 10 फरवरी, 2009 को उद्घाटन किया गया। केंद्र के स्थायी परिसर का निर्माण 15 एकड़ जमीन पर किया गया है और यह 1 जनवरी, 2016 से परिचालन में है। परिसर में अकादमिक ब्लॉक (जी+3), प्रशासनिक ब्लॉक (जी+2), कार्यशाला, छात्रों का छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और वाहन पार्किंग भी है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :
- सूचना सुरक्षा
- मेडिकल इलेक्ट्रानिकी
- वेब /साफ्टवेयर विकास
- क्लाउड कंप्यूटिंग और ऐप विकास
- ई–गवर्नेंस

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम– नाइलिट एसीसी; बीसीसी; सीसीसी; सीसीसी प्लस • डाटा प्रविष्टी एवं कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम; • प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर; • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम; • लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल तथा पीएचपी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम; • प्रमाणित एंडराइड ऐप्स डेवलपर; • पीसी असेंबली तथा रखरखाव में प्रमाणित पाठ्यक्रम; • मोबाइल मरम्मत और रखरखाव में प्रमाणित पाठ्यक्रम; • सॉफ्ट स्किल्स व संचार अंग्रेजी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम; • टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन में प्रमाणित पाठ्यक्रम; • सौर ऊर्जा संस्थापन प्रचालन तथा रखरखाव; • 8051 माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन; • कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखांकन तथा प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा; • एलएएमपी का प्रयोग करते हुए वेब अनुप्रयोग में एडवांस पाठ्यक्रम • इमेजिंग उपकरण की मरम्मत तथा रखरखाव (एक्स–रे व अल्ट्रासाउंड मशीन); • ईसीजी तथा आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव; • उपभोक्ता इलेक्ट्रानिकी वस्तुओं के संस्थापन तथा मरम्मत मे डिप्लोमा

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) • कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डीसीएसटी) • इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई) • नाइलिट 'ओ' स्तर • नाइलिट 'ए' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ए' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- इस परियोजना को उत्तर–पूर्व राज्यों के राज्य सरकारों के कर्मचारियों हेतु "आईटी और डिजिटल सेवाओं (डिजिटल भुगतान और GST सहित) में क्षमता निर्माण" को डोनर मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता से नाइलिट द्वारा कार्यान्वित किया गया जिसे दिनांक 10 अप्रैल, 2018 को सभागार कक्ष, राज्य अतिथि गृह, अगरतला में आयोजित नीति फोरम की प्रथम बैठक के दौरान डॉ. राजीव कुमार, उपाध्यक्ष, नीति आयोग की गरिमामय उपस्थिति में डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, उत्तरपूर्व क्षेत्रीय विकास द्वारा समर्पित किया गया। इस दिन ही, नाइलिट अगरतला द्वारा विकसित परियोजना के वेब–पोर्टल की भी शुरुआत हुई। नाइलिट अगरतला ने 820 सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया।
- इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित आईएसईए चरण–II की परियोजना नाइलिट अगरतला द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। नाइलिट अगरतला ने क्रमशः सूचना सुरक्षा और लिनक्स प्रशासन में 2/3 दिन और 1 सप्ताह के लिए पाठ्यक्रमों की पहचान की है। आईएसईए चरण– II की लैब स्थापित करने का प्रथम चरण पूर्ण हो गया है और प्रशिक्षण प्रक्रियाधीन है। कुल प्रशिक्षित : 766 सरकारी कर्मचारी तथा 473 विद्यार्थी।
- इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित ई–कचरा प्रबंधन पर 01/03 दिनों की कार्यशालाएँ कुल 114 कर्मचारियों हेतु आयोजित की गईं।
- मई 2018 में त्रिपुरा के सरकारी विदयालयों के 75 शिक्षकों हेतु आईटी और सॉफ्ट स्किल्स पर छह दिनों का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- कौशल विकास निदेशालय, त्रिपुरा सरकार के एक अकादमिक भागीदार के रूप में नाइलिट अगरतला ने भारत कौशल प्रतियोगिता 2018 (राष्ट्रीय कौशल विकास निगम–एनएसडीसी की एक पहल) के लिए आईसीटी श्रेणी के अंतर्गत "वेब डिज़ाइन और विकास" ने 11 प्रतिभागियों की स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की।
- नाइलिट अगरतला द्वारा उच्च शिक्षा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार हेतु प्लेसमेंट पोर्टल, सर्वशिक्षा अभियान (एसएसए), त्रिपुरा हेतु पेरोल प्रबंधन, नाइलिट गुवाहाटी की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) विकसित की जा रही थी।

आइजॉल

कार्यकारी समिति की बैठकें

5 सितंबर, 2018

कार्मिक

नियमित : 21
परियोजना आधारित : 35

कारोबार

783.11 लाख रूपये

प्रभारी निदेशक

श्री एन. देबचन्द्र सिंह

पता

औद्योगिक क्षेत्र, जुआंगतुई,
आइजॉल, मिज़ोरम, पिन–796017

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0389–2350581
ई–मेल : dir-aizawl@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/aizawl

क्षेत्राधिकार राज्य

मिज़ोरम

अध्ययन केन्द्र

पुकपुई, लुंगलेई

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट् आइजॉल को वर्ष 2001 में स्थापित किया गया था और यह समग्र रूप में 8वां केन्द्र है और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में तीसरा है। इसका उद्धेश्य आईईसीटी के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए मिजोरम के युवाओं को सुविधा प्रदान करना है। नाइलिट् आइजॉल के प्रारंभ से, औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों में 30000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। विस्तार केंद्र पुकपुई, लुंगलेई भी 2013 में स्थापित किया गया था और उसने लगभग 3000 विद्यार्थियों से भी अधिक प्रशिक्षित किए हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

☞ एमसीए, बीसीए, डीसीएसई और डीईटीई जैसे दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करना।
☞ सीसीसी, सीसीसी+, टैली, एंड्रॉइड एप्लिकेशन विकास जैसे अल्प अवधि पाठ्यक्रम।
☞ ऑनलाइन और ऑफ़लाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना।

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम • कार्यालय स्वचालन मे प्रमाणित पाठ्यक्रम • डाटा प्रविष्टी एवं कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • कंप्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग तथा प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा • प्रमाणित एंडराइड ऐप्स डेवलपर • प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर • लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल तथा पीएचपी में प्रमाणित पाठ्यक्रम • हार्डवेयर, नेटवर्किंग तथा सूचना सुरक्षा में एडवांस डिप्लोमा • साइबर फोरेंसिक में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पीसी असेंबली तथा रखरखाव में प्रमाणित पाठ्यक्रम • आर्डूइनों आधारित एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • उपभोक्ता इलेक्ट्रानिकी वस्तुओं के संस्थापन तथा मरम्मत मे डिप्लोमा •

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) (एमज़ेडयू से संबद्ध) • बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) (एमज़ेडयू से संबद्ध) • कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई) (एच व टीई, मिज़ोरम सरकार से संबद्ध) • इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई) (एच तथा टीई, मिज़ोरम सरकार से संबद्ध) • 'ए' स्तर (एनएसक्यूएफ से संबन्धित :स्तर–7) • 'ओ' स्तर (एनएसक्यूएफ से संबंधित: स्तर–5)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केंद्र ने डोनर मंत्रालय द्वारा प्रायोजित ''आईटी और डिजिटल सेवाओं में सरकारी कार्मिकों के प्रशिक्षण (डिजिटल भुगतान तथा जीएसटी सहित)'' में 241 कर्मचारियों को प्रशिक्षित व प्रमाणित भी किया ।
- केंद्र ने 4 औपचारिक पाठ्यक्रम आयोजित किए जैसे कि एमसीए, बीसीए, इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा कार्यक्रम और दूरसंचार इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग और वर्ष के दौरान कुल 370 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।
- गैर–औपचारिक लंबी अवधि प्रशिक्षण के अंतर्गत, 55 विद्यार्थियों को नाइलिट 'ओ'/'ए' स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया गया। कुल 139 विद्यार्थियों को विभिन्न अल्पावधि पाठ्यक्रमों जैसे कि प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर, प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर, डाटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा में प्रशिक्षित किया गया।
- वर्ष के दौरान, केंद्र ने अपने कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत सीसीसी में कुल 6441 एससी/एसटी विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।
- 'दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम' दिनांक 20 अप्रैल, 2018 को नाइलिट आइजोल में डॉ ललनुथरा, विकलांगजन आयुक्त, मिज़ोरम सरकार द्वारा शुरू किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नाइलिट आइजॉल ने वर्ष के दौरान 14 नेत्रहीन अभ्यथियों को प्रशिक्षित किया है।
- 146 (93 + 53) सरकारी कर्मचारियों ने केंद्र द्वारा आयोजित 'ई–वेस्ट में खतरनाक पदार्थ तथा प्रबंधन' नामक कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 15 मार्च, 2019 को इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रायोजन के अंतर्गत आयोजित "डिजिटल भुगतान कार्यशाला" में कुल 117 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।
- 30 अभ्यर्थियों को "रूफटॉप सोलर ग्रिड इंजीनियर्स" पर 02 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।
- टीसीएस, एपटेक लिमिटेड, गुवाहटी, अष्टविनायक एसेस्मेंट तथा बिजनेस कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से नाबार्ड भर्ती; मिज़ोरम ग्रामीण बैंक; एसबीआई लिपिक तथा पीओ; सीडीएसी सिल्वर; आईबीपीएस पीओ; जेईई; एसटीएआर आदि की आनलाइन भर्ती परीक्षाएँ आयोजित की गयी।
- केंद्र ने एमबीओसी कामगार कल्याण बोर्ड, मिजोरम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्कूल शिक्षा विभाग और सामाजिक कल्याण विभाग हेतु कंप्यूटर और टाइपिंग परीक्षण संबंधी परीक्षाएं आयोजित की।

अजमेर

कार्मिक

नियमित : 3
परियोजना आधारित : 6

कारोबार

436.97 लाख रूपये

प्रभारी निदेशक

श्री संजीव सूरी

पता

गाँव कोहड़ा, कोटा रोड
केकड़ी (अजमेर)–305404, राजस्थान

सम्पर्क के ब्यौरे

ई–मेल : dir-ajmer@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/aizawl

क्षेत्राधिकार राज्य

राजस्थान तथा गुजरात

अध्ययन केन्द्र

पाली

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट अजमेर केंद्र का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र तथा संबंधित विषय में उद्योग हेतु तैयार पेशेवर उपलब्ध कराना है। रोजगार के अवसर तथा गुणवत्ता जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाने हेतु संस्थान प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है जिससे कि राजस्थान राज्य और पश्चिमी क्षेत्र में कंप्यूटर विज्ञान और आईटी उद्योग के विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, संस्थान राज्य में ई–लर्निंग को बढ़ावा तथा पूरे राज्य में परामर्श सुविधाएं देने के लिए बुनियादी ढांचे से लैस होगा, विशेषतः वेब आधारित एप्लिकेशन की डिजाइनिंग और विकास करके कार्यालय स्वचालन के क्षेत्र में विभिन्न सरकारी विभाग और संगठनों में ई–गवर्नेंस की सुविधा प्रदान करना है। उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- दीर्घकालिक और अल्पावधि पाठ्यक्रमों के माध्यम से कौशल आधारित ज्ञान के साथ उद्योग के लिए गुणवत्ता वाले पेशेवर तैयार करना और उनको सामयिक बनाना।
- गैर–विज्ञान/इंजीनियरिंग वर्ग के जनसाधारण की रोजगार संभावनाओं को बढ़ावा देने हेतु मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों की सुविधा प्रदान करना।
- इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और औद्योगिक डिजाइन पद्धति और उत्पादन तकनीक में ई–प्रशिक्षण प्रदान करना।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

☞ आईईसीटी में क्षमता निर्माण

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट 'ओ' • कंप्यूटर कांसेप्ट पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • बेसिक कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)

दीर्घकालिक कार्यक्रम

• कार्यालय स्वचालन में प्रमाणित पाठ्यक्रम (सीसीओए) • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम • प्रकाशन तथा कंप्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग तथा प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा • प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर • एलएएमपी का प्रयोग करते हुए वेब एप्लिकेशन में एडवांस पाठ्यक्रम • ऊर्जा आपूर्ति, इनवर्टर व यूपीएस की असेंबली तथा रखरखाव • पीसी असेंबली तथा रखरखाव में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम • सौर ऊर्जा संस्थापन प्रचालन तथा रखरखाव • पर्सनल कम्पयूटर की असेंबली तथा रखरखाव • सौर ऊर्जा उपकरण का संस्थापन प्रचालन तथा रखरखाव • फ़ोटोकापियर तथा प्रिंटर का संस्थापन तथा रखरखाव • ईएसएम–1 इलेक्ट्रानिक प्रॉडक्शन टेकनीशियन • कम्प्यूटर हार्डवेयर रखरखाव में डिप्लोमा (सीएचएम) स्तर)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट केंद्र, अजमेर ने सफलतापूर्वक डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम में कुल 27,517 अभ्यर्थियों हेतु परीक्षा आयोजित की। कम्प्यूटर अवधारणा आधारित पाठ्यक्रम (सीसीसी) में कुल 26,623 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज की, मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी) में कुल 852 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, सीसीसी+ पाठ्यक्रम में 32 अभ्यर्थी उपस्थित हुए तथा विशेषज्ञ कंप्यूटर पाठ्यक्रम (ईसीसी) में 10 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।
- नाइलिट अजमेर ने उन सभी एससी/एसटी जॉबसिकर्स के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण आयोजित किया रोजगार महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जो रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 100 एससी/एसटी जॉबसिकर्स का पंजीकरण 'ओ' स्तर (आईटी) पाठ्यक्रम तथा अन्य 50 एससी/एसटी जॉबसिकर्स का पंजीकरण सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में किया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2019 को, नाइलिट अजमेर में मनाया गया। योग दिवस के भाग के रूप में, कर्मचारियों और छात्रों ने योग मुद्राओं का अभ्यास करने में बहुत सावधानी बरती, जैसे कि हाथों की दिशात्मक गति, गर्दन के अभ्यास, सूर्य नमस्कार आदि।
- नाइलिट अजमेर ने अगस्त 15, 2019 को अपने परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 73वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। उत्सव के एक भाग के रूप में भवन परिसर को भी रोशन किया गया।

औरंगाबाद

कार्यकारी समिति की बैठकें

24वीं ईसी बैठक, 28 मार्च, 2019 को आयोजित

कार्मिक

नियमित : 38
परियोजना आधारित : 05

कारोबार

860.86 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता

पता

डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर
औरंगाबाद–431004, (महाराष्ट्र)

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0230–2982050
ई–मेल : dir-aurangabad@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/aurangabad

क्षेत्राधिकार राज्य

महाराष्ट्र

केंद्र का इतिहास :

इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार (अब माईटी) द्वारा मराठवाड़ा औद्योगिक निगम, महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर में सीईडीटी के नाम से यह केन्द्र 19 सितम्बर, 1986 को निम्नलिखित उद्देश्यों से स्थापित किया गया था।

- उत्पाद डिजाइन, विकास, विनिर्माण, रखरखाव तथा सूचना प्रौद्योगिकी हेतु जनशक्ति का प्रशिक्षण।
- उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और शैक्षिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखना।
- उत्पाद विकास, अनुबंध अनुसंधान और परामर्श के कार्य करना।
- नेतृत्व गुणों को बढ़ाने, पेशेवर/नैतिक गुणों को जागृत करने, प्रभावी रूप से टीम कार्य कौशल, बहुआयामी दृष्टिकोण, इंजीनियरिंग विशेषज्ञता, सॉफ्ट कौशल के साथ उत्कृष्ट शिक्षणवातावरण बनाकर प्रशिक्षुओं को सामाजिक रूप से जिम्मेदार, ''सक्षम, कुशल पेशेवर'' के रूप में रूपांतरित करना।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

☞ साइबर भौतिक प्रणाली
☞ एम्बेडेड प्रणाली व् आईओटी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- सीएडी/सीएएम में पीजी डिप्लोमा
- एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- वर्तमान पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और भविष्य के रुझान
- 3डी प्रिंटिंग और योजक विनिर्माण
- औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- मुद्रित सर्किट बोर्ड डिजाइन और फैब्रिकेशन
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट
- मल्टीमीडिया डेवलपर
- सीआरईओ का प्रयोग करते हुए सीएडी में प्रमाणित पाठ्यक्रम

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी में एम.टेक
- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और रखरखाव में बी.टेक
- इलेक्ट्रानिकी प्रॉडक्शन तथा रखरखाव में डिप्लोमा (3 वर्ष) (डीईपीएम)
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में पीजी डिप्लोमा
- साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक में पीजी डिप्लोमा

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- 322 अभ्यर्थियों को औपचारिक दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया।
- 525 अभ्यर्थियों को गैर–औपचारिक अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया।
- रोजगार महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 100 एससी/एसटी जॉबसिकर्स को सीएचएम 'ओ' स्तर में प्रशिक्षित किया गया तथा अन्य 200 एससी/एसटी जॉबसिकर्स के लिए आईटी 'ओ' स्तर कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया।
- कुल 734 अभ्यर्थियों ने सीएचएम 'ओ' स्तर और सीएचएम 'ए' स्तर पूर्ण किया।
- डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 88135 अभ्यर्थियों को 'सीसीसी' पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।
- 'बीसीसी' पाठयक्रम के डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के लिए 149 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया, 18 अभ्यर्थियों को सीसीसी प्लस में तथा अन्य 18 अभ्यर्थियों को ईसीसी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।
- आईआरडीए (बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण) पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुल 228 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- ई–अपशिस्ट प्रबंधन पर एक दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 95 सरकारी कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया।
- विभिन्न क्षमता–निर्माण परियोजनाओं के अंतर्गत कुल 760 अभ्यर्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षणरत हैं।
- आईओटी, साइबर सुरक्षा तथा डिजिटल फोरेंसिक में पीजी डिप्लोमा, जैसे उभरते तकनीकी पाठ्यक्रमों को डॉ बी.ए.एम. विश्वविद्यालय द्वारा औपचारिक पाठ्यक्रम के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।
- राज्य अपराध रिकार्ड ब्यूरो, भोपाल के 65 पुलिस कार्मिकों के लिए साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया।
- शिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी पॉलिटेक्निक के कुल 111 शिक्षकों को 5 बैचों में प्रशिक्षित किया गया है।

भुवनेश्वर

कार्मिक

नियमित : 3

प्रभारी निदेशक

श्री वी. कृष्णमूर्ति

पता

तीसरी मंजिल, उत्तरी साइड
ओसीएसी टॉवर, आचार्य विहार,
भुवनेश्वर–751013

सम्पर्क के ब्यौरे

मोबाइल : 9423149900
ई–मेल : dir-bbsr@nielit.gov.in
वेबसाइट :
www.nielit.gov.in/bhubaneswar

क्षेत्राधिकार राज्य

ओडिशा

केंद्र का इतिहास :

"नाइलिट केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा की स्थापना" शीर्षक परियोजना के अंतर्गत भुवनेश्वर, ओडिशा में "राज्य सरकार ने तृतीय तल, उत्तरी दिशा की ओर, ओसीएसी टावर में निशुल्क रूप से कुल क्षेत्रफल 5207 वर्ग फीट स्थान आवंटित किया है। परिसर केंद्रीय रूप से स्थित और शहर के अन्य भागों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। सीपीडब्लूडी द्वारा नवीनीकरण का दायित्व लिया गया है तथा कार्य प्रगति पर है। प्रस्तावित केंद्र में आईईसीटी के क्षेत्र में प्रमाणपत्र स्तर से विशेषज्ञ क्षेत्र के पाठ्यक्रमों से शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए नवीनतम उपकरणों से लैस 3 व्याख्यान–कक्ष, 2 प्रयोगशालाएं, एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष होंगे।

उत्कृष्टता का क्षेत्र: (प्रस्तावित)

- इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद संबंधी डिजाइन, ई–शासन और ईआरपी, ई–अपशिष्ट प्रबंधन और एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन के औद्योगिक डिजाइन में कॉर्पोरेट प्रशिक्षण।
- नियमित सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स पाठ्यक्रम कार्यालय स्वचालन, प्रोग्रामिंग भाषाएं, डेटाबेस, मल्टीमीडिया एनिमेशन प्रौद्योगिकी, पीसीबी डिजाइन और फैब्रिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन पर प्रशिक्षण।

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• वेब डिजाइनिंग • कार्यालय स्वचालन • पीसी असेंबली तथा रखरखाव • एंडराइड एप्लिकेशन डेवलपर • कोर जावा • सी प्रोग्रामिंग • टैली का उपयोग कर वित्तीय लेखा • अग्रिम जावा • डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग • आटो सीएडी • उन्नत वित्तीय लेखा • सी++प्रोग्रामिंग • इमेज संपादन और 2डी एनिमेशन • मैटलैब • नेटवर्क प्रशासन • लिनक्स का उपयोग कर सिस्टम प्रशासन • बिजली व सुरक्षा प्रैक्टिस • 3 डी डिजाइन के लिए परिचय • इलेक्ट्रीकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली का संस्थापन तथा रखरखाव •सिस्को नेटवर्क अकादमी कार्यक्रम • औद्योगिक प्रशिक्षण।

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• आईटी 'ओ' और 'ए' स्तर • सीएचएम–'ओ' स्तर • मैट–ओ स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- आधारभूत संरचना के बिना, सूचना सुरक्षा, ई–कचरा, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन तथा आईटी पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम शुरू/संचालित किए गए हैं। इन जागरूकता कार्यक्रमों से लगभग कुल 1644 प्रतिभागियों ने लाभ प्राप्त किया है, विशेष रूप से, फरवरी 2018 के पश्चात लगभग कुल 1400 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- वर्ष 2018–2019 के दौरान, नाइलिट भुवनेश्वर ने अपने प्रत्यायित केंद्रों के माध्यम से 100 एससी/एसटी जॉबसिकर्स को ''ओ'' स्तर तथा 50 एससी/एसटी जॉबसिकर्स अभ्यर्थियों को सीएचएम ''ओ'' में प्रशिक्षित किया है। रोजगार महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित योजना के अंतर्गत जॉबसिकर्स को प्रशिक्षित किया गया है।
- आईटी साक्षरता पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ओड़ीशा राज्य के भुवनेश्वर में केंद्रीय भंडारण निगम को उनके भुवनेश्वर, कटक, बरगढ़ और बवानीपटना स्थित वेयरहाउस के स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कुल 27 पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।
- केंद्र ने बीसीएएस परीक्षा, डीजीसीए फ्लाइट क्रू परीक्षा और विमान रखरखाव इंजीनियर आदि हेतु विभिन्न भर्ती/पदोन्नति परीक्षाओं का संचालन किया है।

कालीकट

कार्मिक

नियमित : 37
परियोजना आधारित : 07

कारोबार

704.39 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

डॉ. एम.पी. पिल्लै

पता

नाइलिट, एनआईटी परिसर
पोस्ट कोझिकोड केरल–673601

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0495–2287123, 2287168 (फैक्स)
मोबाइल : +91 9446026809
ई–मेल : dir-calicut@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/calicut

क्षेत्राधिकार राज्य

केरल, कर्नाटक
तथा लक्षद्वीप

केंद्र का इतिहास :

केंद्र (भूतपूर्व इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी केंद्र सीईडीटी) की स्थापना 1989 में हुई थी। तब से, केंद्र विभिन्न औपचारिक व अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी गुणात्मक शिक्षा का संचालन करता है। सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में क्षमता–निर्माण परियोजनाओं, औद्योगिक परामर्श, एप्लिकेशन उन्मुखी अनुसंधान तथा उत्पाद विकास का कार्यान्वयन कर रहा है। हरे–भरे 25 एकड़ में फैले परिसर में आधारिक संरचना को विकसित किया गया है जिसमें कई परिष्कृत प्रयोगशालाएं, स्मार्ट कक्षा–कक्ष, आईईईई ऑनलाइन गम्यता, एनकेएन कनेक्टिविटी, 24x7 वाईफाई सुविधा, छात्र हॉस्टल, कैंटीन और स्टाफ क्वार्टर सम्मिलित हैं। कार्यकलापों का क्रियान्वयन औद्योगिक अनुभव व विदेशों से प्रशिक्षण प्राप्त योग्य वैज्ञानिकों/इंजीनियरों द्वारा किया जा रहा है। केंद्र आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित है। एम.टेक पाठ्यक्रम एआईसीटीई द्वारा मान्य है तथा एपीजेएके तकनीकी विश्वविद्यालय, केरल से संबद्ध हैं। नाइलिट कालीकट, कालीकट विश्वविद्यालय के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी के लिए अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्य है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

- एम्बेडेड सिस्टम और आईओटी एप्लीकेशंस
- वीएलएसआई/एएसआईसी डिजाइन और सत्यापन
- प्रोसेस कंट्रोल एंड उपकरण
- बिग डेटा व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- सूचना सुरक्षा व क्लाउड कंप्यूटिंग

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण • एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन • वीएलएसआई व एम्बेडेड हार्डवेयर • इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) • औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन • सूचना सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंग में एडवांस डिप्लोमा • बिग डेटा एनालिटिक्स • आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस • सूचना सुरक्षा तथा लेखा परीक्षा • पीएलसी/एससीएडीए/डीसीएस इंजीनियर • वीएलएसआई डिजाइन तथा सत्यापन

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी • प्रौद्योगिकी (एमटेक) में मास्टर • एम्बेडेड सिस्टम • इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी • वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम (संयुक्त रूप से डीआईएटी–डीआरडीओ पुणे के साथ) नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर व नाइलिट 'ओ' स्तर।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों, प्रमाणन योजनाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से कुल 3715 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया/जांचा गया।
- 86 अभ्यर्थियों ने तीन विशेषज्ञ एम.टेक कार्यक्रमों में प्रवेश लिया।
- आईईसीटी के उन्नत क्षेत्र में पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के माध्यम से कुल 550 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- क्षेत्र में पूर्ववर्ती डीओईएसीसी योजना ('ओ' स्तर तथा सीएचएम 'ओ' स्तर) के माध्यम से कुल 600 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- इंटर्नशिप, कस्टम प्रशिक्षण, कार्यशालाओं के माध्यम से 1438 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- 1041 अभ्यर्थियों को बीसीसी, सीसीसी के माध्यम से आईटी साक्षरता पर प्रशिक्षित/प्रमाणित किया गया।
- प्रथम बार,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा सौर–ऊर्जा संस्थापन और रखरखाव पाठ्यक्रम शुरू कियागया है।
- कई प्रतिष्ठित कम्पनियों ने भर्ती अभियान का संचालन किया जिसमें टेक्सास, रॉबर्ट बॉश, टाटा एलिक्सी, पाथ पार्टनर टेक्नोलॉजी, गाडगॉन स्मार्ट सिस्टम्स, प्रोसिकिस, कंसिस्ट टेक्नोलॉजी आदि सम्मिलित हैं। कम्पनियों में कुल 82 अभ्यर्थियों को रोजगार प्राप्त हुआ।
- इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा समर्थित अनुसंधान एवं विकास परियोजना के माध्यम से मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत स्वयं में प्रथम, पीएनडीटी अनुपालन सहित मेडिकल अल्ट्रा साउंड सिस्टम के प्रयोगशाला मॉडल का प्रदर्शन किया गया।
- इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पोषित परियोजना एसएमडीपी–सी2एसडी के अंतर्गत सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) मोहाली में एरे सिग्नल प्रॉसेसर आईसी को सफलतापूर्वक तैयार किया गया।
- आईईईई स्कोप सहित प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 12 शोध–पत्र प्रकाशित हुए।
- दो सूक्ष्म अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को सीएआरएस योजना के माध्यम से डीआरडीओ प्रयोगशाला द्वारा प्रदत्त व वित्तपोषित है।
- एलईडी स्ट्रीट लाइटों की प्रकाशमान तथा रंग को–ओर्डिनेट मूल्यों के मापन हेतु क्षेत्र में अपनी तरह की पहली फोटोमेट्रिक टेस्ट प्रणाली की सुविधा स्थापित की गई है।
- केरल राज्य सरकार के 100 कर्मचारियों के लाभ हेतु मलयालम कम्प्यूटिंग के साथ उबुंतु तथा ओपेन ऑफिस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- प्रथम बैच का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एडवांस्ड डिप्लोमा प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। तीन माह के गहन प्रशिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उत्पाद विकास आधारित अवधारणा व उपकरण जिनमें, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, रीइन्फोर्समेंट लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर दृष्टि आदि सम्मिलित हैं।
- आईआईटी रुड़की, एमएनआईटी जयपुर तथा आईआईटी गुवाहटी के परामर्श द्वारा एनकेएन सुविधा के माध्यम से प्रबंधित एआई, 5जी कम्युनिकेशनव तथा संकायों तथा स्नातकोत्तर छात्रों के हितों के लिए तीन ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

केरल

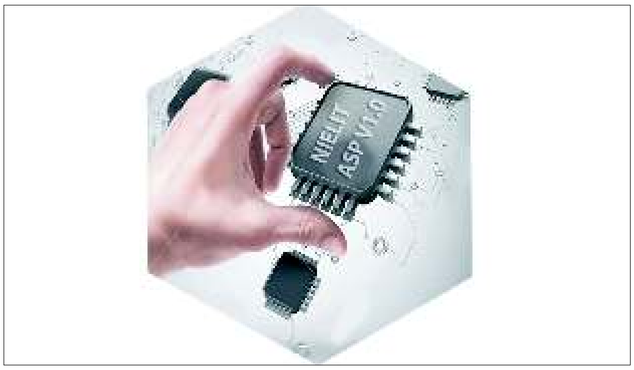

चण्डीगढ़

कार्यकारी समिति की बैठक

28.03.2019 को 19वी ईसी आयोजित हुई

कार्मिक

नियमित : 96
परियोजना आधारित : 154

कारोबार

5025.44 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्रीमती सुनीता गोयल

पता

रोपड़ में स्थायी परिसर
बिरला फार्म, बड़ा फूल, रोपड़–140001

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 1881–257001, +917087235374
ई–मेल : dir-chandigarh@nielit.gov.in
वेबसाइट :
www.nielit.gov.in/chandigarh

क्षेत्राधिकार राज्य

पंजाब, चंडीगढ़

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट, चण्डीगढ़ की स्थापना वर्ष 1978 में सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में प्रोफेशनल सेवाएँ प्रदान करने के लिए की गई थी। यह इस क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। केंद्र का उद्देश्य अत्यधिक उपयोगकर्ता की संतुष्टि के लिए सभी सूचनाओं इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार तकनीकी (आईईसीटी) के पहलुओं पर ज्ञान का प्रसार करना है तथा इसके लिए मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड भी बनाया गया है। यह केंद्र समय–समय पर अपेक्षित आवश्यकताओं के आधार पर ग्राहकों के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवाएं प्रदान करता है। अगस्त 2012 में पंजाब सरकार ने "रोपड़, पंजाब में नाइलिट चंडीगढ़ के स्थायी परिसर के निर्माण हेतु" रोपड़ (आईईसीटी परिसर से लगा हुआ) में 12 एकड़ निःशुल्क भूमि का आवंटन किया। क्षेत्र की आबादी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा/कौशल प्रदान करने के लक्ष्य को ध्यान रखते हुए नाइलिट रोपड़ पहले से ही क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्थानों, विशेष रूप से आईआईटी रोपड़ के साथ समझौता–ज्ञापनों के माध्यम से अच्छे संबंध स्थापित किए हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

- आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में क्षमता–निर्माण
- स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा
- बड़े पैमाने पर डेटा कैप्चरिंग और डेटा प्रोसेसिंग
- वेब सक्षम अनुप्रयोगों के लिए सॉफ्टवेयर विकास
- कंप्यूटर एडेड डिजाइन

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

मूलभूत प्रौद्योगिकी • एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन मे प्रमाणित पाठ्यक्रम • आर्डूइनों, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) • कोर जावा, जे2ईई ए एएसपी.नेट के साथ सी# • एमवाईएसक्यूएल के साथ पीएचपी • सी/सी++• वेबडिजाइनिंग • रचनात्मक ग्राफिक डिजाइन • ऑटो सीएडी • प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर

एडवांस प्रौद्योगिकी • डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग के लिए पायथन • हडोप का उपयोग कर विश्लेषणात्मक के साथ बिग डेटा • एंड्रॉइड का उपयोग कर मोबाइल अनुप्रयोग विकास में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पाइथन के साथ रास्पबेरी पीआई • मैटलैब में प्रमाणित पाठ्यक्रम • लिनक्स/यूनिक्स के अंतर्गत सिस्टम प्रशासन, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन में प्रमाणित पाठ्यक्रम • एसक्यूएल सर्वर/ओरेकल • सीसीएनए वी 6.0 रूटिंग और स्विचिंग (मॉड्यूल 1 और 2) • सीसीएनए वी 6.0 रूटिंग और स्विचिंग (मॉड्यूल 3और 4) तथा सासाइबर सुरक्षा।

दीर्घअवधि पाठ्यक्रम

• आईटी में 'ओ'/'ए'/'बी' स्तर; नाइलिट चंडीगढ़ का पीजीडीसीए; डीसीए; कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग मे डिप्लोमा; सूचना प्रणाली सुरक्षा में एडवांस पाठ्यक्रम; सीएचएम 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- चंडीगढ़ प्रशासन ने पदोन्नति तथा नियुक्ति के लिए नाइलिट के डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों को अनिवार्य कर दिया है। वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान, 1300 से अधिक अभ्यर्थियों ने एसीसी पर आधारित कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- प्रबंधन कार्यालय, हरियाणा संयुक्त रूप से हरियाणा के विभिन्न जिलों में डिजिटल भुगतान और सूचना सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित कर रहा है। वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान, इस कार्यक्रम के अंतर्गत 209 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- एसबीआई के वरिष्ठ आईटी पेशेवरों के लिए एक सप्ताह का पूर्ण दिवसीय एडवांस.नेट वेब डेवलपमेंट पाठ्यक्रम भारतीय स्टेट बैंक के 10 वरिष्ठ आईटी पेशेवरों के लिए आयोजित किया गया।
- आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला) मोहाली की 51 छात्राओं के लिए मार्च, 2019 में "ऑन जॉब ट्रेनिंग/स्किल डेवलपमेंट कोर्स" आयोजित किया गया था।
- वर्ष 2018–2019 में, लगभग 30,000 छात्रों ने 1 वर्ष के डिप्लोमा कोर्स में कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड बिजनेस अकाउंटिंग–बहुभाषी डेस्कटॉप पब्लिशिंग (सीएबीए–एमडीटीपी) डिप्लोमा कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसे नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज (एनसीपीयूएल) के सहयोग से देश भर में 500 से अधिक एनसीपीयूएल केन्द्रों पर आयोजित किया गया।
- नाइलिट चंडीगढ़ के परीक्षा स्कन्ध ने औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा के एससीवीटी योजना की ओएमआर आधारित सेमेस्टर परीक्षा के लगभग 90000 अभ्यर्थियों का प्रोसेस और मूल्यांकन किया।
- केंद्र पंजाब सरकार और चंडीगढ़ संघ के विभिन्न विभागों को तकनीकी और प्रबंधकीय जनशक्ति के चयन और भर्ती में सहायता प्रदान कर रहा है जिनको उनके विभागों में संविदा के आधार पर तैनात किया जाएगा जैसे कि पंजाब राज्य परिवहन सोसाइटी (पीएसटीएस), चंडीगढ़, पंजाब ई–पंचायत सोसाइटी (पीईपीएस), मोहाली, पंजाब बस स्टैंड मैनेजमेंट कंपनी (पीयूएनबीयूएस), चंडीगढ़, एक्साइज एंड टैक्सेशन तकनीकी सेवा एजेंसी (ईटीटीएसए), पटियाला और पुलिस महानिदेशक–अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस), पंजाब चंडीगढ़ में और चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू), चंडीगढ़।
- पंजाब, हरियाणा राज्यों और चंडीगढ़ के 60 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा बिल बनाना। ऊर्जा की हानि की जांच करने के लिए अपने उपभोक्ताओं को खरीद और आपूर्ति/बिल के लिए सामंजस्य स्थापित करने के लिए ऊर्जा लेखा प्रणाली।
- पंजाब, हरियाणा में लगभग 370 कैश कलेक्शन सेंटरों के कम्प्यूटरीकरण व ई–गवर्नेंस की सुविधा। केंद्र शासित प्रदेश के विद्युत विभाग लिए बिल और इंटरनेट पर सामान्य जानकारी के अवलोकन/जांचने के लिए वेबसाइट।
- केंद्र ने विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत कुल 33633 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया, जैसे कि दीर्घावधि पाठ्यक्रम के अंतर्गत 45 विद्यार्थी, नाइलिट 'ओ' स्तर के अंतर्गत 204 विद्यार्थी, नाइलिट 'ए 'स्तर के अंतर्गत 20 विद्यार्थी, डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 1460 विद्यार्थी, अल्पावधि और विभिन्न कार्यशालाओं के अंतर्गत 843 विद्यार्थी, एससी/एसटी जॉब सिकर्स हेतु 'ओ' स्तर, हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर के अंतर्गत 67 विद्यार्थी तथा कॉर्पोरेट ट्रेनिंग के अंतर्गत 411 विद्यार्थी।

चेन्नै

कार्मिक

नियमित : 07
परियोजना आधारित : 11

कारोबार

373.78 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री के. एम. मार्टिन

पता

25, आईएसटीई कॉम्प्लेक्स
गांधी मण्डपम रोड
सेंटिनरी पुस्तकालय
कोट्टूर्पुरम, चेन्नै–600025

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 044 24421446 / 7
मोबाइल : +91 94895 40125
ई–मेल : dir-chennai@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/chennai

क्षेत्राधिकार राज्य

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

केंद्र का इतिहास :

"डीओईएसीसी केंद्र (नाईलिट केंद्र), चेन्नै की स्थापना" शीर्षक परियोजना के अंतर्गत नाइलिट चेन्नै केन्द्र की शुरूआत वर्ष 2005 में माईटी के प्रशासनिक अनुमोदन से हुई थी। नाइलिट चेन्नै एक उन्नत प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के रूप में उभरा है जिसमें आईईसीटी प्रौद्योगिकियों अर्थात वीएलएसआई डिजाइन, अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की औद्योगिक डिजाइन, परीक्षण एवं परिमापन, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना सुरक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर बल देते हुए नवीनतम तकनीकों पर आधारित जानकारियों की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। केंद्र इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है जिससे कि वे इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन में अपनी कौशल में अभिवृद्धि करें तथा परिणामस्वरूप, रोजगार हेतु तैयार हो सकें, जिससे उनके रोजगार के लिए कंपनियों के पास उनके प्रशिक्षण पर निवेश करने की आवश्यकता न हो। इसके अतिरिक्त केन्द्र, आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में उनके ज्ञान में अभिवृद्धि के लिए शिक्षक वर्ग को भी प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

☞ इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन
☞ इंटरनेट ऑफ थिंग्स ☞ एम्बेडेड सिस्टम
☞ वीएलएसआई डिज़ाइन ☞ डाटा विज्ञान ☞ सूचना सुरक्षा
☞ क्लाउड कम्प्यूटिंग ☞ सूचना प्रौद्योगिकी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कार्यालय स्वचालन में प्रमाणित पाठ्यक्रम • प्रमाणित ग्राफिक डिज़ाइनर • मैट्लैब प्रोग्रामिंग मे प्रमाणित पाठ्यक्रम • वेब डिज़ाइनिंग मे प्रमाणित पाठ्यक्रम • नेटवर्क तथा सुरक्षा मे इंप्लांट प्रशिक्षण • एलएएमपी का प्रयोग करते हुए वेब डेवलपमेंट में प्रमाणित पाठ्यक्रम • एलएएमपी का प्रयोग करते हुए वेब एपलीकेशन में एडवांस पाठ्यक्रम • ड्रीमविवर का प्रयोग करते हुए वेबसाइट डिजाइन • एआरएम कारटेक्स एम4 का प्रयोग करते हुए एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणित पाठ्यक्रम • रसबेरी पीआई का प्रयोग करते हुए इन प्लांट ट्रेनिंग आईओटी • पीसीबी डिजाइन टेक्नालजी में प्रमाणित पाठ्यक्रम • आर्डूइनों और रोबोटिक एआरएम का उपयोग करते हुए एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन में प्रमाणित पाठ्यक्रम • रस्पबेरी पीआई का उपयोग करते हुए आईओटी में प्रमाणित पाठ्यक्रम • आर्डूइनों का उपयोग करते हुए एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन में प्रमाणित पाठ्यक्रम • आटोमोटिव एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन मे एडवांस डिप्लोमा

दीर्घअवधि पाठ्यक्रम

• डीओईएसीसी 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • क्लाउड कम्प्यूटिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- उद्योग–उन्मुखी पाठ्यक्रम "डेटा विज्ञान और एनालिटिक्स में स्नातकोत्तर डिप्लोमा" शुरू किया गया।
- आईएसईए परियोजना, चरण–II के अंतर्गत सूचना प्रणाली सुरक्षा और क्लाउड कम्प्यूटिंग मे दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किए गए।
- आईएसईए परियोजना, चरण–II के अंतर्गत सर्टिफाइड सिस्टम सेक्यूरिटी एनालिस्ट (सीएसएसए)–स्तर–I प्रमाण पत्र योजना शुरू की गयी।
- बिग डाटा, सूचना सुरक्षा और क्लाउड कोर्स प्रयोगशाला के सहयोग से नाइलिट चेन्नै केंद्र में निजी क्लाउड सेटअप किया गया।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद डिजाइन और उत्पादन तकनीक (ईपीडीपीटी) के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण शीर्षक वाली परियोजना के अंतर्गत, सभी प्रयोगशालाओं को रु.1137.76 लाख के पूंजीगत व्यय के साथ बढ़ाया जा रहा है तथा वर्ष 2018–2019 में विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत कुल 451 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है व अभी तक कुल 4292 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा "डिजिटल इंडिया हेतु ईएसडीएम में कौशल विकास" योजना के अंतर्गत, परियोजना लागू होने के समय से कुल 2084 अभ्यर्थियों को नाइलिट चेन्नै के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पूरे राज्य में 57 प्रत्यायित प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।
- एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा 1/3 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा ई–अपशिष्ट प्रबंधन(चरण–II) पर, "सरकारी कर्मचारियों की क्षमता निर्माण" शीर्षक वाली परियोजना के अंतर्गत, वर्ष 2018–2019 में, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुल 377 सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। ई–कचरा प्रबंधन चरण–I और II परियोजनाओं की स्थापना के बाद से कुल 889 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- वर्ष 2018–19 के लिए, सीसीसी/वीएलई ऑनलाइन परीक्षा में 449 अभ्यर्थियों को प्रमाणित किया गया है।
- सीएचएम 'ओ' स्तर में 34 डीजीआर प्रायोजित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- नाइलिट चेन्नै केंद्र के क्षेत्राधिकार में कुल 976 अभ्यर्थियों के लिए सभी मासिक परीक्षा चक्र में सीसीसी परीक्षा और 42 अभ्यर्थियों हेतु बीसीसी परीक्षा आयोजित की गई।
- चेन्नै और हैदराबाद में कुल 1417 अभ्यर्थियों हेतु ओएमआर आधारित नाइलिट भर्ती परीक्षा तथा कुल 539 अभ्यर्थियों के लिए आईसीईआरटी भर्ती परीक्षा आयोजित की गई।

दिल्ली

कार्मिक

नियमित : 35
परियोजना आधारित : 34

कारोबार

5043.94 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री शमीम खान

पता

दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल
इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन
इंद्रलोक, दिल्ली–110052

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 011–23644149, 23644849
ई–मेल : dir-delhi@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/Delhi

क्षेत्राधिकार राज्य

दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

केंद्र का इतिहास :

दिल्ली केंद्र को शुरू में नाइलिट चंडीगढ़ केंद्र की शाखा कार्यालय के रूप में स्थापित किया गया था। यह 1 नवंबर, 2012 को नाइलिट केंद्रों के क्षेत्राधिकार की पुनः संरचना के बाद नाइलिट का एक स्वतंत्र केंद्र बन गया। यह ट्रैक रिकॉर्ड के साथ एक पेशेवर प्रबंधित केंद्र है। इसने गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करके और विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी संगठनों की बड़ी परियोजनाओं की हैंडलिंग की क्षमता से स्वयं को प्रमाणित किया है। केंद्र आईटी में नई चुनौतियों को पूर्ण करने और नई प्रौद्योगिकियों में अग्रणी संस्थान बनने के लिए पूर्णतः तैयार है। यह मजबूत डिजाइन सिद्धांतों, गुणवत्ता के उच्चतम स्तर और इथिकल कारोबार व्यवहार के द्वारा अत्यधिक प्रेरित कुशल श्रमिकों के माध्यम से लागत प्रभावी, मार्केट समाधान सुनिश्चित करता है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

☞ आईओटी, एंड्राएड, एंबेडेड सिस्टम, बिग डेटा एनालिटिक्स में क्षमता निर्माण और कौशल विकास ☞ कार्पोरेट प्रशिक्षण

☞ वेब एप्लीकेसन डेवलपमेंट ☞ भर्ती परीक्षाएँ ☞ सुविधा प्रबंधन

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• **सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा पाठ्यक्रम** • सीएस/ आईटी पाठ्यक्रम – आईओटी बिग डाटा एनालिटिक्स • वेब डिज़ाइनिंग • सी/सी++/ पायथन के माध्यम से प्रोग्रामिंग • सीसीईएनटी प्रमाणन के लिए सीसीएनए, रूटिंग और स्विचिंग • कंप्यूटर सिस्टम और सर्वर प्रशासन • वेब अनुप्रयोग टेक्नोलॉजीज • वीबी/सी# के साथ एएसपी.नेट • प्रमाणित एंड्रॉइड ऐप डेवलपर • लिनक्स का उपयोग करके सिस्टम प्रशासन • डाटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन • टैली का उपयोग कर वित्तीय लेखा • आईडब्ल्यूडी/सी में रिफ्रेशर कोर्स, क्लाउड कंप्यूटिंग • बिग डेटा और हैडोप • साइबर सुरक्षा • डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम।

• **इलेक्ट्रॉनिक्स/हार्डवेयर पाठ्यक्रम** • 8051का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन व एवीआर तथा अर्डिनों • एआरएम/कॉर्टेक्स माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग कर एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन • अर्डिनों/रास्पबेरी पीआई का उपयोग कर इन्टरनेट ऑफ थिंग्स • वीएलएसआई डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम • फ़ोटोशॉप • 2डी एनीमेशन में पाठ्यक्रम • प्रमाणित ऑडियो वीडियो डिजाइनर • 3डी एनिमेशन • प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर आदि।

दीर्घअवधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट 'ओ'/'ए' स्तर पाठ्यक्रम • सीएचएम 'ओ'/'ए' स्तर पाठ्यक्रम • मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 25 अधिकारियों के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग पर एक सप्ताह का कौशल कार्यक्रम आयोजित किया।
- दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो के ब्रॉडकास्ट इंजीनियर्स के लिए "कंप्यूटर नेटवर्क और सर्वर प्रशासन एस्सेन्सियल्स" पर 10–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर), रक्षा मंत्रालय द्वारा 350 रक्षा कर्मियों के लिए प्रायोजित आईटी 'ओ' स्तर, सीएचएम 'ओ' स्तर और सेर्टिफाइड मल्टीमीडिया डेवलपर पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण आयोजित किया।
- दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के लगभग 30 अधिकारियों के लिए ई–कचरा प्रबंधन पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।
- देशभर के 13 शहरों के 17 परीक्षा केन्द्रों पर एलएनजेएन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंसेज, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के लिए फॉरेंसिक एप्टीट्यूड और कैलिबर टेस्ट एफएसीटी, 2018 और एफएसीटी प्लस–2018 परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई।
- बी.टेक/एमसीए/एमएससी के जीजीएसआईपीयू, दिल्ली विश्वविद्यालय, डीसीआरयूएसटी, गवरमेंट इंजीनियरिंग कालेज, जगदलपुर (छत्तीसगढ़) आदि विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों/संस्थानों के कुल 220 विद्यार्थियों ने 4–8 सप्ताह की ग्रीष्मकालीन/औद्योगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया ।
- केंद्र ने डीजीसीए के लिए pariksha.dgca.gov.in के नाम से पंजीकरण और परीक्षा आवेदन पोर्टल भी विकसित किया। अगस्त, 2018 में शुरुआत के बाद से पोर्टल ने 56000 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए पेपर आयोजित किए हैं।
- भूटान, नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया, वियतनाम, अफगानिस्तान, म्यांमार आदि जैसे पड़ोसी देशों के ब्रॉडकास्टरों के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ ब्रॉडकास्टिंग एंड मल्टीमीडिया में "क्लाउड बेस्ड कंटेंट मैनेजमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूशन" पर कार्यशाला आयोजित की।
- दिल्ली केंद्र के दो अधिकारी सुश्री श्वेता शर्मा, उप निदेशक और सुश्री दमनदीपकौर, तकनीकी अधिकारी जो सिस्को प्रशिक्षण प्रशिक्षक भी हैं, को वर्ष 2015 और 2016 के लिए एडवांस स्तर के प्रशिक्षक के रूप में नामित किया गया है तथा सिस्को नेटवर्किंग अकादमी प्रशिक्षक सम्मेलन, भारत जो नोएडा में आयोजित हुआ, उसमें सम्मानित किया गया है।

गंगटोक

कार्मिक

नियमित : 3
परियोजना आधारित : 4

कारोबार

143.98 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री अरूप चट्टोपाध्याय

पता

नाइलिट गंगटोक
इंदिरा बाई पास रोड
केबीटी पेट्रोल पम्प के पास
सिशे, गंगटोक–737101

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन (03592)–205609 / 2015610
ई–मेल : dir-gangtok@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/gangtok

क्षेत्राधिकार राज्य

सिक्किम

केंद्र का इतिहास :

वर्ष 2010 में, नाइलिट केंद्र, गेंगटोक की शुरुआत एमईआईटीवाई के प्रशासनिक अनुमोदन और जीआईए की सहायता से इंदिरा बाईपास रोड, शिशे, गंगटोक स्थित लगभग 10,000 वर्ग फुट के किराए के परिसर में हुई थी।

नाइलिट गंगटोक के स्थायी परिसर की शुरुआत केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत परियोजना "उत्तर पूर्व का विकास" के अंतर्गत एमइआईटीवाई से सहायतार्थ जीआईए से हुई है। इसके अंतर्गत "आईईटी क्षेत्रों में प्रशिक्षण / शिक्षण क्षमता को बढ़ाना है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी), सिक्किम सरकार के माध्यम से बेंगथांग, पकयोंग, पाच्यखानी ब्लॉक में लगभग 8.54 एकड़ भूमि उपलब्ध करायी गई है। एनबीसीसी द्वारा निर्माण कार्य जिसमें शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, आवासीय सुविधाओं (बॉयज़ हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल, अधिकारियों का बंगला, आदि) सम्मिलित है, प्रगति पर है।

प्रारंभ से ही, नाइलिट गंगटोक भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल कार्यान्वित कर रहा है व युवाओं और समाज के कमजोर वर्गो तथा गुणवत्ता आईटी / आईटीईएस शिक्षा व प्रशिक्षण के माध्यम से राज्य सरकार के कर्मचारियों का सशक्तिकरण भी किया है। केंद्र ने एमइआईटीवाई / डोनर द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया व वर्तमान तकनीकी विकास पर कार्यक्रम आयोजित किए।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

☞ आईटी साक्षरता
☞ साइबर सुरक्षा जागरूकता
☞ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम अर्थात एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी +, ईसीसी
- ऑफिस ऑटोमेशन, टैली, डीटीपी में पाठ्यक्रम
- हार्डवेयर / नेटवर्किंग / पीसी असेंबली / रखरखाव में पाठ्यक्रम
- प्रोग्रामिंग में पाठ्यक्रम [सी, सी ++, कोर जावा] / वेब / मोबाइल एप्लीकेशन डेवलपमेंट आदि।
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स / रास्पबेरी पाई / आर्डूइनो / पायथन, आदि पर ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण

दीर्घअवधि पाठ्यक्रम

- हार्डवेयर में ओ / ए स्तर के पाठ्यक्रम सीएचएम–ओ स्तर
- आईटी एप्लीकेशन में ओ / ए स्तर के पाठ्यक्रम
- मल्टीमीडिया और एनिमेशन प्रौद्योगिकी में मैट–ओ स्तर का पाठ्यक्रम मैट–ओ स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट गंगटोक ने भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के 10,000 राज्य सरकार के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए डोनर प्रायोजित प्रशिक्षण परियोजना के अंतर्गत (आईटी और डिजीटल सेवाएं, डिजीटल भुगतान तथा जीएसटी सहित) राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण आयोजित किया। इस परियोजना के अंतर्गत, नाइलिट गंगटोक द्वारा सिक्किम के सरकारी कर्मचारियों को नाइलिट पाठ्यक्रमों जैसे कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (CCC), ई–गवर्नेंस सेवाओं, डिजिटल भुगतान, जीएसटी और सॉफ्ट स्किल पर कुल 171 अभ्यर्थियों को 14 दिन (100 घंटे) का प्रशिक्षण दिया गया।

- नाइलिट गंगटोक ने सिक्किम के पदाधिकारियों के लिए ई–अपशिष्ट प्रबंधन प्रशिक्षण पर एमइआईटीवाई प्रायोजित परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया जिसमें

  i) सिक्किम सरकार के कुल 210 कर्मचारी 1 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किए गए हैं,

  ii) सिक्किम सरकार के कुल 44 कर्मचारी 3 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गए हैं,

  iii) इसके अतिरिक्त, सिक्किम में औद्योगिक इकाइयों के 47 कर्मचारियों को भी सिक्किम राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से ई–अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षित किया गया।

- उच्च शिक्षा निदेशालय, एचआरडीडी, सिक्किम सरकार और नाइलिट गंगटोक के साथ हुए समझौता–ज्ञापन में हस्ताक्षर के अनुसार नाइलिट गंगटोक ने नामची शासकीय महाविद्यालय, दक्षिणी सिक्किम में दूरस्थ शिक्षा केंद्र पर कम्प्यूटर अवधारणा पर आधारित पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण का आयोजन किया।

- इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (एमइआईटीवाई), भारत सरकार के डिजिटल भुगतान विभाग के सहयोग व पहल से, नाइलिट गंगटोक ने विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों के लिए डिजिटल भुगतान जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें सिक्किम के लगभग 30 सरकारी संगठनों और विभागों के लगभग 80 पदाधिकारियों द्वारा भाग लिया गया।

गोरखपुर

कार्यकारी समिति की बैठक

29 मार्च, 2019 को 22वी ईसी हुई

कार्मिक

नियमित : 39
परियोजना आधारित : 23

कारोबार

9633.9 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

डॉ. ए. के. डी. द्विवेदी

पता

नाइलिट गोरखपुर,
देवरिया रोड, गोरखपुर–273010

सम्पर्क के ब्यौरे

मोबाइल : 0551–2273371 / 8317093865
ई–मेल : dir-gorakhpur@nielit.gov.in
वेबसाइट :
www.nielit.gov.in/gorakhpur

क्षेत्राधिकार राज्य

उत्तर प्रदेश

अध्ययन केन्द्र

नाइलिट लखनऊ (शाखा कार्यालय)

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट, गोरखपुर को जून, 1989 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था के रूप में स्थापित किया गया था। यह डिप्लोमा / ग्रेजुएट / मास्टर स्तर के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण और शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण करता है तथा और यू.पी. के लघु उद्योगों और संबद्ध क्षेत्रों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन तथा संभावित उद्यमियों को विभिन्न सेवाओं के माध्यम से बढ़ावा देने के लिए अन्य कार्यक्रम आयोजित करता है। यह केंद्र इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी "में एम.टेक तथा वीएलएसआई डिजाइन" में एम.टेक के संचालन के लिए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

☞ इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन ☞ अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन
☞ सूचना सुरक्षा ☞ हार्डवेयर और नेटवर्किंग
☞ एकीकृत इलेक्ट्रॉनिकी, कम्प्यूटर तथा संचार सेवाएँ

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• कम्प्यूटर कांसेप्ट पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीसी) • कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीओए) • प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर • एलईडी आधारित उत्पाद डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • वेब डिज़ाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पीएचपी और एमवाईएसक्यूएल में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • जावा प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • टैली का उपयोग करते हुए वित्तीय लेखा मे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सौर ऊर्जा संयंत्र संस्थापन, प्रचालन तथा रखरखाव • अर्डूइनों का उपयोग करते हुए रोबोटिक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन • .नेट में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण : पीसीबी डिजाइन / ऑटोकैड / वीएलएसआई डिजाइन / वीएचडीएल प्रोग्रामिंग / रोबोटिक्स / जावा प्रोग्रामिंग और सूचना सुरक्षा / आईओटी / एंडराइड प्रोग्रामिंग और सूचना सुरक्षा / मैट्लैब का उपयोग से डीएसपी / सी और सी++ / इंटरनेट आफ थिंग्स मे वेब डिजाइनिंग (आईओटी)

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी) • एम.टेक (वीएलएसआई डिज़ाइन) • नाइलिट 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर सॉफ्टवेयर • नाइलिट 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर हार्डवेयर • नाइलिट 'ओ' स्तर (मल्टीमीडिया) • सॉफ्टवेयर विकास में एडवांस डिप्लोमा (एडीएसडी)• हार्डवेयर नेटवर्किंग और सूचना सुरक्षा में एडवांस डिप्लोमा (एडीएचएनएस)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- डीआरएम कार्यालय, पूर्वोत्तर रेलवे के 12 तथा श्रम विभाग यू.पी के 33 पदाधिकारियों के लिए लखनऊ केंद्र ने ई–ऑफिस प्रशिक्षण आयोजित किया।
- नाइलिट लखनऊ केंद्र द्वारा एनटीपीसी, विभूति खंड, लखनऊ के 11 अधिकारियों को एक्सेल में प्रशिक्षण दिया गया।
- नाइलिट गोरखपुर ने दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम में 627 अभ्यर्थियों तथा अल्पावधि पाठ्यक्रम में कुल 1312 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया।
- राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण, लखनऊ के 43 पदाधिकारियों; केंद्रीय भंडारण निगम, विभूति खंड लखनऊ के 26 पदाधिकारियों के लिए नाइलिट लखनऊ केंद्र ने एमएस ऑफिस में प्रशिक्षण आयोजित किया।
- राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुरादाबाद के 34 पदाधिकारियों के लिए लखनऊ केंद्र के द्वारा ई–अपशिष्ट प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।
- नाइलिट गोरखपुर केंद्र ने 20 अगस्त, 2018 से ब्लाइंड चाइल्ड एजुकेशन एंड हैंडीकैप्ड डेवलपमेंट सोसाइटी के लिए 04 सप्ताह के सीसीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- लखनऊ केंद्र ने पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर), रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 34 रक्षा कार्मिकों के लिए आईटी 'ओ' स्तर और 35 रक्षा कार्मिकों के लिए सीएचएम 'ओ' स्तर प्रशिक्षण आयोजित किया।
- 1 से 15 सितंबर, 2018 तक नाइलिट गोरखपुर द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। 31 अक्टूबर, 2018 को रन फॉर यूनिटी का भी आयोजन किया गया।
- रोजगार महानिदेशलय, श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रायोजन के अंतर्गत रोजगार कार्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश के साथ पंजीकृत, 100 एससी/एसटी जॉब सिकर्स के लिए 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम और 50 एससी/एसटी जॉब सिकर्स के लिए सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

गुवाहाटी

कार्यकारी समिति की बैठकें

01 (दिनांक 06 जुलाई, 2018 को आयोजित)

कार्मिक

नियमित : 21
परियोजना आधारित : 78

कारोबार

1269.68 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री के. बरुआ

पता

द्वितीय तल, एएफसी बिल्डिंग,
मो. शाह रोड, पल्टन बाजार,
गुवाहाटी–781008

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0361–2731940, 2730269
ई–मेल : dir-guwahati@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/guwahati

क्षेत्राधिकार राज्य

असम

विस्तार केन्द्र

- डिब्रुगढ़
- जोरहाट
- कोकराझार
- सिलचर
- तेजपुर
- माजुली

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी को 1998 में सीईटीडीआई तेजपुर के रूप में स्थापित किया गया था। वर्ष 2002 में, केंद्र का डीओईएसीएसी संस्था के साथ विलय हुआ था और इसकी गुवाहाटी में शुरुआत होने के साथ–साथ डीओईएसीसी केंद्र गुवाहाटी/तेजपुर नाम दिया गया था। योग्य और प्रशिक्षित कर्मचारियों के समूह और अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ, नाइलिट् केंद्र, गुवाहाटी असम राज्य में प्रभावी ढंग से अधिदेश को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा अनुमोदित "आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर उत्तर–पूर्वी क्षेत्र का विकास" नामक एक परियोजना के अंतर्गत 06 विस्तार केन्द्रों को शुरू किया गया है। वर्ष 2018 में, नई प्रशिक्षण सुविधा, माजुली अध्ययन केंद्र की स्थापना दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली, असम में की गई थी।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☞ आईटीईएस–बीपीओ
- ☞ जैवसूचना विज्ञान
- ☞ भू–सूचना और रिमोट सेंसिंग
- ☞ सूचना सुरक्षा
- ☞ डिजिटल साक्षरता

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- सीसीसी • डाटा एंट्री व ऑफिस ऑटोमेशन
- एडीसीए • नेटवर्किंग विशेषज्ञ
- पीसी एसेंबली और रखरखाव • वेब डिजाइन •कार्यालय स्वचालन • लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल तथा पीएचपी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- दूरसंचार तकनीशियन–पीसी हार्डवेयर व नेटवर्किंग
- मैटलैब का उपयोग कर डीएसपी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एंडरोइड एप्स डेवलपर प्रमाणित

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- आईटी 'ओ' स्तर • आईटी 'ए' स्तर
- सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ए' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- वर्ष 2018–2019 के दौरान, पीएमजीदिशा (आधार के बिना) 3.05 लाख अभ्यर्थियों की ऑन लाईन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

- सिलचर ईसी में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोजेक्ट प्रयोगशाला की शुरुआतः नाइलिट गुवाहाटी का सिल्चर विस्तार केंद्र (ईसी) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता से "मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की मरम्मत के लिए लैब की स्थापना" परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है। जुलाई, 2018 में, प्रयोशाला व इसके उपकरणों के प्रथम लॉट को स्थापित किया गया है। यह परियोजना असम में बराक घाटी तथा पहाड़ी जिलों के अस्पतालों और नैदानिक केंद्रों को परामर्श सेवा प्रदान करेगी एवं चिकित्सा मरम्मत तकनीशियन के क्षेत्र में जनशक्ति भी प्रदान करेगी।

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अंतर्गत, नाइलिट गुवाहाटी ने दिनांक 27 फरवरी, 2019 को एनईडीएफआई कन्वेंशन सेंटर, गुवाहाटी में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिये जाने विषयक पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- नाइलिट गुवाहाटी द्वारा ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा वित्त पोषित उत्तर–पूर्व क्षमता निर्माण परियोजना' की 6वीं पीआरएसजी (प्रोजेक्ट रिव्यू स्टीयरिंग ग्रुप) की बैठक श्री जयदीप कुमार मिश्रा, संयुक्त सचिव, एमईवाईवाई की अध्यक्षता में दिनांक 24 अगस्त, 2018 को आयोजित की गई थी। बैठक में उत्तर–पूर्व क्षेत्र के नाइलिट केंद्रों के प्रमुख और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) भारत सरकार तथा नाइलिट मुख्यालय के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

- नाइलिट गुवाहाटी ने डोनर मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित व नाइलिट मुख्यालय द्वारा कार्यान्वित उत्तर–पूर्व राज्यों के राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए "आईटी में क्षमता निर्माण व डिजिटल सेवाओं (डिजिटल भुगतान व जीएसटी सहित)" प्रशिक्षण परियोजना के अंतर्गत असम सरकार के कुल 5901 कर्मचारियों (वर्ष 2018–19 में) को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया। इस परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षित असम सरकार के कर्मचारियों की कुल संख्या 6838 है।

हरिद्वार

कार्मिक

नियमित : 03
परियोजना आधारित : 12

कारोबार

349.32 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री. अनुराग कुमार गुप्ता

पता

दूसरा तल, राजकीय पॉलिटैक्निक भवन
प्लॉट संख्या–6सी, सेक्टर–11, सिडकुल
हरिद्वार–249403

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 01334–235617 / 9958689995
ई–मेल : haridwar@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/haridwar

क्षेत्राधिकार राज्य

उत्तराखंड

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट हरिद्वार केंद्र की स्थापना उत्तराखंड सरकार द्वारा सरकारी पॉलीटेक्निक भवन, हरिद्वार में उपलब्ध कराए गए अस्थायी निर्मित स्थान पर की गई है। यह केंद्र हरिद्वार के सिडकुल क्षेत्र में औद्योगिक हब के मध्य स्थित है। नवंबर, 2017 में संशोधित प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद केंद्र ने नाइलिट गोरखपुर केंद्र के परामर्श के अधीन गतिविधियाँ प्रारंभ की हैं और नाइलिट द्वारा अपने स्वयं के स्रोतों से इसकी स्थापना की गई। केंद्र ने 'ओ' तथा 'ए' स्तर जैसे दीर्घकालिक अनौचारिक पाठ्यक्रम और डिजिटल साक्षरता प्रमाणन पाठ्यक्रम सहित विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

☞ इलेक्ट्रानिक प्रॉडक्ट डिजाइन

☞ एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- कार्यालय स्वचलन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' और ए 'स्तर' (सॉफ्टवेयर)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- यू.पी. और उत्तराखंड में डीएलसी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1721032 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षाएँ आयोजित की गयी।
- नाइलिट हरिद्वार ने उत्तराखंड सरकार के विभिन्न विभागों के 50 पदाधिकारियों के लिए सफलतापूर्वक "डिजिटल भुगतान जागरूकता" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया ।
- नाइलिट हरिद्वार ने उत्तराखंड सरकार के विभिन्न विभागों के 50 पदाधिकारियों के लिए सफलतापूर्वक "सूचना सुरक्षा" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया ।
- सुविधा प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत तकनीकी जनशक्ति प्रदान करने के लिए नाइलिट हरिद्वार केंद्र ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- नाईलिट हरिद्वार केन्द्र को "उज्जवल उत्तराखंड 2019" कार्यक्रम में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ, कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अरविंद पांडे, माननीय काबीना मंत्री (शिक्षा) उत्तराखंड सरकार ने किया था।

इम्फाल

कार्यकारी समिति की बैठकें

11 जनवरी, 2018 को 17वीं बैठक हुई

कार्मिक

नियमित : 40
परियोजना आधारित : 68

कारोबार

1055.52 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री टीएच. परमेश्वर सिंह

पता

आकम्पट, पी.ओ. बॉक्स–104
इम्फाल–795001, मणिपुर

सम्पर्क के ब्यौरे

मोबाइल : 09436142955
ई–मेल : dir-imphal@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/imphal

क्षेत्राधिकार राज्य

मणिपुर

विस्तार केन्द्र

- सेनापति
- चुड़ाचाँदपुर

केंद्र का इतिहास :

वर्ष 1988 में स्थापित नाइलिट इम्फाल आकम्पट में स्थित है और 24 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में फैला हुआ है। इसमें प्रशासनिक स्कन्ध, व्याख्यान कक्ष, फैकल्टी कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मैकेनिकल कार्यशाला, इलेक्ट्रो–मेडिकल प्रयोगशाला, पीसीबी प्रयोगशाला, सर्विसिंग सेल और अन्य प्रयोगशालाओं से युक्त मुख्य संस्थान भवन भी है। "पूर्वोत्तर में नाइलिट केन्द्र का उन्नयन परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2013 में चुड़चाँदपुर तथा सेनापति जिले में दो विस्तार केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं। दोनों जिलों में स्थायी परिसरों के विकास के लिए भवन निर्माण पूरी गति से चल रहा है साथ ही किराए के स्थान से विभिन्न प्रशिक्षण भी आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

- ☞ आईटी सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक ☞ इलेक्ट्रॉनिकी मरम्मत और रखरखाव
- ☞ मल्टीमीडिया और एनीमेशन ☞ एलइडी लाइट मरम्मत ☞ सूर्यमित्र
- ☞ डीएएस सेट–टॉप बॉक्स इंस्टॉलर और सर्विसिंग • मोबाइल फोन हार्डवेयर मरम्मत
- ☞ सोलर एलईडी उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण
- ☞ इलेक्ट्रॉनिक होम उपकरणों का इन्स्टालेशन, मरम्मत और रखरखाव
- ☞ मेडिकल इलेक्ट्रानिक उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा

डिप्लोमा / प्रमाणपत्र कार्यक्रम :

• एम्बेडेड सिस्टम तथा थिंग्स ऑफ इंटरनेट (आईओटी) • एंड्राइड एप्प्स डेवलपर • नाइलिट डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम • कार्यालय स्वचालन • वेब डिजाइनिंग • पीसी असेंबली व रखरखाव • डेस्कटॉप प्रकाशन • टैली ईआरपी 9.0 • सॉफ्ट कौशल और संचार अंग्रेजी • सूचना सुरक्षा और साइबर कानून • एडवांस डॉट नेट • सी # के साथ वीबीडॉट के साथ एएसपी डॉट नेट • सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग • सी++ में प्रोग्रामिंग • एडवांस जावा (जे 2ईई) • कोर जावा प्रोग्रामिंग • फ्लैश का प्रयोग करते हुए 2 डी एनिमेसन • मल्टीमीडिया सामग्री डेवलपर में डिप्लोमा • विंडोज सर्वर के प्रयोग से सिस्टम शासन प्रबंध • एम्बेडेड सिस्टम • विजुअल बेसिक • कोहा के उपयोग से पुस्तकालय स्वचालन • पुस्तकालय विज्ञान मे आईटी एप्लीकेसन • नेटवर्क तथा आईटी सुरक्षा • इलेक्ट्रानिक उपकरण तथा सर्किट • घरेलू उपकरण और स्वचालन इलेक्ट्रॉनिक्स की मरम्मत तथा रखरखाव • सौर हाइब्रिड चार्जर और एलईडी प्रकाश व्यवस्था • इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की मरम्मत और रखरखाव

दीर्घअवधि पाठ्यक्रम

• मास्टर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (एमसीए) • सूचना तकनीक में विज्ञान में मास्टर (एमएससीआईटी) • पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए) • बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) • कंप्यूटर साइंस तथा इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई) • इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीइसीइ) • नाईलिट 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • मैट–'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- अकादमिक वर्ष 2018–19 के दौरान, नाइलिट इम्फाल और इसके दो विस्तार केंद्रों में 7539 के लक्ष्य के सापेक्ष कुल 8152 विद्यार्थी प्रशिक्षित हुए।
- अकादमिक वर्ष 2018–19 के दौरान नाइलिट इंफाल में मणिपुर विश्वविद्यालय के अंतर्गत 2 साल का एक नया "सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर ऑफ साइंस" (एमएससी–आईटी) शीर्षक पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू किया गया।
- केंद्र ने एमएनआरई/एनआईएसई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सौर पीवी स्थापना (सूर्यमित्र) पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 144 बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित किया है।
- वर्ष 2018–19 के दौरान 12 विद्यार्थियों को राज्य सरकार, केंद्र सरकार और निजी संगठनों में रोजगार प्राप्त हुआ।
- नाइलिट इम्फाल के मॉडल कैरियर सेंटर (एमसीसी) ने एक रोजगार मेला आयोजित किया जिसमें 27 संगठन सम्मिलित हुए, कुल 874 अभ्यर्थियों ने रोजगार मेले में भाग लिया और कुल 562 अभ्यर्थी विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए सूचीबद्ध किए गए और 9 अभ्यर्थियों को उसी समय रोजगार के प्रस्ताव प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान, कुल 524 कैरियर परामर्श कार्यक्रम, कुल 29 कैंपस भर्ती ड्राइव आयोजित किए गए, अब तक, 6745 रिक्त पोस्टिंग ने कोर्डिनेट किया। अब तक 1117 जॉब सिकर्स नाइलिट इम्फाल के एमसीसी के माध्यम से एनसीएस पोर्टल में पंजीकृत हुए तथा कुल 7 नियोक्ता/संगठन भी एनसीएस पोर्टल में पंजीकृत हुए।
- एसएससी परीक्षा, एफसीएटी, एफएसटीएआर वायुसेना भर्ती परीक्षा बैंक पीओ परीक्षा आयोजित करने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर लीज़िंग सर्विस प्रदान की गयी।
- उत्तर–पूर्व क्षेत्रों में क्षमता निर्माण के अन्तर्गत, डीएएस सेट–टॉप बॉक्स इंस्टालर, सर्विस टेक्निशियन, एलइडी लाइट रिपेयर टेक्निशियन, संस्थापन, घरेलू उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव और सोलर एलइडी प्रोडक्ट डिजाइन व विनिर्माण जैसी विभिन्न कार्य भुमिकाओं में 7 अभ्यर्थियों को रोजगार दिया गया तथा 203 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया तथा 194 अभ्यर्थी मूल्यांकन उत्तीर्ण कर चुके हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाइ) के अन्तर्गत, उत्तर–पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, उत्तर–पूर्व क्षेत्र (एनइआर) के बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने के लिए यह एक निःशुल्क आवासीय प्लेसमेंट से जुड़ा कौशल विकास कार्यक्रम है।
- एमएनआरई/एनआईएसई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सौर्य पी.वी. संस्थान (सौर्यमित्र) पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अधीन केन्द्र ने 144 बेरोजगार युवकों को प्रशिक्षण दिया।
- डीजीइ, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयोजन के अन्तर्गत नाइलिट ओ–स्तर में 100 एससी तथा एसटी जाबसिकर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- राज्य सरकार कार्मिकों के लिए उत्तर–पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "आइटी तथा डिजिटल सेवाओं (जीएसटी व डिजिटल भुगतान सहित) पर 14 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" के 18 बैचों का संचालन किया गया। विभिन्न विभागों के कुल 440 सरकारी कार्मिकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

ईटानगर

कार्मिक

नियमित : 05
परियोजना आधारित : 03

कारोबार

371.98 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री एन देबाचंद्र सिंह

पता

ई–सेक्टर, नाहरलगुन–791110
अरुणाचल प्रदेश

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 9856108333, 0360–2351854
ई–मेल : dir-itanagar@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/itanagar

क्षेत्राधिकार राज्य

अरुणाचल प्रदेश

विस्तार केन्द्र

पासीघाट और तेजू

केंद्र का इतिहास :

वर्ष 2011 में स्थापित नाइलिट ईटानगर केन्द्र कम्प्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध विषयों पर कुशल जनशक्ति तैयार करने पर ध्यान दे रहा है। यह संस्थान रोजगार के अवसरों में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है तथा डिजिटल साक्षरता की सुविधा प्रदान करता है। केन्द्र के दो विस्तार केन्द्र हैं : जैसे नाईलिट पासीघाट विस्तार केन्द्र दिनांक 10 दिसम्बर 2015 से परिचालन में है तथा नाईलिट तेजू विस्तार केन्द्र जिसका शुभारंभ 3 फरवरी 2018 को किया गया था।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- टैली ईआरपी 9.0, मैट्लैब
- वेब टेक्नोलोजी
- एंडराइड प्रोग्रामिंग

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीओए) • कम्प्यूटर एप्लिकेशन में एडवांस डिप्लोमा • प्रमाणित एंडराइड एप्स डेवलपर • लेखा और प्रकाशन

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

• नाईलिट 'ओ' स्तर और नाईलिट सीएचएम 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- विभिन्न लघु अवधि और दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में कुल 5793 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- डीजीईटी प्रायोजित योजना के अंतर्गत नाइलिट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में कुल 25 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- डोनर द्वारा प्रायोजित पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य पदाधिकारियों के लिए आईटी तथा डिजिटल सेवाओं में क्षमता निर्माण (जीएसटी और डिजिटल भुगतान सहित) शीर्षक परियोजना के अंतर्गत 389 सरकारी कार्मिकों को डिजिटल भुगतान तथा जीएसटी पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- पेंशनरों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जारी करने के लिए नाइलिट केंद्र, ईटानगर भी जीवन प्रमाण केंद्र में से एक है। यह सेवा निःशुल्क प्रदान की जा रही है।
- इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित प्ररियोजना के अन्तर्गत ई–कचरा प्रबंधन और इसके उचित निस्तारण के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए नाइलिट ईटानगर ने अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया है।
- विषय का मुख्य प्रशिक्षक बनने के लिए नाइलिट ईटानगर के एक अधिकारी ने 12 मार्च, 2019 से 2 अप्रैल, 2019 के दौरान ताईवान में मोबाइल हैंडसेट डिजाइन के प्रशिक्षण में भाग लिया।

कोहिमा

कार्मिक

नियमित : 19
परियोजना आधारित : 61

कारोबार

882.50 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री एल. लानुवाबांग

पता

मेरिएमा, न्यू हाई कोर्ट रोड
कोहिमा, नागालैण्ड–797001

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 09436215243
ई–मेल : dir-kohima@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/kohima

क्षेत्राधिकार राज्य

नागालैण्ड

विस्तार केन्द्र

चुचुईम्लांग

केंद्र का इतिहास :

वर्ष 2004 में स्थापित नाइलिट कोहिमा तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री, श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी द्वारा वर्ष 2003 में प्रथम यात्रा के दौरान नागालैण्ड की जनता के लिए सांकेतिक भाव प्रदर्शन के रूप में की गई घोषणा का परिणाम है। यह केंद्र प्राकृतिक सौन्दर्य से घिरे हुए होने के साथ–साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस निर्मित भवन से संचालित है, तथा क्षमता–निर्माण एवं कौशल विकास के लिए विश्वस्तरीय आधारिक संरचना है तथा नागालैंड सरकार द्वारा नाइलिट कोहिमा को आईटी व भागीदारी में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में भी पहचान दी गई है। वर्ष 2006 में, मोकोकचंग जिले में नागालैंड गांधी आश्रम चुचुइमलांग के सहयोग से चुचुइमलांग में ग्रामीण विस्तार केंद्र भी स्थापित किया गया था जिसका उद्देश्य शिक्षा व आईटी साक्षरता के स्तर को बढ़ाना तथा क्षेत्र में आईटी उद्योग को बढ़ाने में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी व योगदान के समान अवसरों का सृजन करना है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

☞ साइबर फोरेन्सिक ☞ साइबर सुरक्षा ☞ चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अनुप्रयोग और नेटवर्किंग में डिप्लोमा (डीसीएएन) • कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • बेसिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी) • पीसी एसेम्बली और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर • प्रमाणित आडिओ विजुयल डिज़ाइनर • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सी, सी++, जावा, सी#, ओरेकल जैसी प्रोग्रामिंग भाषा पर पाठ्यक्रम • आईटीईएस और सॉफ्ट स्किल्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक उत्पाद के संस्थापन तथा रखरखाव में डिप्लोमा • टैली के उपयोग से वित्तीय लेखा मे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • मोबाइल मरम्मत और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सूचना सुरक्षा और साइबर कानून में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • आईसीसीयू तथा ईसीजी उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव • ऊर्जा आपूर्ति, इनवर्टर और यूपीएस की मरम्मत तथा रखरखाव • पर्सनल कम्प्यूटर की असेंबली तथा रखरखाव • कम्प्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग तथा पब्लिशिंग में एडवांस डिप्लोमा • .नेट तकनीक मे एडवांस डिप्लोमा • साइबर फोरेंसिक मे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • प्रमाणित एंडराइड एप्स डेवलपर • प्रमाणित 2डी एनिमेटर • प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• बैचलर ऑफ कम्प्यूटर ऍप्लिकेशन (बीसीए) • कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा • 'ओ' लेवल (कंप्यूटर एप्लीकेशन में फाउंडेशन पाठ्यक्रम) • 'ए' स्तर (कंप्यूटर अनुप्रयोग में एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम) सीएचएम 'ओ' लेवल (कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव में डिप्लोमा) • सीएचएम 'ए' स्तर (कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव और नेटवर्किंग में उन्नत डिप्लोमा) • मैट–'ओ' स्तर (मल्टीमीडिया और एनीमेशन प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा)

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कुल 7,771 अभ्यर्थियों को दीर्घ और अल्पअवधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया था।
- नाइलिट कोहिमा, साइबर फोरेंसिक लैब ने 22 साइबर अपराध मामलों को सुलझाने में सहायता की।
- हथकरघा क्षेत्र में आईटी के उपयोग तथा आईईसीटी में युवाओं के कौशल विकास के लिए उद्योग और वाणिज्य विभाग, नागालैंड सरकार के साथ समझौता—ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- नागालैंड विश्वविद्यालय के लूमामी परिसर में आईईसीटी व संबंधित क्षेत्रों में पाठ्यक्रम के संचालन हेतु समझौते का विस्तार किया गया।
- 20 राज्यों के प्रतिभागियों के साथ 09/05/2018 को नागालैंड विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "सामाजिक विज्ञान के युवा संकाय के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम" के दौरान शिक्षा तथा सूचना सुरक्षा में आईसीटी के महत्व पर चर्चा हुई।
- जनसाधारण के मध्य जागरूकता सृजन हेतु आकाशवाणी कोहिमा में अँग्रेजी तथा नगमेसे में सूचना सुरक्षा पर सजीव संवाद कार्यक्रम में दिनांक 10 और 11 मई, 2018 को भाग लिया। इसके अतिरिक्त, आकाशवाणी और दूरदर्शन, कोहिमा के कर्मचारियों के लिए कार्यशाला भी आयोजित की गई।
- डोनर मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 150 सरकारी कार्मिकों को आईटी तथा डिजिटल सेवाओं में प्रशिक्षित किया गया।
- औद्योगिक प्रशिक्षण के भाग के रूप में, राजकीय पॉलिटेक्निक कोहिमा के विद्यार्थियों को टैली ईआरपी 9 में प्रशिक्षित किया गया।
- भारत सरकार द्वारा की गई पहल आईएसईए चरण—II के भाग के रूप में, लगभग 700 विद्यार्थियों, शिक्षकों और 150 सरकारी पदाधिकारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 22—23 मई, 2018 को नागालैंड विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से जीएसटी पर राष्ट्रीय कार्यशाला—सह—संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नागालैंड द्वारा आयोजित पैनल वकीलों के लिए रिफ्रेशर्स प्रशिक्षण के दौरान निदेशक (प्रभारी) द्वारा "साइबर अपराध की रोकथाम, संरक्षण और जांच प्रक्रिया" पर प्रशिक्षण।
- ई—गवर्नेंस अकादमी ऑफ एस्टोनिया के सहयोग से 30/11/2018 को आईटी और संचार विभाग, नागालैंड सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय ई—नगा शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
- 'आईसीटी कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से नागालैंड के 4 पिछड़े जिलों के "वंचित (एसटी) युवा और महिलाओं को सशक्त बनाना" शीर्षक परियोजना के अंतर्गत कुल 1409 युवाओं और महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया।
- पर्यावरण संबंधी समस्याओं से निपटने और जागरूकता उत्पन्न करने हेतु मुख्य अतिथि, प्रो. आरसी गुप्ता, प्रो कुलपति, नागालैंड विश्वविद्यालय के साथ स्वछता पखवाड़ा (फरवरी 2019) में एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया।
- 13—14 फरवरी, 2019 को नागालैंड विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा 10वीं वार्षिक प्रबंधन उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विजेता घोषित हुए तथा दिनांक 25/02/19 को काजीरंगा विश्वविद्यालय, असम द्वारा अपनी तरह का पहला, टेक्नोलॉजिकल वर्कशॉप "टेकब्लीट्ज़" में भाग भी लिया।
- आईसीएसएसआर, एचआरडी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित नागालैंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "सामाजिक विज्ञान में पीएचडी विद्यार्थियों के लिए 10—दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम" में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान आईसीटी एप्लीकेशन पर निदेशक (प्रभारी) ने वार्ता की।

कोलकाता

कार्यकारी समिति की बैठकें

25.03.2019 को ईसी की बैठक हुई

कार्मिक

नियमित : 28
परियोजना आधारित : 44

कारोबार

642.70 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

डॉ. वाई. जयंता सिंह

पता

ईकाई1 : जादवपुर
विश्वविद्यालय परिसर
कोलकाता–700032

ईकाई 2 : ब्लॉक–बीएफ 267,
सेक्टर–1, साल्ट लेक,
कोलकाता–700064

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0389–2350581
ई–मेल : dir-aizawl@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/aizawl

क्षेत्राधिकार राज्य

पश्चिम बंगाल
झारखंड

केंद्र का इतिहासः

क्षेत्रीय कम्प्यूटर केन्द्र (आरसीसी), कोलकाता के रूप में 1976 में स्थापित, नाइलिट् कोलकाता लगभग 40 वर्षों से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाले पूर्वी क्षेत्र में सबसे पुराने आईटी हॉउस में से एक है तथा पूर्वी भारत में आईटी/आईटीईएस में आईटी प्रशिक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी है। यह जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर के भीतर हरे–भरे वातावरण में स्थित है, और शहर के हर कोने से बस और ट्रेन सेवाओं से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। केन्द्र में 11 व्याख्यान–कक्ष, एक स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मॉडल कैरियर केंद्र, सम्मेलन कक्ष जिसमें केंद्रीय यूपीएस और 24x7 100 एमबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी के साथ 8 प्रयोगशालाएं सम्मिलित हैं। केंद्र की नई बी+जी +3 मंजिला भवन साल्ट लेक पर लगभग 20,000 वर्गफुट परिचालन क्षेत्र तथा आधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- सॉफ्टवेयर (एस/डब्ल्यू) विकास और एस/डब्ल्यू परीक्षण
- नियमित आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण–ऑफिस ऑटोमेशन, प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस, डाटाबेस, मल्टीमीडिया एनिमेशन टेक्नोलॉजी
- ई–शासन और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण–ईआरपी, ई–वेस्ट मैनेजमेंट, ऑटोकैड
- नवीनतम आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण–एंड्रॉइड, डेटा एनालिटिक्स, डाटा वेयरहाउसिंग और डाटा माइनिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग, डाटा विज्ञान और ब्लॉक चेन

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• टैली के प्रयोग से वित्त लेखा • ऑफिस ऑटोमेशन • जावा • सी प्रोग्रामिंग • ओरेकल और पीएल/एसक्यूएल, डीबीए • वेब डिजाइनिंग • लैंप (लिनिक्स, अपाचे, MySQL, पीएचपी), पीसी एसेम्बली और रखरखाव • मैट्लैब के प्रयोग से डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग • ऑटोकैड • सी ++ प्रोग्रामिंग • इमेज एडिटिंग और 2डी एनिमेशन • नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन • लिनक्स का उपयोग कर प्रणाली प्रशासन • विद्युत और सुरक्षा प्रेक्टिस • 3डी डिजाइन का परिचय • एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर • इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम की स्थापना और रखरखाव • सौर टेक्नोलॉजी

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• आईटी–'ओ' स्तर • आईटी–'ए' स्तर • आईटी–'बी' स्तर • सीएचएम–'ओ' स्तर • मैट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- संचालित पाठ्यक्रमों / क्षमता–निर्माण (ई–अपशिष्ट सहित (पीएच–2), सूर्यमित्र कौशल विकास, डीजीआर सीएचएम–ओ 'स्तर' II / III श्रेणी के शहरों आदि में कौशल विकास) के माध्यम से संपूर्ण वर्ष कुल 6058 प्रतिभागियों को अनौपचारिक क्षेत्र में प्रशिक्षित किया गया था।
- कोलकाता पुलिस (सर्वर और नेटवर्क प्रशासन सुरक्षा) और केंद्रीय भंडारण निगम (कंप्यूटर फंडामेंटल एंड इंटरनेट कॉन्सेप्ट) में कार्पोरेट प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- विभिन्न विषयों पर आमंत्रित वार्ता की व्यवस्था की जैसे :–

  i) क्रिप्टोग्राफी एल्गरिदम

  ii) कैरियर इन टीसीएस

  iii) अनुसंधान के तरीके

  iv) इंटरनेट ऑफ थिंग्स आदि
- डिजिटल इंडिया और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए एक पहल के रूप में आयोजित परीक्षाएं – कुल सम्मिलित अभ्यर्थी– i) 'सीसीसी' परीक्षाः 2410; ii) 'बीसीसी' परीक्षाः 877; iii) 'सीसीसीपी' परीक्षाः 66; iv) 'ईसीसी' परीक्षाः 28
- उमंग, भीम, आदि पर कार्यशाला का आयोजन किया, कंप्यूटर प्रौद्योगिकी पर कई शिक्षण–सामग्री का स्थानीय भाषा (पीएमकेवीवाई) में अनुवाद किया।
- विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट एवं रोजगार मेला–सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत इंटर्नशिप के लिए 11 विद्यार्थियों का चयन किया गया। टीसीएस–कोलकाता द्वारा पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों के कुल 82 अभ्यर्थियों को रोजगार उन्मुखी प्रशिक्षण और नियुक्ति की पेशकश की गई।

कुरुक्षेत्र

कार्मिक

नियमित : 4
परियोजना आधारित : 03

कारोबार

75.50 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री तेजेंदर सिंह बावा

पता

राजकीय पॉलिटेक्निक कैंपस उमरी,
कुरुक्षेत्र–136131

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 1881–257001,+917087235374
ई–मेल : dir-chandigarh@nielit.gov.in
वेबसाइट :
www.nielit.gov.in/kurukshetra

क्षेत्राधिकार राज्य

हरियाणा

केंद्र का इतिहास :

केंद्र ने जून, 2017 में अपने संचालन की शुरुआत की। वर्ष 2016 में, हरियाणा सरकार ने शासकीय पॉलिटेक्निक कैंपस उमरी, कुरुक्षेत्र में लगभग 10,000 वर्ग फीट की जगह निशुल्क प्रदान की। वर्ष 2017 में, केंद्र ने अपनी गतिविधियों का शुभारंभ किया। केंद्र के पास कुल 13 कक्ष हैं जिसमें 2 आईटी प्रयोगशाला, तीन कक्षा–कक्ष, एक इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला हैं। नाइलिट कुरुक्षेत्र केंद्र ने यूआईइटी कुरुक्षेत्र के साथ उनके प्रथम वर्ष में शुल्क वितरण के आधार पर यूआईइटी परिसर में प्रशिक्षण का संचालन करने के लिए समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किए हैं। केंद्र ने अपने प्रथम वर्ष के परिचालन में सुविधा प्रबंधन परियोजना शामिल की है। इसके दूसरे वर्ष के परिचालन में, केंद्र ने एससी/एसटी जॉबसीकर्स योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण के लिए डीजीइटी की परियोजना व क्षेत्रीय केंद्र के रूप में सीसीसी/बीसीसी परीक्षा में समन्वय की शुरुआत की है। अब केंद्र ने अपने तृतीय वर्ष में ईएसडीएम परियोजना की भी शुरुआत की है। केंद्र शैक्षिक संस्थानों में भ्रमण के माध्यम से अपने पाठ्यक्रमों के प्रति जागरूकता का सृजन कर रहा है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

- आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में क्षमता निर्माण
- विशेष लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम
- इंजीनियरिंग छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन/औद्योगिक प्रशिक्षण।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• जावा • पीएचपी • पाइथन • मशीन लर्निंग • सीसीसी • बीसीसी • वेब डिजाइनिंग • पीसी असेंबली और रखरखाव • एम्बैडेड सिस्टम और डिजाइन • 8051 माइक्रो कंट्रोलर का उपयोग या आर्डूइनों • पीसीबी डिजाइन का उपयोग अथवा कैड • इंटरनेट ऑफ थिंग्स।

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केंद्र ने नाइलिट 'ओ' स्तर में 75 पंजीकरण व अल्प अवधि आधारित पाठ्यक्रमों में 265 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया।
- यूआईईटी कुरुक्षेत्र के साथ एमओयू के अंतर्गत, केंद्र ने पायथन का उपयोग करते हुए मशीन लर्निंग में 17 छात्रों तथा यूआईईटी की इलेक्ट्रॉनिक्स शाखा के 50 छात्रों को प्रशिक्षित किया।
- अन्य महाविद्यालयों के 18 छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया।
- इलेक्ट्रॉनिक्स शाखा के 74 छात्रों और शासकीय पॉलीटेकनिक निलोखरी/चिका के कंप्यूटर विज्ञान शाखा के 41 छात्रों को शीतकालीन अवकाश के दौरान प्रशिक्षित किया गया था।
- सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के 24 छात्रों को एमएस ऑफिस में प्रशिक्षित किया गया था।
- 29 छात्रों को एसीसी कोर्स में प्रशिक्षित किया गया था।
- हरियाणा राज्य में, वित्त वर्ष के दौरान 8439 अभ्यर्थियों की बीसीसी/सीसीसी परीक्षा प्रारंभ की गई।
- डीजीईटी की एससी/एसटी जॉबसीकर योजना के अंतर्गत क्रमशः 50 विद्यार्थी तथा 25 विद्यार्थी को नाइलिट 'ओ' स्तर/नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर के प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए।
- डीसी ऑफिस कुरुक्षेत्र और कैथल में सुविधा प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत 05 तकनीकी कार्मिक तैनात किए हैं।
- नाइलिट कुरुक्षेत्र ने एस.पी. कार्यालय, कुरुक्षेत्र से अधिकारियों के दल को आमंत्रित करके महिला सुरक्षा पर एक सत्र का आयोजन किया। उन्होंने हरियाणा पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा के लिए की गई पहल के बारे में बताया। चर्चा के दौरान, हरियाणा पुलिस द्वारा विकसित मोबाइल ऐप 'दुर्गाशक्ति' का लाइव डेमों प्रस्तुत किया गया था। ऐप में आइकन टैप करने पर, यह निकटतम पुलिस स्टेशन को तत्काल लोकेशन भेजता है, इसके पश्चात, मोबाइल पर निकटतम पुलिस स्टेशन से कॉल प्राप्त हो जाएगी। डेमो से सीखने और इसकी उपयोगिता को देखने पर, सत्र में भाग लेने वाली सभी महिला छात्रों ने अपने मोबाइल में ऐप इंस्टॉल किया।

पटना

कार्मिक

नियमित : 4
परियोजना आधारित : 33

कारोबार

806.58 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री आलोक त्रिपाठी

पता

आईआईटी के समीप, अमहारा,
बिहटा, पटना (बिहार)–801106

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0612219134, 7979081246
ई–मेल : dir-patna@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/patna

क्षेत्राधिकार राज्य

बिहार

विस्तार केन्द्र

आदर्श कंप्यूटर केंद्र,
अलावलपुर, फतुहा, पटना

आदर्श कंप्यूटर केंद्र,
लाखनपुरा, बख्तियारपुर, पटना

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट पटना केंद्र की स्थापना एमईआईटीवाई, भारत सरकार के प्रशासनिक अनुमोदन से दिनांक 26 अक्तूबर, 2012 को हुई। नाइलिट पटना केंद्र के स्थायी परिसर का उद्घाटन दिनांक 26 फरवरी, 2018 को माननीय रवि शकर प्रसाद, मंत्री, एमओइआईटी की गरिमामय उपस्थिति में माननीय मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा किया गया। ग्रामीण अभ्यर्थियों की डिजिटल साक्षरता के लिए सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत बिहार के अलावलपुर व लखनपुरा में कंप्यूटर साक्षरता केंद्र की भी स्थापना की गई है। केंद्र का उदेश्य आईइसीटी के विभिन्न स्तर जो उद्योग की आवश्यकता को पूरा करेगा, में ज्ञान और कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाना है, उसके द्वारा विशेषतः बिहार राज्य के क्षेत्रों का समग्र विकास होगा। केंद्र, राज्य सरकार–बिहार के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों से भी जुड़ा हुआ है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

☞ आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में क्षमता निर्माण
☞ साइबर सुरक्षा / सूचना सुरक्षा

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम :

लघु अवधि के पाठ्यक्रम

• बीसीसी (बेसिक कंप्यूटर कोर्स) • सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर आधारित पाठ्यक्रम) • सी ++ में प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट कोर्स • एडवांस जावा (J2EE) में सर्टिफिकेट कोर्स • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम • प्रमाणित एंडरोइड ऐप्स डेवलपर • पाइथन में सर्टिफिकेट कोर्स • "पीएचपी का उपयोग कर एडवांस डेवलपमेंट" में सर्टिफिकेट कोर्स • लिनक्स का उपयोग कर सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन में सर्टिफिकेट कोर्स • टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन में सर्टिफिकेट कोर्स • इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन तकनीशियन में सर्टिफिकेट कोर्स • इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद परीक्षण में सर्टिफिकेट कोर्स • लैम्प का उपयोग करके वेब अनुप्रयोग विकास में एडवांस कोर्स • कंप्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग व प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा • जावा एंटरप्राइज़ संस्करण (JEE) में उन्नत डिप्लोमा • मुद्रित सर्किट बोर्ड डिजाइन, विश्लेषण और विनिर्माण तकनीक में सर्टिफिकेट कोर्स • पीसी एसम्बली व रखरखाव में सर्टिफिकेट कोर्स • मैटलैब का उपयोग कर डीएसपी में सर्टिफिकेट कोर्स • सोलर–एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण)

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• ओ लेवल सॉफ्टवेयर • सीएचएम ओ लेवल • ए लेवल सॉफ्टवेयर • हार्डवेयर नेटवर्किंग और सूचना सुरक्षा में उन्नत डिप्लोमा (एडीएचएनएस) • एंबेडेड सिस्टम डिजाइन में पीजी डिप्लोमा

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कार्मिक प्रशिक्षण परियोजना (राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित) : इस परियोजना में, समूह 'ग' के कर्मचारियों को प्रशिक्षित और परीक्षा हेतु प्रति दो माह में परीक्षा का आयोजन करके प्रमाणित किया जाता है, परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात, राज्य सरकार के कर्मचारियों को वेतन–वृद्धि प्राप्त होती है। परीक्षा में कुल 11,819 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए।
- "मुख्यमंत्री श्रम शक्ति योजना" (राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित) के अंतर्गत अल्पसंख्यक अभ्यर्थियों के लिए क्षमता निर्माणः इस परियोजना में, 10+2 / बी. टैक / एमसीए के अल्पसंख्यक छात्र उन्नत आईसीटी पाठ्यक्रमों जैसे एडीएचएनएस, एनएस, जेइइ, सीसीएफए, डाटा एंट्री व ऑफिस औटोमेशन व आईटीइएस पर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। अल्पसंख्यक अभ्यर्थियों के लिए पाठ्यक्रम निःशुल्क हैं।
- ईएसडीएम परियोजना (एमइआईटीवाई द्वारा प्रायोजित) : इस परियोजना में, बिहार राज्य के बेरोजगार युवाओं को इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाता है। इस परियोजना के अंतर्गत 360 अभियर्थियों का नामांकन हुआ है।
- पंचायती राज परियोजना (राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित) : इस परियोजना में, बीजीएसवाईएस और पंचायती राज के कर्मचारी "पीइएस, ई–पंचायत, जीपीएमएस और अन्य राज्य विशिष्ट एप्स और वैप्स" पर प्रशिक्षण ले रहें हैं जिससे कि वह अपनी बेहतर व्यक्तिगत और व्यवसायिकी विकास के लिए कौशल बढ़ाएं।
- कौशल विकास परियोजना (उद्योग विभाग, बिहार द्वारा प्रायोजित) : इस परियोजना में, कुल 81 छात्रों को अब तक दो अलग–अलग पाठ्यक्रम जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन टेक्नीशियन और सोलर–एलईडी लाइटिंग प्रोडक्ट (डिजाइन और विनिर्माण) में प्रशिक्षित किया गया है।
- दिनांक 04 से 06 अक्तूबर, 2018 तक केंद्रीय विद्यालय, बिहार क्षेत्र के पीजीटी शिक्षकों के लिए साइबर सुरक्षा पर 3 दिवसीय मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम। 48 केवी स्कूलों से कुल 48 पीजीटी शिक्षक पाठ्यक्रम में सम्मिलित हुए थे।
- केंद्रीय भंडारण निगम, पटना के कर्मचारियों के लिए "कंप्यूटर आधारभूत और इंटरनेट अवधारणाओं" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- साइबर सेल, बिहार पुलिस के लिए आईपी, वेबसाइट और ईमेल ट्रेसिंग पर एक कार्यशाला दिनांक 12 दिसंबर, 2018 को आयोजित की गई थी।

बिहार

राँची

कार्मिक

नियमित : 05
परियोजना आधारित : 07

कारोबार

128.25 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री तपस त्रिवेदी

पता

दूसरी मंजिल, रियदा भवन
(जीईएल चर्च के सामने) मैन रोड़
राँची–834001

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0651–2332554
ई–मेल : dir-ranchi@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/ranchi

क्षेत्राधिकार राज्य

झारखण्ड

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट रांची केंद्र ने एक अस्थायी कार्यालय से काम करना शुरू किया जो झारखंड सरकार (जीओजे) द्वारा दूसरी मंजिल, रियदा भवन, मेन रोड, राँची में उपलब्ध करायी गई, बाद में, केंद्र का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 21 अगस्त, 2014 को किया गया। इस स्थान को सीपीडब्ल्यूडी द्वारा नवीकृत किया जा रहा है जो लगभग पूरा हो गया है और अब परिचालन की स्थिति में है। झारखंड सरकार ने नाइलिट के स्थायी परिसर की स्थापना, जिसमें छात्र व छात्राओं के लिए छात्रावास है, के लिए कांके, अंचल, संगा मौजा, रांची में 5.0 एकड़ भूमि का एक भूखंड आवंटित किया है। इंफोकॉम–2015 के कार्यक्रम के दौरान नाइलिट को भूमि के आवंटन हेतु पत्र श्री रघुबर दास, माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार द्वारा औपचारिक रूप से सौंप दिया गया था।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

- इएसडीएम पाठ्यक्रम
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम (नाइलिट सीसीसी, बीसीसी व एसीसी)

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम :

लघु अवधि के पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'सीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'बीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'एसीसी' पाठ्यक्रम

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- नाइलिट आईटी 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम
- नाइलिट सीएचएम–'ओ' स्तर पाठ्यक्रम
- जावा एंटरप्राइज एडिशन में स्तर डिप्लोमा (J2EE)
- डॉट नेट प्रौद्योगिकी में स्तर डिप्लोमा
- कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखांकन और प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा
- एंड्रोऐड एप्स विकास में सर्टिफिकेट कोर्स
- वेब डिजाइनिंग में सर्टिफिकेट कोर्स

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट रांची ने 21/20 अभ्यर्थियों वाले विभिन्न 08 बैचों में झारखंड सरकार के कुल 166 जूनियर इंजीनियरों के लिए बेसिक कंप्यूटर कोर्स (BCC) का प्रशिक्षण आयोजित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम झारखंड सरकार द्वारा पूर्ण रूप से प्रायोजित था जो, दिसंबर 2018 से फरवरी 2019 के बीच हुआ।
- फरवरी, 2019 में, नाइलिट रांची केंद्र द्वारा झारखंड वित्तीय सेवा (जेएफएस) के कार्मिकों को बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी) में प्रशिक्षित किया गया।
- नाइलिट रांची ने डीजीइएंडटी प्रायोजित नाइलिट आईटी– ओ स्तर (कुल 50 एससी/एसटी जॉबसिकर्स) और सीएचएम 'ओ' स्तर (कुल 25 एस सी/एसटी जोबसिकर्स) पाठ्यक्रम का संचालन किया है।
- अप्रैल 2018 और अक्टूबर 2018 के महीनों में झारखंड सरकार के तकनीकी शिक्षा बोर्ड में जनशक्ति की भर्ती हेतु कंप्यूटर आधारित टाइपिंग स्पीड टेस्ट आयोजित किया गया। इस परीक्षा में क्रमशः 40 और 23 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। टाइपिंग टेस्ट सॉफ्टवेयर को नाइलिट रांची केंद्र द्वारा विकसित किया गया है।
- झारखंड के एससी/एसटी युवाओं के लिए आईटी आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण (डीओईटी व ई–शासन, झारखंड सरकार द्वारा प्रायोजित): झारखंड के दस जिलों (गुमला, लोहरदगा, लातेहार, सरायकेला–खरसावां, दुमका, सिमडेगा, चतरा, जामताड़ा, पाकुड़ और रामगढ़) में कुल 600 एसटी/एसटी युवाओं के आईटी आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जारी है।

शिलांग

कार्मिक

नियमित : 01
परियोजना आधारित : 26

कारोबार

222.64 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री एस. बोर्गोहैन

पता

दूसरी मंजिल, एमएसएचएफसीएस भवन,
नॉनग्रिम हिल्स, शिलांग–793003
मेघालय

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0364–2520166 / 2520177
ई–मेल : dir-shillong@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/shillong

क्षेत्राधिकार राज्य

मेघालय

विस्तार केन्द्र

तूरा

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट शिलांग, देश में नाइलिट का 12 वां केंद्र है (उत्तर पूर्व में 6वां)। नाइलिट शिलांग इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा रु.7.15 करोड़ की लागत पर स्थापित किया गया था। नाइलिट शिलांग केंद्र, मेघालय राज्य आवास वित्त सहकारी समिति भवन, नानग्रिम हिल्स, शिलांग–793003 की दूसरी मंजिल पर स्थित है। नाइलिट शिलांग का तुरा में एक विस्तार केंद्र भी है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

☞ मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)
- पीसी असेंबली और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- ईसीजी और आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- आईटी में 'ओ' स्तर
- आईटी में 'ए' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- वर्ष 2018–19 के दौरान, लगभग 1000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें 53 छात्रों को 'ओ' स्तर, सीसीसी में 202, पीसी असेंबली और रखरखाव सर्टिफिकेट कोर्स में 53, वेब डिजाइनिंग में सर्टिफिकेट कोर्स में 64, ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेट कोर्स में 130, इसीजी, आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव में 13 को प्रशिक्षण दिया गया था, डोनर प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत आईसीटी में 428 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया था।
- ''ईसीजी और आईसीसीयू उपकरण की मरम्मत और रखरखाव'' पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण 30 प्रतिभागियों को प्रदान किया गया, जिसमें बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, एनईएचयू शिलांग से बीटेक के छात्र, तुरा पॉलिटेक्निक के छात्र और सिविल अस्पताल के पैरामेडिकल स्टाफ आदि अलग–अलग बैचों में सम्मिलित थे।
- सितंबर, 2018 के दौरान, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, एनईएचयू शिलांग से 7वें सेमेस्टर के 33 छात्रों हेतु "रिपेयर एंड मेंटेनेंस ऑफ मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स इक्विपमेंट" पर दो सप्ताह के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- नाइलिट शिलांग ने 30 मई, 2018 को बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, एनईएचयू, शिलांग के सहयोग से "हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी में वर्तमान रुझान" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- "नाइलिट शिलांग में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स लैब का सेटअप" एमईआईटीवाई प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत पैरामेडिकल स्टाफ का प्रशिक्षण शिलांग के विभिन्न अस्पतालों के कर्मचारियों के लिए शुरू किया गया था। सप्ताह भर का लंबा कार्यक्रम जो 9 जुलाई 2018 से 13 जुलाई 2012 तक चला, में 12 पैरामेडिकल स्टाफ ने भाग लिया।
- नाइलिट शिलांग में सौर ऊर्जा स्थापना और रखरखाव पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना के साथ, नाइलिट शिलांग संकाय द्वारा दिसंबर, 2018 के दौरान, बीवीटी कैंपस, मणिपाल में 8 (आठ) दिनों के लिए सौर ऊर्जा और ऊर्जा उद्यमिता मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया था। इसी पर ही अनुवर्ती कार्यक्रम स्टेट काउंसिल फॉर साइंस टेक्नोलॉजी एवं पर्यावरण, मेघालय द्वारा अनुरक्षित साइट पर विभिन्न सौर प्रतिष्ठानों की सुविधाओं का दौरा करके शिलांग में जनवरी, 2019 के माह में पूर्ण किया गया था।
- एमसीए के छात्रों के लिए परियोजना– असम डॉन बोस्को विश्वविद्यालय के 6 (छः) छात्रों ने नाइलिट शिलांग में विषयों जैसे डिजिटल माध्यम से डेटा ट्रेवल पर डीडीओएस हमलों का पता लगाना, स्मार्ट प्रकाश व्यवस्था और मोशन संसर (आईओटी), एक संस्थान की आभासी नेटवर्क प्रणाली का डिजाइन और विभिन्न विभाजन तकनीकों का विश्लेषण, पर अपने अंतिम वर्ष की परियोजना के कार्य किए हैं।

शिमला

कार्मिक

नियमित : 07
परियोजना आधारित : 14

कारोबार

5512.67 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री राजीव अग्रवाल

पता

किडरवूड बिल्डिंग
लोअर जाखू, शिमला
हिमाचल प्रदेश–171300

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0177–2804216, 2653189
ई–मेल : shimla@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/shimla

क्षेत्राधिकार राज्य

हिमाचल प्रदेश

केंद्र का इतिहास :

नाइलिट शिमला की स्थापना दिनांक 10.04.1995 को हुई थी। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश राज्य में आईटी सेवाओं को बढ़ावा देना था। नाइलिट शिमला के उपकेंद्र कसूमपती (उप केंद्र, शिमला) और मंडी, धर्मशाला, चंबा और नहान में एचपीए, अर्थात हिमाचल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के सहयोग से हैं। इन संबद्ध केंद्रों के अतिरिक्त, नाइलिट शिमला उना, बिलासपुर, सोलन, कुल्लू, कंगड़ा और हमीरपुर में अपने प्रत्यायित केंद्रों के साथ पाठ्यक्रम का संचालन कर रहें हैं। नाइलिट शिमला केंद्र राज्य सरकार की ई–गोव परियोजनाओं के संचालन के लिए तकनीकी जनशक्ति उपलब्ध कराने के लिए एक नोडल एजेंसी है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

☞ आईइसीटी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण

☞ ई–गवर्नेंस

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम :

लघु अवधि पाठ्यक्रम

- टैली
- पाइथन
- एसक्यूएल सर्वर
- एंड्रॉइड, जावा (उन्नत)
- नेट टेक्नोलॉजीज, सी, सी ++

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर / नाइलिट 'ए' स्तर
- सीएचएम– 'ओ' स्तर
- एमसीआरपी विश्वविद्यालय भोपाल का पीजीडीसीए
- नाइलिट पीजीडीसीए, डीसीए

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट शिमला द्वारा हाडुप का उपयोग कर बिग डेटा एनालिटिक्स पर 10 मार्च, 2018 से 11 मार्च, 2018 तक 2 दिवसीय कार्यशाला जेपी विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी, वाकनाघाट, सोलन के इंजीनियरिंग छात्रों के लिए आयोजित की है।

- नाइलिट शिमला ने 23 अक्टूबर–2017 से 09 मार्च 2018 तक महानिदेशालय पुनर्वास पाठ्यक्रम के अंतर्गत सी एचएम–ओ स्तर को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। डीजीआर की योजना जिसमें, सेवानिवृत्त सशस्त्र बलों के कर्मियों (जेसीओ/ओआर) को प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि, वे जब सिविलियन जीवन से जुड़े तो अपनी योग्यताओं को बढ़ा सकें और उपयुक्त रोजगार प्राप्त कर सकें।

- नाइलिट शिमला द्वारा हिमाचल प्रदेश के महिला और बाल विकास विभाग के अंतर्गत 15 स्थानों पर बाल आश्रम के बच्चों के लिए ऑफिस ऑटोमेशन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यालय स्वचालन कौशल, हार्डवेयर और नेटवर्किंग मूलभूत विषय पर ज्ञान प्रदान करना है, जिससे बाल आश्रम के बच्चों को पीसी हार्डवेयर, नेटवर्किंग, सामान्य बाह्य उपकरणों के रखरखाव हेतु तैयार करना तथा उनके द्वारा दिन–प्रतिदिन के कार्यों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का अधिकतम उपयोग कर सके जो, उन्हें आईसीटी में आत्मनिर्भर और कुशल बनने में मदद करेंगी।

- नाइलिट शिमला में 1.08.2017 से 15.08.2017 तक स्वच्छ भारत पखवाड़ा मनाया। स्वच्छ भारत अभियान के लिए जागरूकता फैलाने हेतु, स्वच्छता के नारे के साथ, अपशिष्ट पदार्थों के उचित निस्तारण के लिए नाइलिट शिमला ने नगर पालिका शिमला को कूड़ेदान दान किए।

- हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम (एचपीकेवीएन) द्वारा 24–25 जून, 2017 को बानूती शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित कौशल विकास और स्वरोजगार विषय पर रोजगार मेले में माननीय मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश उपस्थित थे, उनके साथ उद्यमी, उद्योगों तथा हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी थे। नाइलिट शिमला द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी पर माननीय मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश, एचपीकेवीएन के निदेशक तथा बड़ी संख्या में आगंतुक शामिल हुए, जिनमें उद्यमी, छात्र और आमजन भी थे। नाइलिट ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में तालमेल बनाये रखने हेतु समर्थकारी तकनीकों का प्रदर्शन करके रोजगार मेले में भाग लिया।

श्रीनगर/जम्मू

कार्मिक

नियमित : 50
परियोजना आधारित : 37

कारोबार

1539.94 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक

श्री डी.एस. ओबेरॉय

पता

सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स
पुराना एअरपोर्ट रोड, रंगरेथ
श्रीनगर–191132
नया परिसर, जम्मू विश्वविद्यालय–180006
नवीन परिषद सचिवालय, एलएएचडीसी लेह के समीप

सम्पर्क के ब्यौरे

फोन : 0194–2300501, 2300502
फैक्स : 0194–2300949
ई–मेल : dir-srinagar@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/srinagar

क्षेत्राधिकार राज्य

जम्मू तथा कश्मीर

विस्तार केन्द्र

- जम्मू
- लेह

केंद्र का इतिहास:

वर्ष 1983 में, नाइलिट केंद्र श्रीनगर/जम्मू की स्थापना जम्मू और कश्मीर सरकार व कश्मीर विश्वविद्यालय के सहयोग से की गई थी। नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने विभिन्न कार्यकलापों की शुरुआत की है जिसमें औपचारिक पाठ्यक्रम (श्रीनगर में एमसीए, एमएससी– आईटी व लेह में बीसीए) तथा अनौपचारिक पाठ्यक्रम (ओ/ए/ बी स्तर), आईइसीटी में कौशल विकास कार्यक्रम अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ, परामर्श और अस्पताल के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव इंजीनियरिंग सम्मिलित हैं। यह एक आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित संगठन है जो कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, सिस्को, ओरेकल, सर्ट इन, एनपीटीईएल, ईसी काउंसिल से शैक्षणिक संबंध रखता है। यह वार्षिक रूप से अपने दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 300 से अधिक तथा ऑनकैंपस और ऑफ–कैंपस कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से 15,000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करता है। यह ई–गवर्नेंस परियोजना के कार्यान्वयन में जम्मू और कश्मीर सरकार के आईटी सलाहकार के रूप में कार्य करता है। जम्मू प्रसार केंद्र जम्मू विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस पर स्थित 25,000 वर्ग फुट के एक निर्मित क्षेत्र में स्थित है साथ ही वर्ष 2013 में नाइलिट उपकेन्द्र, लेह की स्थापना हुई और इसका 15,000 वर्ग फीट से अधिक का निर्मित क्षेत्र है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

☞ आईटी–मानव संसाधन विकास ☞ वायरलेस सेंसर नेटवर्क ☞ सूचना सुरक्षा।
☞ अस्पताल के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव।

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम :

लघु अवधि पाठ्यक्रम

• आईओटी सीसीएनए • सीसीएनपी • वायरलेस सेंसर नेटवर्क • साइबर फोरेंसिक • सूचना सुरक्षा • सूचना सुरक्षा में डिप्लोमा • नेटवर्किंग और क्लाउड कम्प्यूटिंग • टेलीकॉम टेक्नीशियन–पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग • पीएचपी और माइ एसक्यूएल • पायथन • एंड्रॉयड प्रोग्रामिंग •एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन • सी और सी ++ में प्रोग्रामिंग •एएसपी.नेट/वीबी.नेट •जावा प्रोग्रामिंग •ओरेकल •वीएलएसआई •वीएचडीएल •ऑटोकैड •मैटलैब •जीआईएस •डिजिटल विश्लेषण और सिमुलेशन •मल्टीमीडिया और वेब डिज़ाइन •वित्तीय लेखा (टैली) •सीसीसी •बीसीए •इमेजिंग उपकरणों (एक्स–रे और अल्ट्रासाउंड) की मरम्मत और रखरखाव •ईसीजी और आईसीसीयू की मरम्मत और रखरखाव •अस्पताल उपकरण की मरम्मत और रखरखाव में पोस्ट डिप्लोमा • आईटीईएस–बीपीओ (ग्राहक सेवा और बैंकिंग)

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• श्रीनगर में कश्मीर विश्वविद्यालय के साथ संबद्धता में एमसीए, श्रीनगर में कश्मीर विश्वविद्यालय के साथ संबद्धता में एमएससी–आईटी •लेह में कश्मीर विश्वविद्यालय के साथ संबद्धता में बीसीए • ओ–स्तरीय सॉफ्टवेयर • सीएचएम–'ओ' स्तर मैट 'ओ' स्तर, जैव सूचना में 'ओ' स्तर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- आईसीटी प्रौद्योगिकी और ई–लर्निंग के उपयोग में स्कूली शिक्षा विभाग के शिक्षकों का क्षमता निर्माणः जम्मू और कश्मीर के स्कूल शिक्षा विभाग के 5927 से अधिक शिक्षकों को स्मार्ट कक्षा प्रौद्योगिकी और ई–लर्निंग विषयवस्तु के वितरण पर प्रशिक्षण दिया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत कुल 14, 265 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।
- सांसद निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत लद्दाख के 28 और ग्रामीण विकास विभाग, लेह द्वारा 03 स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना।
- नाइलिट श्रीनगर और जम्मू में, अत्याधुनिक आईओटी प्रयोगशाला और इएस प्रयोगशाला की स्थापना की गई थी जिसमें, वित्त वर्ष के दौरान, विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के 126 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।
- केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू के लिए आईपी आधारित सीसीटीवी आधार पर समाधान की स्थापना।
- मोटर वाहन विभाग, जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा शुरू किए गए सड़क दुर्घटना डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (आरएडीएमएस) के लिए नियंत्रण/निगरानी केंद्र का विकास।
- जेकेआईएमपीए श्रीनगर के प्रशिक्षण हॉल में ऑडियो विजुअल सिस्टम का डिजाइन और स्थापना।
- जम्मू–कश्मीर राज्य के कृषि–जनगणना रिकॉर्ड का डिजिटलीकरणः कृषि–जनगणना 2015–16 का डिजीटलीकरण किया और जम्मू–कश्मीर राज्य का 2016–17 का इनपुट सर्वेक्षण किया जिसमें, 5,79,134 लाख रिकॉर्ड हैं।
- श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, कटरा, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत तीन स्कूलों के लिए स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना।
- स्कूली शिक्षा निदेशालय, जम्मू के लिए लैन एक्सटेंशन की स्थापना और सत्यापन व उपकरणों की आपूर्ति।
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (इडब्ल्यूएस) से संबंधित छात्रों के लिए जम्मू और कश्मीर राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उधमपुर में शुरू किया था तथा 71 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।
- पुनर्वास महानिदेशालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित योजना के अंतर्गत 90 अभ्यर्थियों को नाइलिट "ओ" स्तर के सॉफ्टवेयर और सीएचएम "ओ" स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया ।
- जम्मू और कश्मीर सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा विज्ञापित विभिन्न पदों की भर्ती के लिए श्रीनगर और जम्मू में 2018–19 के दौरान, 6,100 से अधिक अभ्यर्थियों की कंप्यूटर आधारित मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की गई थी। एसएमवीडी, हिमायत आदि के लिए भी इसी तरह के परीक्षण किए गए थे।
- नाइलिट श्रीनगर/जम्मू ने जम्मू–कश्मीर राज्य में पीएमकेवीवाई के अंतर्गत 9 विभिन्न पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए स्मार्ट एनएसडीसी के साथ अपना पंजीकरण करवाया है।

सोसायटी के लेखा परीक्षक

क्र.सं.	नाइलिट केन्द्र	सांविधिक लेखा परीक्षक
1.	औरंगाबाद	**मेसर्स ए.एस. बेदमुथा एंड कंपनी,** ए–301 एवं 304 सीआईटीआईयूएस, स्पेस ओलम्पिया, सूतग्रिनी चौक, गारखेड़ा, औरंगाबाद, महाराष्ट्र–431009
2.	अगरतला	**मेसर्स एस. बसु ठाकुर एंड कंपनी** बेस्ट बैंक आफ मध्यपारा डीघी, 3/1, मध्यपारा, अगरतला–799001 (त्रिपुरा पश्चिम)
3.	आईजोल	**मेसर्स पी. एल. बक्शी एण्ड कंपनी** जेल रोड, सिल्चर, पिन–788004
4.	अजमेर (पाली सहित)	**मेसर्स अम्बानी एण्ड कं.** 21, देव अम्बा मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स, स्टेशन रोड, अजमेर
5.	कालीकट	**मेसर्स मोहन एंड मोहन एसोसिएट** करुनालयम, वायनाड रोड, कालीकट–673001
6.	चेन्नै	**मेसर्स वी. सुंदरराजन एंड कंपनी** भूतल–रियर, "इमराल्ड इस्टेट" न्यू न. 6/3, दूसरा कनाल क्रॉस रोड, गांधी नगर, अदयार, चेन्नै–600020
7.	चंडीगढ़ (कुरुक्षेत्र सहित)	**मेसर्स बी. एम. वर्मा एंड कंपनी** एससीओ नं. 80–81, सेक्टर 17–सी, चंडीगढ़–160017
8.	गंगटोक	**मेसर्स आर. एन. गोयल एण्ड कंपनी** मंगटूराम रोड, सिलीगुड़ी–734005
9.	गुवाहाटी	**मेसर्स जी. टोसनीवाल एण्ड कं.** प्रोबीर मार्केट, दूसरी मंजिल, पलटन बाजार, गुवाहाटी–781008
10.	गोरखपुर	**मेसर्स हबिबुल्लाह एण्ड कं.** एच.वी. हाउस, 10–पार्क रोड, गोरखपुर–273001 (उ.प्र.)
11.	नाइलिट मुख्यालय	**मेसर्स जे.पी. चावला एंड कंपनी** सी–129, सेक्टर–2, नोएडा–201301
12.	ईटानगर	**मेसर्स रमेश चंद्रा राय एण्ड एसोसिएट्स** कोगे कामर्शियल कॉम्पलेक्स, 'ओ' प्वाइंट तिनाली, ईटानगर–791111
13.	इम्फाल	**मेसर्स एस. बसु ठाकुर एंड कंपनी** बेस्ट बैंक आफ मध्यपारा डीघी, 3/1, मध्यपारा, अगरतला–799001 (त्रिपुरा पश्चिम)
14.	कोहिमा	**मेसर्स एम.के. बरदोलोई एण्ड कंपनी** बी.ओ.एच. नं. 124, राजगढ़ रोड़, एसबीआई एटीएम के उपर, भंगागढ़, गुवाहाटी–781007
15.	कोलकाता (भुवनेश्वर सहित)	**मेसर्स सेन एण्ड कंपनी** 1/13, चितरंजन कालोनी, जादवपुर, कोलकाता–700 032
16.	नई दिल्ली	**मेसर्स सिंघल सुनील एण्ड एसोसिएट्स** 105, लक्ष्मण पैलेस, 19 वीर सावरकर ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली–110092
17.	पटना	**मेसर्स सच्चिदानन्द चौधरी एण्ड कंपनी** एच.ओ. 302, राजेन्द्र एन्कलेव, शशि कॉम्पलेक्स के पीछे, एक्जीबीशन रोड़, पटना–1
18.	श्रीनगर/जम्मू	**मेसर्स मंजूर एण्ड कंपनी** दूसरा तल, एमआइआर एन–कं, शापिंग कॉम्पलेक्स, एलआइसी भवन के सामने, करन नगर, श्रीनगर–190010
19.	शिलांग	**मेसर्स स्पार्क एण्ड कंपनी** प्रथम तल, रॉयल व्यू बिल्डिंग, डॉ. बी.के. काकोती रोड, उलुबारी, गुवाहाटी–781007, असम
20.	रांची	**मेसर्स प्रसाद कुमार एंड कंपनी** G(G +2), दूसरी मंजिल, श्री विमलानन्द टॉवर, सदर हॉस्पिटल के सामने, पुरुलिया रोड, रांची, 834001 झारखंड
21.	शिमला	**मेसर्स बी एम वर्मा एंड कंपनी** एससीओ नं. 80–81, सेक्टर 17–सी, चंडीगढ़–160017
22.	रोपड़	**मेसर्स बंसल मोजा एण्ड एसोसिएट,** एससीओ–5, उपरी तल, वीर शापिंग काम्पलेक्स, वी.आई.पी. रोड, जिरकपुर, जिला मोहाली, (पंजाब)–140603

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में

निदेशक,
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

सापेक्ष राय

हमने राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नाइलिट भवन, सेक्टर –8, द्वारका, नई–110077 (जिसे आगे सोसाइटी कहा गया है) जो सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक सोसाइटी है, के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का तुलन–पत्र, उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समेकित आय तथा व्यय लेखा, समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा उसके साथ संलग्न महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं अन्य स्पष्टीकरण संबंधी सूचना सम्मिलित है, जिनमें हमारे द्वारा नाइलिट दिल्ली (मुख्यालय) व राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के समेकित लेखा–विवरणों की लेखा–परीक्षा की गयी है तथा 21 अन्य केन्द्रों–आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फ़ाल, शिमला, श्रीनगर और जम्मू, गुवाहाटी, कोलकाता, चंडीगढ़, कोहिमा, चेन्नै, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, रोपड, पटना, रांची, नई दिल्ली एवं इटानगर के लेखा विवरण अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा–परीक्षित किए गए हैं, जो इसमें सम्मिलित हैं।

हमारी राय में, सोसायटी के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों को प्रयोज्य विधियों के अनुसार, सभी प्रकार से भौतिक रूप में तैयार किया जाता है। इस रिपोर्ट में शामिल समेकित तुलन–पत्र तथा आय और व्यय के समेकित विवरण व समेकित प्राप्तियाँ व भुगतान लेखा बहियों और हमारे द्वारा दौरा न किए गए केन्द्रों से प्राप्त लेखा विवरणों के अनुसार हैं तथा जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसरण में, सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

राय के लिए आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी ऑडिटिंग (एसए) के मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा–परीक्षा के लिए लेखा–परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम संस्था से स्वतंत्र है जो वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक हैं, और हमनें इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि, हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारी राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

ध्यान देने योग्य मामले

हम अशोध्य और संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान संबंधी अनुसूची 25 के नोट 3 तथा राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर की वर्तमान स्थिति से संबन्धित वित्तीय विवरणों की अनुसूची 25 के नोट 5 (सी,डी,ई,एफ,जी,एच) तथा समेकित वित्तीय विवरणों में केवल आर्थिक नोटों के संकलन संबंधी अनुसूची 25 की संख्या 11 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हैं। आगे, वित्तीय विवरणों में उल्लिखित देनदारों, लेनदारों और ऋणों और अग्रिमों की पुष्टि की जारी प्रक्रिया के संबंध में अनुसूची 25 के नोट संख्या 7 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है। इसके अतिरिक्त, आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए फार्म 26एएस सहित स्रोत पर कर की कटौती के लंबित समाधान संबंधी अनुसूची 25 के नोट संख्या 12 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है। इसके अलावा, प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा तैयार करते समय अल्पकालिक जमाओं के संबंध में समाधान में अंतर तथा नकद तथा बैंक शेष में अथशेष और अंतशेष के बीच समाधान अंतर संबंधी अनुसूची 25 के नोट संख्या 16 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है। ऐसे मामलों में हमारी राय सापेक्ष नहीं है।

हमारे द्वारा लेखा परीक्षित नाइलिट दिल्ली मुख्यालय के मामले में, निम्नानुसार बिन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट किया गया है।

अचल परिसंपतियों के रजिस्टर का अद्यतन कार्य शेष रहने के संबंध में इसके अलग वित्तीय विवरण में अनुसूची 24 के नोट संख्या 19 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है। आगे नाइलिट मुख्यालय के साथ अंतर–केन्द्र लेखों के लंबित समाधान के संबंध में इसके अलग वित्तीय विवरण की अनुसूची 24 के नोट 16 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है तथा आगे, इसके देनदारों, लेनदारों, चालू आस्तियों, चालू देनदारियाँ तथा ऋणों एवं अग्रिमों, जिनका बहियों में उस मूल्य पर उल्लेख किया गया है जो वसूली योग्य/देय है की पुष्टि की जारी प्रक्रिया के संबंध में, अलग वित्तीय विवरणों की अनुसूची 24 के नोट 15 में ध्यान आकृष्ट किया गया है। ऐसे मामलों में हमारी राय सापेक्ष नहीं है।

शिमला, चंडीगढ़, ईटानगर, नई दिल्ली, रोपड़, शिलांग, चेन्नई, श्रीनगर और जम्मू, कालीकट केंद्रों, एनपीआर के मामले में, कुछ मुख्य मामलों के प्रति उनके लेखा–परीक्षकों द्वारा ध्यान आकृष्ट किया गया है। ऐसी रिपोर्टों को संदर्भित किया जा सकता है।

अन्य मामले

हमने अइज़ोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फ़ाल, श्रीनगर तथा जम्मू, गुवाहाटी, कोलकाता, चंडीगढ़, कोहिमा, चेन्नई, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, रोपड, पटना, शिमला, रांची, नई दिल्ली और इटानगर के वित्तीय विवरणों (वित्तीय विवरण के रूप में संदर्भित) की लेखा परीक्षा नहीं की है, जैसाकि समेकित वित्तीय विवरणों में माना गया है।

इन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अन्य लेखा–परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है तथा समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक, इन केंद्रों के संबंध में शामिल राशि और प्रकटीकरण से संबंधित है, पूर्ण रूप से, अन्य लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

<u>प्रबंधन व वित्तीय विवरणों के शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी के उत्तरदायित्व।</u>

सोसाइटी प्रबंधन ऐसे आंतरिक नियंत्रण के लिए, जिसे प्रबंधन ऐसे समेकित वित्तीय विवरण बनाने के लिए आवश्यक समझें, जो तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे वह धोखाधड़ी या गलती, से मुक्त हो, इन समेकित वित्तीय विवरणों को लागू विधियों और उप–नियमों के अनुसार बनाने के लिए जिम्मेदार हैं।

इन समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने में सोसाइटी का प्रबंधन, चालू संस्था के रूप में सोसाइटी की क्षमता के निर्धारण, प्रकटीकरण जो भी लागू हो, चालू संस्था से संबंधित मामलों तथा लेखांकन का चालू संस्था आधार उपयोग करने के लिए, जब तक की प्रबंधन या तो संस्था की परिसमाप्ति न करना चाहे या परिचालन बंद न करे अथवा उनके पास कोई वास्तविक विकल्प न हो, लेकिन ऐसा करना पड़े, उत्तरदायी है।

शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी संस्था की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देख–रेख के लिए उत्तरदायी है।

<u>वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व</u>

हमारा उद्देश्य इन वित्तीय विवरणों के बारे में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करना है कि यह समेकित वित्तीय विवरण संपूर्ण रूप में भौतिक गलत विवरणों, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि, से मुक्त है, और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है, जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन एक उच्चस्तरीय आश्वासन होता है, लेकिन, यह कोई गारंटी नहीं है, कि एस.ए. के अनुसार किए गए आडिट में, हमेशा भौतिक गलत विवरणों, जो निहित हों, का पता लगेगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न हो सकते हैं और यदि पृथक रूप में या समूह में इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ता द्वारा लिए गए वित्तीय निर्णय उपयुक्ततः प्रभावित किए जाने की संभावना हो तो वे महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

एस.ए. के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में हम पेशेवर अनुमान का उपयोग करते हैं तथा सम्पूर्ण आडिट के दौरान व्यवसायिक संशयात्मकता को बनाए रखते हैं। जिन केंद्रों के लिए हमने आडिट किया है, हमनें निम्नलिखित उपाय (इसके बाद ''अतिरिक्त उपाय'' के रूप में संदर्भित) भी किए हैं।

- समेकित वित्तीय विवरण के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों की पहचान करना और उनका आकलन करना, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं को तैयार और निष्पादित करना, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करना जो, हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले जोखिम से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रण की अनदेखी सम्मिलित हो सकती हैं।

- ऑडिट से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों की जानकारी प्राप्त करना ताकि परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त ऑडिट प्रक्रियाएं तैयार की जा सके, लेकिन यह सोसाईटी के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर राय देने के प्रयोजन के लिए नहीं।

- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित खुलासों की तर्कशीलता का मूल्यांकन करना।

- प्रबंधन द्वारा लेखांकन के लिए चालू संस्था आधार का उपयोग किए जाने की औचित्यता, और प्राप्त आडिट साक्ष्य के आधार पर, की घटनाओं या परिस्थितियों से संबंधित महत्वपूर्ण अनिश्चितता विद्यमान है या नहीं, जिससे चालू संस्था के रूप में सोसाइटी के सामर्थ पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न होते हों, पर निष्कर्ष देना है। यदि, हम निष्कर्ष देते है कि, भौतिक अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो, हमें वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण के लिए अपनी आडिट रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना आवश्यक है अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण अपर्याप्त है तो अपनी राय में संशोधित करेंगे। हमारे निष्कर्ष, आडिटर रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त आडिट साक्ष्य के आधार पर हैं तथापि, भविष्य में, घटनाएं या परिस्थितियां सोसाइटी की निरंतरता की धारणा के सतत् क्रम में अवरोध उत्पन्न कर सकती है।

हम शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से अन्य मामलें में आडिट के योजनाबद्ध कार्य व समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा परिणामों जिसमें हमारे आडिट के दौरान पहचान की गई आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण कमियां भी शामिल हैं के बारे में विचार–विमर्श करते हैं।

उन केंद्रों के लिए जिनका हमनें ऑडिट नहीं किया है और अन्य ऑडिटर्स द्वारा ऑडिट किया गया है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है, तदनुसार हमने उपर्युक्त अतिरिक्त उपाय करने के लिए उन ऑडिटर्स पर भरोसा किया है।

कृते जे.पी.चावला एण्ड कंपनी एलएलपी
शासपत्रित लेखाकार
फ़र्म पंजीकरण संख्या 001875एन/एन500025

रजत चावला
(भागीदार)
एम.सं: 510745

J.P. Chawla & Co. LLP
New Delhi
Chartered Accountants

दिनांकः 24 सितंबर 2019
स्थानः नई दिल्ली

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार

(राशि रुपए में)

fooj.k	vuqlph	orZeku o"kZ	xr o"kZ
nkf;Ro			
समेकित/पूँजीगत निधि	1	5,92,44,04,899	4,80,90,51,776
सहायता अनुदान	2	3,20,87,33,301	2,97,09,64,551
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	57,15,75,676	82,11,40,128
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	17
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	3,65,54,54,547	3,59,56,03,735
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	2,62,16,90,224	2,93,16,78,648
;ksx		**15,98,18,58,664**	**15,12,84,38,855**
ifjlEifÙk;k¡			
स्थिर परिसम्पत्तियाँ.	8	1,73,79,20,568	1,53,28,63,036
स्थिर परिसम्पत्तियाँ. प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	17,57,07,912	17,22,03,993
स्थिर परिसम्पत्तियाँ. संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	42,71,22,338	40,01,77,535
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,10,55,07,419	1,15,18,77,710
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	3,43,28,43,762	3,10,01,71,805
अन्य निवेश	11	17,52,99,649	42,59,30,946
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	8,92,74,57,016	8,34,52,13,830
;ksx		**15,98,18,58,664**	**15,12,84,38,855**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24	-	-
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.पी. चावला एण्ड कम्पनी एल.एल.पी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन–001875एन/एन500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **24.09.2019**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार

(राशि रुपए में)

fooj.k	vuqlwph	ukbfyV	,uihvkj ifj;kstuk	orZeku o"kZ	xr o"kZ ukbfyV	xr o"kZ ,uihvkj	xr o"kZ
ns;rk,¡							
समेकित/पूँजीगत निधि	1	3,98,96,04,097	1,93,48,00,802	**5,92,44,04,899**	2,87,55,48,663	1,93,35,03,113	**4,80,90,51,776**
सहायता अनुदान	2	3,20,87,33,301	-	**3,20,87,33,301**	2,97,09,64,551	–	**2,97,09,64,551**
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	57,15,75,676	-	**57,15,75,676**	82,11,40,128	–	**82,11,40,128**
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	-	**17**	17	–	**17**
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	94,39,62,280	2,71,14,92,267	**3,65,54,54,547**	1,18,15,95,002	2,41,40,08,733	**3,59,56,03,735**
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-	-		–	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-	-	-	–	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	1,36,70,44,096	1,25,46,46,128	**2,62,16,90,224**	1,55,51,08,247	1,37,65,70,401	**2,93,16,78,648**
;ksx		**10,08,09,19,467**	**5,90,09,39,197**	**15,98,18,58,664**	**9,40,43,56,608**	**5,72,40,82,247**	**15,12,84,38,855**
ifjlEifÙk;k¡							
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– जीआईए	8	1,73,79,20,568	-	**1,73,79,20,568**	1,53,28,63,036	–	**1,53,28,63,036**
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	17,54,31,879	2,76,033	**17,57,07,912**	17,18,79,046	3,24,947	**17,22,03,993**
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	42,71,22,338	-	**42,71,22,338**	40,01,77,535	–	**40,01,77,535**
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,10,55,07,419	-	**1,10,55,07,419**	1,15,18,77,710	–	**1,15,18,77,710**
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	73,99,26,559	2,69,29,17,203	**3,43,28,43,762**	68,86,18,816	2,41,15,52,989	**3,10,01,71,805**
अन्य निवेश	11	17,52,99,649	-	**17,52,99,649**	42,59,30,946	–	**42,59,30,946**
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	5,71,97,11,055	3,20,77,45,961	**8,92,74,57,016**	5,03,30,09,519	3,31,22,04,311	**8,34,52,13,830**
;ksx		**10,08,09,19,467**	**5,90,09,39,197**	**15,98,18,58,664**	**9,40,43,56,608**	**5,72,40,82,247**	**15,12,84,38,855**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24	-	-	-	-	-	-
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.पी. चावला एण्ड कम्पनी एल.एल.पी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन–001875एन/एन500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **24.09.2019**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

fooj.k	vulph	orek o"k	xr o"k
vk;			
सेवाओं से आय	13	1,23,37,14,846	1,05,18,91,882
अनुदान/इमदाद	14	15,89,17,560	18,09,53,854
शुल्क/अंशदान	15	1,57,00,50,808	1,09,81,49,758
परियोजनाओं से आय	16	86,10,93,435	1,09,17,48,185
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	13,10,486	14,98,721
अर्जित ब्याज	18	24,52,26,007	22,83,96,522
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	13,67,398	13,24,824
विविध आय	20	31,70,39,934	23,20,36,556
;kx ¼d½		**4,38,87,20,474**	**3,88,60,00,302**
0;;			
स्थापना व्यय	21	88,77,06,282	1,01,69,92,456
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	66,10,06,933	53,88,51,296
परियोजनाओं पर व्यय	23	63,78,81,211	1,67,23,90,688
सेवाओं पर व्यय	23	1,01,55,80,605	87,27,28,972
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास–जीआईए से	22	20,62,68,079	18,24,45,746
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास–अधिशेष से	22	6,62,22,609	6,26,90,376
;kx ¼[k½		**3,47,46,65,719**	**4,34,60,99,534**
0;; l vf/kd vk; d :i e 'k"k ¼d & [k½		91,40,54,755	(46,00,99,232)
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		3,36,71,331	5,04,87,719
vf/k'k"k d :i e 'k"k dk lefdr fuf/k@ithxr fuf/k e y tk;k x;k		**88,03,83,424**	**(51,05,86,951)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.पी. चावला एण्ड कम्पनी एल.एल.पी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन–001875एन/एन500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **24.09.2019**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

fooj.k	vuqlwph	orZeku o"kZ ukbfyV	orZeku o"kZ ,uhvkj ifj;kstuk	orZeku o"kZ	xr o"kZ ukbfyV	xr o"kZ ,uhvkj	xr o"kZ
vk;							
सेवाओं से आय	13	1,23,37,14,846	-	1,23,37,14,846	1,05,18,91,882	-	1,05,18,91,882
अनुदान/इमदाद	14	15,89,17,560	-	15,89,17,560	18,09,53,854	-	18,09,53,854
शुल्क/अंशदान	15	1,57,00,50,808	-	1,57,00,50,808	1,09,81,49,758	-	1,09,81,49,758
परियोजनाओं से आय	16	86,10,93,435	-	86,10,93,435	1,09,17,48,185	-	1,09,17,48,185
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	13,10,486	-	13,10,486	14,98,721	-	14,98,721
अर्जित ब्याज	18	24,23,69,782	28,56,225	24,52,26,007	22,75,46,834	8,49,688	22,83,96,522
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	13,67,398	-	13,67,398	13,24,824	-	13,24,824
विविध आय	20	31,70,39,934	-	31,70,39,934	23,20,36,556	-	23,20,36,556
;kx ¼d½		**4,38,58,64,249**	**28,56,225**	**4,38,87,20,474**	**3,88,51,50,614**	**8,49,688**	**3,88,60,00,302**
O;;							
स्थापना व्यय	21	88,66,76,309	10,29,973	88,77,06,282	1,01,49,51,292	20,41,164	1,01,69,92,456
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	66,05,27,284	4,79,649	66,10,06,933	53,80,38,647	8,12,649	53,88,51,296
परियोजनाओं पर व्यय	23	63,78,32,297	48,914	63,78,81,211	90,09,78,152	77,14,12,536	1,67,23,90,688
सेवाओं पर व्यय	23	1,01,55,80,605	-	1,01,55,80,605	87,27,28,972	-	87,27,28,972
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रस–जीआईए से	22	20,62,68,079	-	20,62,68,079	18,23,85,536	60,210	18,24,45,746
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रस–अधिशेष से	22	6,62,22,609	-	6,62,22,609	6,26,90,376	-	6,26,90,376
;kx ¼[k½		**3,47,31,07,183**	**15,58,536**	**3,47,46,65,719**	**3,57,17,72,975**	**77,43,26,559**	**4,34,60,99,534**
O;; ls vf/kd vk; dks :i esa 'ks"k ¼d & [k½		91,27,57,066	12,97,689	91,40,54,755	31,33,77,639	(77,34,76,871)	(46,00,99,232)
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		3,36,71,331	-	3,36,71,331	5,04,87,719	-	5,04,87,719
vf/k'ks"k dks :i esa 'ks"k dk lef/kr fuf/k@ iwathxr fuf/k esa ys tk;k x;k		**87,90,85,735**	**12,97,689**	**88,03,83,424**	**26,28,89,920**	**(77,34,76,871)**	**(51,05,86,951)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखों पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.पी. चावला एण्ड कम्पनी एल.एल.पी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन–001875एन/एन500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24.09.2019

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

अनुसूची 1 :

समेकित/पूँजीगत निधि

31-03-2019 dh fLFkfr d vu|lkj r|yu&i= d Hkkx d :i e vu|lph (राशि रुपए में)

fooj.k	or|eku o"k	xr o"k
vk; rFkk 0;; lek;kstu [kkrk		
वर्ष के आरम्भ में शेष	4,65,80,53,776	5,19,81,96,040
घटाइए : मुख्यालय का अंश केंद्रों और अन्य को जारी	44,03,138	(72,67,000)
घटाइए : दिल्ली केन्द्र के लिए भवन निधि को अन्तरित	-	-
घटाइए : चिन्हित निधियों में स्थानांतरित (पुरस्कार/एससी/एसटी, स्टाफ कल्याण, आदि)	(1,48,00,000)	-
जोड़िए/घटाइए : अन्य पूर्व अवधि समायोजन	(25,43,867)	17,11,858
घटाइए : उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	(23,15,239)	2,63,96,812
जोड़िए/घटाइए : संचित बचतों का उपयोग	25,02,25,667	(5,03,96,983)
जोड़िए/(घटाइए) : जीआईए से/केन्द्र से स्थानांतरित निधि	-	-
vk; dh vfèkdrk@¼0;;½ vfr 0;;@¼vk;½	**88,03,83,424**	**(51,05,86,951)**
;kx d	**5,77,34,06,899**	**4,65,80,53,776**
ukbfyV ;kstuk d vfr'k"k l tkjh		
vFk 'k"k ;kx [k	**15,09,98,000**	**15,09,98,000**
o"k d vUr e 'k"k ;kx ¼d$[k½	**5,92,44,04,899**	**4,80,90,51,776**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 2 :

सहायता अनुदान

31-03-2019 dh fLFkfr d vu|lkj r|yu&i= d Hkkx d :i e vu|lph

(राशि रुपए में)

fooj.k	or|eku o"k	xr o"k
e|[; dk;dykik d fy, lgk;rk vu|nku &d ctVh; lkr		
d|Unz ljdkj l lgk;rk vu|nku		
vFk 'k"k	2,02,89,71,942	2,08,68,43,604
जोड़िएः ब्याज पूँजीकृत	-	-
जोड़िएः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्त योजनागत अनुदान/ केन्द्रों से प्राप्त	4,73,25,719	-
जोड़िए/घटाइएः नए केन्द्रों के लिए योजनागत अनुदान	(4,79,218)	-
घटाइएः मुख्यालय को लौटाई गई राशि।	-	(37,49,338)
जोड़िएः वर्ष के दौरान प्राप्त निधियाँ (योजना)	-	12,47,67,431
घटाइएः आवर्ती व्यय के लिए राजस्व को अन्तरित	(68,92,997)	(66,92,047)
जोड़िए/घटाइएः वर्ष के दौरान प्रयुक्त/पूंजीकृत	(4,00,658)	25,40,172
जोड़िए/घटाइएः समायोजन	(52,000)	-
घटाइएः मूल्यह्रास वापस किया गया	(20,09,84,811)	(17,96,64,837)
31-03-2019 dk bfr 'k"k	**1,86,74,87,977**	**2,02,40,44,985**
ukbfyV d|Unk d bV|uV dh LFkkiuk	-	-
जोड़िएः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय से प्राप्त	-	-
जोड़िएः वर्ष के दौरान ब्याज	-	-
घटाइएः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी को वापसी	-	-
घटाइएः केन्द्रों को वितरित निधि	-	-
31-03-2019 dk bfr 'k"k	-	-
lgk;rk vu|nku ¼foLrkj d|Un½		
vFk 'k"k	82,53,27,806	55,82,13,781
वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्त योजनागत अनुदान	46,69,89,364	39,25,79,157
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत अनुदान	-	-
जोड़िएः अर्जित ब्याज/अन्य स्रोतों से आय	25,58,211	7,90,518
जोड़िएः पाठ्यक्रमों से आय	-	-
घटाइएः आस्थगित राजस्व व्यय वापस लाया गया	(11,75,987)	(21,33,370)
घटाइएः मुख्यालय को लौटाई गई	(1,85,12,535)	-
घटाइएः पूर्व अवधि समायोजन	38,77,534	-
घटाइएः आवर्ती/गैर–योजना को अंतरित जीआईए	(9,32,20,702)	(11,04,57,365)
घटाइएः मूल्यहास वापस लाया गया	(1,81,48,023)	(1,36,64,915)
31-03-2019 dk bfr 'k"k	**1,16,76,95,668**	**82,53,27,806**
Hkou d fy, lgk;rk vu|nku&vFk 'k"k	10,77,29,338	10,43,37,412
?kVkb,% eY;ål okil yk;k x;k	(7,20,244)	(23,75,074)
जोड़िएः अर्जित ब्याज/अन्य स्रोत्रों से आय	51,415	-
जोड़िएः वर्ष के दौरान प्राप्त	5,72,02,519	57,67,000
31-03-2019 dk bfr 'k"k	**16,42,63,028**	**10,77,29,338**
byDVkfudh vkj lpuk ik|kfxdh e=ky; l iVVk fdjk;k d fy, vu|nku	-	-
o"k d nkSjku mi;kx	-	-
31-03-2019 dk bfr 'k"k	-	-

जारी है......

अनुसूची 2 :

सहायता अनुदान

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj rqyu&i= dk Hkkx dk :i esa vuqlwph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
jkT; ljdkj ls ikIr lgk;rk vuqnku	-	-
vFk 'ks"k	1,37,72,421	1,41,32,012
जोड़िए: निधियां/पूंजीकृत ब्याज	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(45,75,794)	(3,59,591)
31-03-2019 dks bfr 'ks"k	**91,96,627**	**1,37,72,421**
vU; ls ikIr lgk;rk vuqnku		
vFk 'ks"k	90,001	90,001
	-	
31-03-2019 dks bfr 'ks"k	**90,001**	**90,001**
o"kZ dk vUr esa 'ks"k	**3,20,87,33,301**	**2,97,09,64,551**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 2क :

अनुदान सहायता (बी) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियां

31-03-2019 dh fLFkfr ds vuqlkj rqyu&i= dk Hkkx ds :i esa vuqlwph

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
thvkbZ,&ik;kftr ifj;kstukvksa ds fy, ikIr ¼[k½		
Mkuj ifj;kstuk		
अथ शेष	2,08,08,884	16,47,832
वर्ष के दौरान प्राप्त	2,88,35,208	5,92,14,400
जोड़िए: अर्जित ब्याज	7,30,451	-
घटाइए: ब्याज वापसी	(23,000)	-
घटाइए: धन उपयोग/वापसी	(4,76,52,324)	(4,00,21,473)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(1,400)	-
ifj;kstuk i.k gksus rd fufèk 'k"k ¼d½	**26,97,819**	**2,08,40,759**
,ebvkbZVhokbZ ,oa dUnz ljdkj dh ifj;kstuk,¡	-	-
अथ शेष	79,08,01,738	18,53,54,751
जोड़िए: परियोजना के लिए प्राप्त निधि	1,39,27,86,991	1,44,96,91,057
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत निधियाँ (समायोजन)	-	-
जोड़े: वर्ष के दौरान अर्जित/उपचित ब्याज	1,86,90,296	1,95,31,408
अन्य परिवर्धन–फीस/अग्रिम/पूंजीकृत आदि	3,49,874	1,10,21,615
घटाइए: उपयोग की गई/वितरित/वापस की गई निधियां	(1,61,97,96,439)	(84,87,76,560)
घटाइए: परियोजना आय को अन्तरित व्यय	-	(16,80,000)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया।	(1,92,07,586)	(2,02,47,289)
ifj;kstuk iwjh gksus rd fuf/k;ksa dk 'k"k ¼[k½	**56,36,24,874**	**79,48,94,982**
vU; ifj;kstuk,¡		
vFk 'k"k	34,66,759	37,02,665
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त/अन्तरित निधि	-	-
घटाइए: आवर्ती एवं पूँजीगत व्यय/वापसी	-	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(2,05,701)	(2,35,906)
ifj;kstuk iwjh gksus rd fuf/k;ksa dk 'k"k ¼x½	**32,61,058**	**34,66,759**
¼jkT; ljdkj dh ifj;kstuk,½		
vFk 'k"k	19,37,628	10,01,900
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधि	1,41,01,966	80,40,507
जोड़िए: वर्ष के दौरान निवेश से ब्याज/आय	-	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	-	-
घटाइए: आवर्ती व्यय/प्रयुक्त निधि को अंतरित	(1,40,47,669)	(71,04,779)
ifj;kstuk iwjh gksus rd fuf/k;ksa dk 'k"k ¼?k½	**19,91,925**	**19,37,628**
jk"Vªh; tula[;k jftLVj	-	-
vFk 'k"k	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
केन्द्रों को अंतरित	-	-
जोड़िए: परियोजनाओं से आय	-	-
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: पूँजीगत/आवर्ती व्यय	-	-
घटाइए: एनपीआर खाते को अन्तरित (अलग खाता रखे जाने के कारण)	-	-
31-03-2019 dks o"kZ ds vUr esa 'k"k ¼M½	-	-
;kx ¼d$[k$x$?k$M½	**57,15,75,676**	**82,11,40,128**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 3 :

आरक्षित एवं अधिशेष

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj rqyu&i= dk Hkkx dk :i esa vuqlwph

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
पूँजीगत आरक्षित निधि*	17	17
सामान्य आरक्षण	-	-
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार अधिशेष/(कमी)	-	-
;ksx	**17**	**17**

* निःशुल्क रूप में प्राप्त परिसम्पत्तियों के संबंध में

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 4 :

इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि

31-03-2019 dh fLFkfr dks vuqlkj rqyu&i= dk Hkkx dk :i esa vuqlwph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
d- fuf/k;ksa dk vFk 'ks"k		
Hkou fuf/k	77,19,27,699	74,68,16,845
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,55,42,018	2,51,10,854
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : भवन रखरखाव निधि में राशि हस्तांतरित	(28,74,93,652)	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
o"kZ ds vUr esa dqy fuf/k;k	**50,99,76,065**	**77,19,27,699**
ikB;lkexh fodkl fuf/k	24,83,903	23,17,070
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	1,74,808	1,66,833
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
o"kZ ds vUr esa dqy fuf/k;k	**26,58,711**	**24,83,903**
v-tk@v-t-tk] fodykax ,oa efgyk Nk=ofÙk fuf/k	24,77,128	32,92,980
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,47,493	2,66,148
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रयुक्त निधियाँ/वितरण	(44,20,000)	(10,82,000)
miyC/k 'ks"k fuf/k;k	**(16,95,379)**	**24,77,128**
iqjLdkj fuf/k	42,75,712	39,91,742
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,98,384	2,83,970
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	-
miyC/k 'ks"k fuf/k;k	**45,74,096**	**42,75,712**
ekuo lalk/ku fodkl dks fy, vuqla/kku ,oa fodkl fuf/k	5,09,16,278	4,76,05,937
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	33,92,759	33,10,341
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	-
miyC/k 'ks"k fuf/k;k	**5,43,09,037**	**5,09,16,278**
vkbbZlhVh ds mnh;eku {ks=ksa esa ikB~Øeksa ds ikB~;fo"k; dk fodkl	1,25,87,737	3,03,00,160
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	6,66,510	15,55,728
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान निधि का उपयोग	(71,54,560)	(1,92,68,151)
miyC/k 'ks"k fuf/k;k	**60,99,687**	**1,25,87,737**
ukbfyV ds deZpkfj;ksa dk çf'k{k.k ,oa iqu% çf'k{k.k	4,21,87,487	4,02,36,937
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	15,66,050	27,47,698
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	(19,81,561)	(7,97,148)
miyC/k 'ks"k fuf/k;k	**4,17,71,976**	**4,21,87,487**

जारी है......

अनुसूची 4 :

इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि

31-03-2019 dh fLFkfr d vu|lkj r|yu&i= d Hkkx d :i e vu|lph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
minku ,o NÍh udnhdj.k fuf/k	2,06,58,805	4,63,15,697
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	1,89,78,778	(2,63,96,812)
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	9,91,709	10,65,420
जोड़िए : अर्जित ब्याज	1,65,040	1,43,715
घटाइए : प्रयुक्त निधियाँ	-	(4,69,214)
miyC/k 'k"k fuf/k;k	**4,07,94,332**	**2,06,58,806**
fpfdRlk O;; çfrifr fuf/k	47,63,087	44,69,346
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,28,832	2,93,741
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
miyC/k 'k"k fuf/k;k	**50,91,919**	**47,63,087**
fnYyh@dkyhdV dUæ d fy, Hkou fuf/k	26,50,00,000	21,50,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	5,00,00,000
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान धन कोष में हस्तांतरित निधियां	(26,50,00,000)	-
miyC/k 'k"k fuf/k;k	**-**	**26,50,00,000**
lfpr cpr fufèk;k	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान परिवर्धन	1,35,47,504	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान धन उपयोग	(67,73,256)	-
miyC/k 'k"k fuf/k;k	**67,74,248**	**-**
,uihvkj@vkj thvkbl fufèk ¼C;kt½	2,41,40,08,733	3,79,31,25,941
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,08,83,75,827	29,84,43,749
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: एनपीआर परियोजना खाते में अन्तरित	(1,79,08,92,293)	(1,67,75,60,957)
miyC/k 'k"k fuf/k;k	**2,71,14,92,267**	**2,41,40,08,733**
LVkQ dY;k.k fuf/k	**43,17,165**	**40,31,613**
जोड़िए : अधिशेष से ब्याज	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,97,728	2,85,552
'k"k miyC/k fuf/k	**46,14,893**	**43,17,165**
Hkou j[kj[kko fuf/k	-	-
जोड़िए : भवन निधि से हस्तांतरित राशि	28,74,93,652	-
घटाइए : मूल्यह्रास प्रभारित	(2,87,49,365)	-
miyC/k 'k"k fuf/k;k	**25,87,44,287**	**-**
,ub,QMh fuf/k	-	-
जोड़िए : अतिरिक्त अधिशेष	1,48,00,000	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	(45,51,592)	-
'k"k miyC/k fuf/k	**1,02,48,408**	**-**
o"kZ d vr e dy 'k"k	**3,65,54,54,547**	**3,59,56,03,735**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 5 :

सुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

31-03-2019 dh fLFkfr d vu|lkj r|yu&i= d Hkkx d :i e vu|lph

(राशि रुपए में)

fooj.k	or|eku o"k|	xr o"k|
बैंक से सावधि ऋण (वाहन को दृष्टिबंधक रखने पर सुरक्षित)	-	-
अनुसूचित बैंक से नकद उधार	-	-
अनुसूचित बैंकों से नकद उधार पर उपचित एवं देय ब्याज	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
निवेश के एवज में अनुसूचित बैंकों से सुरक्षित ऋण	-	-
;ksx	-	-

अनुसूची 6 :

असुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

31-03-2019 dh fLFkfr d vu|lkj r|yu&i= d Hkkx d :i e vu|lph

(राशि रुपए में)

fooj.k	or|eku o"k|	xr o"k|
भारत सरकार से ऋण	-	-
राज्य सरकार से ऋण	-	-
अन्यों से ऋण	-	-
मांग नकद उधार	-	-
ऋण पर उपचित एवं देय ब्याज	-	-
;ksx	-	-

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 7 :

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj rqyu&i= dk Hkkx dk :i esa vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
,½ orZeku nkf;Ro		
1- QqVdj ysunkj		
कम्प्यूटर तथा उपकरण	65,24,216	70,82,527
आपूर्तिकर्ता	3,99,27,799	3,30,87,638
सेवाएँ/अन्य	23,02,40,185	41,79,07,709
2- çkIr lqj{kk tek jkf'k		
आपूर्तिकर्ता एवं अन्य	9,47,57,925	8,55,04,933
बयाना राशि/प्रतिधारण राशि	7,14,88,834	14,03,13,423
जमानती राशि/पुस्तकालय सुरक्षा	3,56,65,918	2,61,44,631
प्रतिधारण राशि दण्ड	43,21,07,642	43,21,07,642
3- çkIr iw'kfx;k		
विद्यार्थियों से	10,02,55,045	12,09,65,640
अन्यों से	7,72,77,223	3,94,85,750
आरजीआई से	52,72,76,622	52,72,76,622
जम्मू तथा कश्मीर के स्कूली शिक्षा विभाग से	-	3,28,03,057
नाइलिट योजना से	3,41,934	-
4- 0;; dh ns;rk,¡	-	-
उपचित ब्याज–सरकारी ऋण	-	-
उपचित ब्याज–वित्तीय संस्थान	-	-
उपचित ब्याज–अन्य	-	-
देयताएँ–एलआरयूआर (एनपीआर)	10,71,83,746	10,71,83,746
देयताएँ–अन्य व्यय	10,22,01,460	9,58,47,241
5- deZpkfj;ksa dks ns; osru] etnwjh rFkk vU; nkos		
देय वेतन तथा मजदूरी	5,76,99,030	4,13,87,401
अदत्त वेतन तथा मजदूरी	30,98,861	26,30,218
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	2,69,96,214	2,64,97,535
अनुबंध पर कर्मचारियों के वेतन तथा मजदूरी	1,25,34,276	2,31,33,864
6- fuf/k;ksa esa va'knku		
कर्मचारियों का अनिवार्य अंशदान–(सीपीएफ/ईपीएफ)	53,03,983	66,03,605
कर्मचारियों का स्वैच्छिक अंशदान–सीपीएफ	1,08,664	90,974
अनुबंध पर कर्मचारियों का अंशदान–पीएफ	8,34,388	20,91,150
संस्था का अंशदान–सीपीएफ/ईपीएफ	55,22,442	60,51,823
ऋण की वसूली	-	32,170

जारी है......

अनुसूची 7 :

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj rqyu&i= dk Hkkx dk :i esa vuqlwph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
7- orru ls olfy;k ftudk iz'k.k 'k"k gS	6,75,064	3,862
वेतन पर आयकर	37,05,315	60,91,834
जीवन/सामूहिक बीमा प्रीमियम	77,551	1,55,521
रोजगार/व्यावसायिक कर	2,56,346	2,89,766
प्रतिनियुक्ति पर गए व्यक्तियों से वसूली	425	12,480
वेतन से अन्य वसूलियाँ	14,29,948	14,97,331
सामूहिक बीमा	6,571	6,027
8- vU; ns;rk,¡		
ठेकेदारो/पेशेवरों/किराए से काटा गया आयकर	58,87,667	1,03,19,206
देय परीक्षा व्यय–ओ/ए/बी/सी	40,59,017	50,38,077
प्रत्यायन व्यय देय	1,12,391	1,09,566
परीक्षा व्यय देय – सीसीसी/बीसीसी	9,96,986	5,22,280
चेक जारी/फटे–पुराने चेक	53,79,876	3,09,45,173
वापसी योग्य परीक्षा शुल्क	7,61,728	5,92,958
अन्य देय व्यय	5,08,40,548	6,72,71,082
लेखा–परीक्षक को देय राशि	4,79,886	7,56,674
वेतन पर टीडीएस	49,357	1,98,429
जीएसटी देय	5,64,03,395	5,47,74,625
केन्द्रीय बिक्री कर एवं वैट/सेवाकर/अन्य कर	4,41,053	-
केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयो/एनपीआर परियोजना आदि को देय राशि	1,61,82,697	1,39,92,756
ईएसडीएम के लिए देय व्यय	-	-
चण्डीगढ़ केन्द्र दिल्ली जनशक्ति	1,618	1,738
विस्तार केन्द्र की देयताएँ एवं प्रावधान	-	-
सामग्री विकास के लिए पेशगी/सीसीसी/बीसीसी/सीसीसी+	7,91,963	-
;kx ¼d½	**2,08,58,85,809**	**2,36,68,08,684**
¼[k½ çko/kku		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
बोनस के लिए प्रावधान	-	6,908
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए प्रावधान	-	-
व्यय और अन्य के लिए प्रावधान	40,866	2,66,34,101
छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान	24,54,87,782	25,07,94,600
उपदान के लिए प्रावधान	29,02,75,767	28,74,34,355
घटाइएः एलआईसी सामूहिक उपदान योजना द्वारा वित्तपोषित	-	-
;kx ¼[k½	**53,58,04,415**	**56,48,69,964**
;kx ¼d½ $ ¼[k½	**2,62,16,90,224**	**2,93,16,78,648**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 8 :

स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण

31-03-2019 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	मूल्यह्रास की दर	सकल खंड				मूल्यह्रास				सकल खंड	
		वर्ष के आरम्भ में लागत 01-04-18 को	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के आरम्भ में	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक योग	वर्तमान वर्ष के अंत में	गत वर्ष के अंत में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		4	-	-	4	-	-	-	-	4	4
ख) पट्टाकृत		33,000	9,000	-	42,000	-	-	-	-	42,000	33,000
2. भवन		-	-	-	–	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	1,09,35,32,775	37,39,56,789	-	1,46,74,89,564	35,61,37,211	11,11,35,235	-	46,72,72,446	1,00,02,17,118	73,30,82,138
ख) पट्टाकृत		29,26,73,337	-	-	29,26,73,337	5,58,09,092	2,36,66,112	-	7,94,75,204	21,31,98,133	23,68,64,245
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर		-	-	-	-	-	-	-	-	-	1
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	49,35,85,678	-	-	49,35,85,678	11,32,42,766	3,34,82,368	-	14,67,25,134	34,68,60,544	38,46,56,338
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपकरण	15%	8,53,66,927	-	(2,361)	8,53,64,566	7,16,23,514	20,61,513	(1,314)	7,36,83,713	1,16,80,853	1,37,43,413
4. वाहन	15%	1,13,47,640	7,92,694	(4,89,349)	1,16,50,985	84,11,736	4,97,548	(4,56,081)	84,53,203	31,97,782	29,35,904
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	13,28,69,627	47,13,928	-	13,75,83,555	6,83,81,455	68,42,438	-	7,52,23,893	6,23,59,662	6,14,45,789
6. कार्यालय उपकरण	15%	9,53,98,059	1,48,74,670	(48,893)	11,02,23,836	5,64,02,187	84,23,067	(47,802)	6,47,77,452	4,54,46,384	4,10,01,014
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	39,17,77,539	1,25,40,244	(27,67,467)	40,15,50,316	36,70,62,994	1,37,78,602	(27,43,117)	37,80,98,479	2,34,51,837	2,38,92,717
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	5,45,50,230	75,978	(4,46,242)	5,41,79,966	3,31,24,897	28,60,663	(3,92,078)	3,55,93,482	1,85,86,484	2,12,29,868
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	4,63,59,435	97,052	-	4,64,56,487	4,59,86,363	1,71,233	-	4,61,57,596	2,98,891	3,73,072
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	50,71,642	-	-	50,71,642	37,97,685	1,27,396	-	39,25,081	11,46,561	12,73,957
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	75,07,041	-	-	75,07,041	52,38,133	5,77,040	-	58,15,173	16,91,868	21,17,320
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	5,22,72,956	37,253	(25,06,866)	4,98,03,343	4,10,63,493	24,38,337	(22,59,547)	4,12,42,283	85,61,060	88,78,342
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	28,83,381	52,000	-	29,35,381	15,47,469	2,06,527	-	17,53,996	11,81,385	13,35,912
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	40%	72,534	-	-	72,534	72,533	-	-	72,533	1	1
योग		**2,76,53,01,806**	**40,71,49,608**	**(62,61,178)**	**3,16,61,90,236**	**1,22,79,01,528**	**20,62,68,079**	**(58,99,939)**	**1,42,82,69,668**	**1,73,79,20,568**	**1,53,28,63,036**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 8 क :

स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण (प्रायोजित परियोजनाएँ)

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj rqyu&i= dk Hkkx dk :i ea vuqlqph

(राशि रुपए में)

fooj.k	eY;ál dh nj	ldy ekfy;r				eY;gkl				'k) ekfy;r	
		01-04-18 dk o"kZ dk vkjEHk ea ykxr	o"kZ dk nkSjku c<ksrjh	o"kZ dk nkSjku dVkSrh	o"kZ dk vUr ea ykxr@ eY;kadu	o"kZ dk vkjEHk ea	o"kZ dk nkSjku c<ksrjh	o"kZ dk nkSjku lek;kstu@ dVkSrh	o"kZ dk vUr rd ;ksx	orZeku o"kZ dk vUr ea	xr o"kZ dk vUr ea
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		5	-	-	5	-	-	-	-	5	5
ख) पट्टाकृत		1,01,177	-	-	1,01,177	-	-	-	-	1,01,177	1,01,176
2. भवन		-	-	-		-	-	-			
क) फ्री होल्ड	10%	3,46,42,516	47,40,951	-	3,93,83,467	16,30,025	7,40,701	-	23,70,726	3,70,12,741	3,30,12,491
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	58,45,930	-	-	58,45,930	38,01,366	2,04,456	-	40,05,822	18,40,108	20,44,564
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपकरण	15%	93,96,988	66,915	(1,65,900)	92,98,003	45,82,224	7,07,666	(35,462)	52,54,428	40,43,575	48,14,764
4. वाहन	15%	24,77,172	-	-	24,77,172	12,91,738	1,77,815	-	14,69,553	10,07,619	11,85,433
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	3,40,47,373	81,89,295	-	4,22,36,668	1,14,67,828	28,45,638	-	1,43,13,466	2,79,23,202	2,36,82,592
6. कार्यालय उपकरण	15%	6,45,19,133	87,81,940	-	7,33,01,073	2,77,15,064	67,65,642	-	3,44,80,706	3,88,20,367	3,69,41,438
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	16,92,47,829	2,22,76,994	(26,25,344)	18,88,99,479	13,30,34,635	2,14,23,366	(11,54,068)	15,33,03,933	3,55,95,546	3,49,52,982
8. विद्युत संस्थापन	15%	46,01,368	8,800	-	46,10,168	31,49,300	3,90,618	-	35,39,918	10,70,250	16,39,780
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	67,75,191	3,35,267	-	71,10,458	61,98,132	2,82,749	-	64,80,881	6,29,577	5,77,059
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	3,28,045	38,906	-	3,66,951	1,12,377	38,772	-	1,51,149	2,15,802	3,67,256
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	4,84,13,285	37,43,911	-	5,21,57,196	1,93,45,863	53,95,187	-	2,47,41,050	2,74,16,146	3,13,98,543
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	14,900	25,390	-	40,290	3,485	5,008	-	8,493	31,797	14,85,910
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
;ksx		**38,04,10,912**	**4,82,08,369**	**(27,91,244)**	**42,58,28,037**	**21,23,32,037**	**3,89,77,618**	**(11,89,530)**	**25,01,20,125**	**17,57,07,912**	**17,22,03,993**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 8 ख :

अतिशेष निधियों से सृजित स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण

31-03-2019 dh fLFkfr d vu|lkj r|yu&i= d Hkkx d : i e vu|lph

(राशि रुपए में)

fooj.k	eY;ál dh nj	ldy ekfy;r				eY;gkl				'k) ekfy;r	
		o"k d vkjEHk e ykxr 01-04-18 dk	o"k d nkjku c<krjh	o"k d nkjku dVkSrh	o"k d vUr e ykxr eY;kdu	o"k d vkjEHk e	o"k d nkjku c<krjh	o"k d nkjku lek;kstu@dVkSrh	o"k d vUr rd ;kx	orZeku o"k d vUr e	xr o"k d vUr e
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		21,62,860	-	-	21,62,860	-	-	-	-	21,62,860	21,62,861
ख) पट्टाकृत		1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	1,02,87,709	3,19,98,017	-	4,22,85,726	58,47,584	36,14,253	-	94,61,837	3,28,23,889	95,57,135
ख) पट्टाकृत		32,03,63,241	-	-	32,03,63,241	3,28,69,589	2,87,49,365	-	6,16,18,954	25,87,44,287	28,74,93,652
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		36,20,947	-	-	36,20,947	29,12,385	63,771	-	29,76,156	6,44,791	7,08,562
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	1,09,53,843	13,09,717	-	1,22,63,560	42,37,609	7,44,195	-	49,81,804	72,81,756	15,99,224
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपकरण	15%	1,02,44,444	16,76,133	1,65,900	1,20,86,477	46,60,903	10,87,905	35,462	57,84,270	63,02,207	55,83,541
4. वाहन	15%	45,84,637	7,83,884	-	53,68,521	21,07,444	4,30,370	25,500	25,63,314	28,05,207	24,77,192
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	3,31,68,808	2,77,93,326	-	6,09,62,134	1,75,09,443	41,78,652	-	2,16,88,095	3,92,74,039	1,57,60,034
6. कार्यालय उपकरण	15%	2,93,74,382	28,37,408	-	3,22,11,790	1,31,97,042	27,80,143	-	1,59,77,185	1,62,34,605	1,55,75,687
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	15,07,18,224	2,25,22,582	26,25,344	17,58,66,150	11,01,93,820	2,22,71,690	11,52,985	13,36,18,495	4,22,47,655	4,05,44,327
8. विद्युत संस्थापन	15%	40,94,692	5,62,353	-	46,57,045	18,10,211	8,47,010	-	26,57,221	19,99,824	22,84,481
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	67,17,524	10,28,782	-	77,46,306	56,01,726	6,52,689	-	62,54,415	14,91,891	11,15,798
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	7,93,495	-	-	7,93,495	5,27,041	26,646	-	5,53,687	2,39,808	2,66,454
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	10%	22,99,272	82,550	-	23,81,822	15,73,949	1,21,182	-	16,95,131	6,86,691	7,25,323
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	77,00,526	2,77,927	-	79,78,453	63,01,224	4,49,760	-	67,50,984	12,27,469	13,99,302
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	14,63,061	2,43,502	(7,111)	16,99,452	9,41,644	2,06,061	(1,067)	11,46,638	5,52,814	5,21,417
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	40%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
;kx		**61,09,50,210**	**9,11,16,181**	**27,84,133**	**70,48,50,524**	**21,02,91,614**	**6,62,23,692**	**12,12,880**	**27,77,28,186**	**42,71,22,338**	**40,01,77,535**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 9 :

निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य

31-03-2019 dh fLFkfr ds vuqlkj rqyu&i= ds Hkkx ds :i esa vuqlwph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
fuekZ.kk/khu iwathxr dk;Z		
i) कार्यालय, हॉस्टल एवं आवासीय भवनों का निर्माण	40,81,51,745	61,18,43,605
ii) सिविल परामर्श सेवा	24,18,94,874	18,77,38,737
iii) आनुषंगिक व्यय	-	-
iv) दिल्ली केन्द्र के लिए भवन का निर्माण	45,54,60,800	35,22,95,368
;ksx	**1,10,55,07,419**	**1,15,18,77,710**

अनुसूची 10 :

इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधियों से निवेश

31-03-2019 dh fLFkfr ds vuqlkj rqyu&i= ds Hkkx ds :i esa vuqlwph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
अन्य (राष्ट्रीकृत बैंकों में सावधि जमा)	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	2,69,29,17,203	2,41,15,52,989
भवन निधि–मुख्यालय	40,18,99,589	37,60,91,119
भवन निधि दिल्ली केन्द्र	2,86,75,053	2,70,14,388
पाठ्यसामग्री विकास निधि	26,93,245	25,18,869
अ.जा/अ.ज.जा, शारीरिक रूप से विकलांग तथा महिला छात्रवृत्ति निधि	-	39,65,878
पुरस्कार निधि	45,84,247	42,87,437
कर्मचारी कल्याण निधि	45,84,246	42,87,436
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	5,46,42,748	5,11,17,021
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रम के पाठ्यविषय के विकास के लिए निधि	63,75,000	1,32,59,539
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण तथा पुनः प्रशिक्षण निधि	4,59,73,254	4,29,85,468
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि	49,20,067	46,01,542
ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण निधि	18,55,79,110	15,84,90,119
;ksx	**3,43,28,43,762**	**3,10,01,71,805**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 11 :

निवेश–अन्य

31-03-2019 dh fLFkfr d vuqlkj rqyu&i= d Hkkx d :i esa vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
सामूहिक उपदान (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	17,52,99,649	10,59,30,948
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
सहायक कम्पनियाँ तथा संयुक्त उद्यम	-	-
अन्य (एफ डी आर)	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	-	-
पंचायती राज एफडीआर	-	-
ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम एफडीआर	-	-
आरएण्डएम, आईटी कुशलता तथा आईटीईएस–बीपीओ एफडीआर	-	-
एनईआर में आईईसीटी का प्रशिक्षण एफडीआर	-	-
एसएफआईएओ–एफडीआर	-	-
ईएसडीएम क्षेत्र में कुशलता विकास चरण–2 एफडीआर	-	31,99,99,998
रांची केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
श्रीकाकुलम केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
नाइलिट अजमेर की स्थापना एफडीआर	-	-
योग	**17,52,99,649**	**42,59,30,946**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 12 :

वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि

31-03-2019 dh fLFkfr d vuqlkj rqyu&i= d Hkkx d :i e vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
d- orZeku ifjlEifŸk;k		
1- orZeku ifjlEifŸk;k		
फुटकर देनदार – आपूर्तिकर्ताओं के लिए	1,36,32,952	1,43,45,739
फुटकर देनदार – सेवाओं के लिए	32,22,31,378	27,07,47,314
फुटकर देनदार – स्मार्ट क्लासरूम परियोजना (ज. व क.)/अन्य	16,69,04,019	10,43,97,810
फुटकर देनदार – केन्द्र	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(2,95,63,129)	(1,89,03,180)
फुटकर देनदार – आरजीआई	98,62,07,181	98,62,07,181
2- ikl esa LVkWd ¼yw[kuŸk&lkexzh ,oa çdk'ku½	22,30,485	24,61,849
3- ikl esa udn 'ks"k		
पास में नकदी (परियोजना सहित)	18,342	3,921
पास में अग्रदाय राशि	5,155	5,000
पास में स्टाम्प	-	70
मार्गस्थ चेक/डीडी प्रेषण	-	-
पास में चेक/डीडी	4,87,744	46,33,188
4- cSad esa 'ks"k		
चालू खाता	21,29,41,703	24,51,48,280
बचत खाता	1,29,93,68,366	81,69,73,792
अल्पावधि जमा	2,10,97,24,798	2,56,56,21,109
दीर्घावधि जमा	1,97,92,97,582	1,59,02,73,422
सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	2,98,15,598	-
जमा राशि पर अर्जित ब्याज	23,06,04,828	18,48,44,837
दीर्घावधि जमा (ईएमडी)	10,000	10,000
इयरमार्क्ड निवेश पर अर्जित ब्याज	1,24,71,645	1,27,35,811
सहायता अनुदान निधि पर अर्जित ब्याज	15,086	71,09,299
5- vU; orZeku ifjlEifŸk;k	-	-
जीएसटी इनपुट क्रेडिट	6,43,60,953	8,01,95,289
एमइआइटीवाई से प्राप्य अ.जा/अ.ज.जा फीस कंसेशन और अन्य	44,96,24,090	54,65,87,348
डिजिधन/अन्य परियोजना के लिए एमईआईटीवाई से प्राप्य राशि	18,28,729	15,12,649
शुल्क/आय वसूली योग्य	12,94,08,717	9,25,65,030
;ksx ¼d½	**7,98,16,26,222**	**7,50,74,75,758**
[k- _.k] iwaft;k vkfn		
1- _.k	-	-
कर्मचारियों को भवन निर्माण ऋण	10,17,665	11,71,517
कर्मचारियों को मोटर कार/स्कूटर ऋण	3,825	8,925
कर्मचारियों को अन्य ऋण	-	82,519
बाहरी संस्थानों को ऋण	-	83,342
ऋण पर उपचित ब्याज	2,24,257	1,93,610
सीपीएफ निधि को अग्रिम भुगतान	-	-

जारी है......

अनुसूची 12 :

वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlwph rqyu&i= dk Hkkx dk :i esa vuqlwph

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
2- cSyh ;kX; i'kfx;k		
जमा कार्यों के लिए पेशगियाँ	18,62,10,739	13,38,23,488
अन्य स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए पेशगियाँ	-	-
आपूर्तिकर्ताओं को पेशगियाँ	31,37,662	74,032
अन्य को पेशगियाँ–बाहरी	19,64,90,801	23,98,22,095
घटाइए : अन्यों के लिए प्रावधान	-	-
कर्मचारियों को त्यौहार पेशगी	38,265	67,715
यात्रा पेशगी	30,934	56,572
कर्मचारियों को अन्य पेशगियाँ	3,19,180	6,53,926
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–ओ/ए/बी/सी स्तर	17,49,652	12,24,905
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बीआईओ/सीसीसी	1,25,302	1,42,462
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बीयूडीए	1,02,357	1,02,357
व्यय के लिए अस्थायी पेशगियाँ	3,16,849	5,40,114
कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	85,560	2,43,470
पार्टियों/केन्द्रों से वसूली योग्य राशि	7,73,26,051	6,99,59,347
स्रोत पर काटा गया आयकर	45,54,68,381	37,19,68,568
सेवा कर/जीएसटी	3,93,317	-
पूर्व प्रदत्त व्यय/शुल्क	15,31,918	16,51,483
सुरक्षा जमा	98,68,835	1,12,38,381
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को पेशगियाँ	3,48,70,651	15,00,000
डिजिटल लाइब्रेरी के लिए केन्द्रों को पेशगी	81,410	1,29,244
एसटीपीआई को प्रदत्त लीज़होल्ड किराया	-	-
सीपीएफ न्यास से वसूली योग्य राशि	(61,232)	-
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ (पूर्वोत्तर परियोजना)	-	-
3- fofo/k 0;; rFkk gkfu	-	-
आस्थगित राजस्व व्यय	15,09,152	30,00,000
4- vUrj dUæ y[kk	-	-
क) आइजॉल केन्द्र	-	-
ख) औरंगाबाद केन्द्र	-	(1,69,270)
ग) कालीकट केन्द्र	-	35,000
घ) चण्डीगढ़ केन्द्र	-	(2,28,76,121)
ङ) चेन्नै केन्द्र	-	3,74,486
च) गोरखपुर/लखनऊ केन्द्र	-	(9,24,320)
छ) गंगटोक केन्द्र	-	5,40,363
ज) इम्फाल केन्द्र	-	-
झ) श्रीनगर/जम्मू केन्द्र	-	-
ञ) कोलकाता केन्द्र	-	1,66,42,122
ट) कोहिमा केन्द्र	-	-
ठ) शिलांग केन्द्र	-	1,28,319
ड) अगरतला केन्द्र	-	2,02,68,989
ढ) गुवाहाटी/ तेजपुर केन्द्र	-	1,22,39,713
ण) ईटानगर केन्द्र	-	-
त) नाइलिट मुख्यालय	(2,90,60,901)	(5,46,89,926)
थ) दिल्ली केन्द्र	-	2,27,14,912
द) पटना केन्द्र	-	-
ध) राँची केन्द्र	-	(2,73,708)
प) अजमेर केन्द्र	(31,30,973)	-
फ) शिमला केन्द्र	-	-
फ) रोपड केन्द्र	-	-
ब) त्रिरूपति केन्द्र	34,39,314	-
भ) भुवनेश्वर केन्द्र	(386)	-
म) पाली केन्द्र	37,42,210	-
य) एनपीआर	-	59,89,441
;kx ¼[k½	**94,58,30,794**	**83,77,38,072**
;kx ¼d$[k½	**8,92,74,57,016**	**8,34,52,13,830**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 13 :

सेवाओं से आय

31-03-2019 dh fLFkfr d vuqlkj vk; vkj 0;; d Hkkx d :i e vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
ijke'kZ lsok,¡@0;kolkf;d 'kqYd		
परामर्श शुल्क	19,53,399	71,77,710
आईआरडीए परीक्षा	83,49,025	49,67,772
एवीएसईसी/बीसीएएस परीक्षा/ईएसडीएम	1,90,125	29,81,375
वेबसाइट अनुरक्षण/प्रयोगशाला अनुरक्षण	11,14,189	13,99,714
भर्ती परीक्षाओं का आयोजन	24,29,906	46,86,053
आयोजित ऑनलाइन परीक्षा फीस	3,89,84,061	7,45,733
कार्पोरेट प्रशिक्षण	20,80,358	5,10,648
कम्प्यूटर किराए पर देना (इग्नू के लिए)	-	78,833
MkVk lalk/ku lsok,¡	-	-
कृषि जनगणना	5,26,201	-
पीएसईबी तथा अन्य	12,18,73,902	11,12,64,571
tu'kfä lsok,¡ çnku fd;k tkuk	1,05,62,13,680	91,80,79,473
;ksx	**1,23,37,14,846**	**1,05,18,91,882**

अनुसूची 14 :

अनुदान/इमदाद

(राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
vuqnku & ,ebZvkbZbZVhokbZ		
योजना–भिन्न – सामान्य	-	-
अनुदान – एमईआईईटीवाई से भिन्न	-	-
योजना से अन्तरण/आवर्ती व्यय के लिए एमईआइईटीवाई से प्राप्त (विस्तार केन्द्र तथा ईएसडीएम/आईसीटी/एनईसीबी परियोजना मोड के अन्तर्गत)	15,65,17,560	18,09,53,854
राज्य सरकार–मॉडल केरियर काउंसिल सेंटर	24,00,000	-
पट्टा किराया के लिए सहायता अनुदान का अन्तरण	-	-
;ksx	**15,89,17,560**	**18,09,53,854**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31-03-2019 dh fLFkfr d vuqlkj vk; vkj 0;; d Hkkx d :i e vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
1- nh?kkZof/k ikB~Øeka d vk;kstu l vk;		
d½ vkSipkfjd ikB~Øe ¼foÜofo|ky; l lac)½		
ikB~Øe 'kqYd		
बी.टेक	1,32,15,684	1,22,85,738
एम.टेक	1,36,14,425	1,49,21,249
बीसीए	2,15,66,285	1,80,75,923
एमसीए/एमएससी आईटी	1,04,32,721	96,00,025
अन्य (एमसीआरपी)/पीएचडी	1,61,12,055	2,26,13,765
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/मैट्रिकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/डीइपीएम	2,35,39,639	1,14,72,229
ithdj.k rFkk vU; 'kqYd		
बी.टेक	3,39,473	13,92,725
एम.टेक	78,997	5,21,373
बीसीए	1,94,480	1,96,620
एमसीए	63,440	80,080
अन्य (पीजीडीसीए)/पीएचडी/डीईपीएम	4,68,772	4,55,568
ijh{kk 'kqYd		
बी.टेक	-	-
एम.टेक	-	-
बीसीए	6,25,340	4,62,070
एमसीए/एमएससी आइटी	1,45,270	-
अन्य (डीईपीएम)	12,63,651	29,79,890
[k½ vukSipkfjd ikB~Øe ¼foÜofo|ky; l vlac)½		
ikB~Øe 'kqYd		
ओ स्तर	6,73,03,989	7,32,31,040
ए स्तर	53,03,915	75,26,018
बी स्तर	-	42,000
सी स्तर	-	-
मैट ओ स्तर	20,63,981	28,29,164
जैव सूचना–विज्ञान	-	-
vU; ¼ihthMhlh,] MhbZVhbZ rFkk Mhlh,lb½	1,55,85,199	79,82,611
ithdj.k rFkk vU; 'kqYd	-	-
मैट ओ स्तर	3,55,244	2,000
जैव सूचना–विज्ञान	-	-
अन्य	2,07,800	-
ijh{kk 'kqYd	-	-
मैट ओ स्तर/ओ स्तर	9,59,649	17,200
जैव सूचना–विज्ञान	-	-
अन्य	52,670	-

जारी है......

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj vk; vkj 0;; dk Hkkx dk :i esa vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
2- vYikof/k ikBîØeksa ls vk; ¼,d o"kZ ls de vof/k½		
d- ikBîØe 'kqYd		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	69,59,967	90,79,193
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	5,00,670	-
सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	6,38,34,488	-
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	87,44,417	1,16,000
विशेष रूप से निर्मित अल्पावधि पाठ्यक्रम (प्रशिक्षण, आईटीईएस, टैली आदि)	8,81,23,016	12,58,16,043
[k- iathdj.k rFkk vU; 'kqYd		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	5,800	15,67,705
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	531	-
सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	38,29,830	-
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	-
आन्तरिक पंजीकरण शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, बायो, इलेक्ट्रॉनिक एवं सर्किट डिजाइन आदि/एनएसक्यूएफ	65,890	3,79,437
x½ ijh{kk 'kqYd		
एसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं में जागरुकता)	23,71,437	6,12,800
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	-
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	2,10,750	27,000
सीसीसी प्लस/सीसीएसी	11,81,500	12,30,343
बीसीएएस/ऑनलाइन परीक्षा संसाधन शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, यूडीएके/जेयूडीए, ईएसडीएम/डीसीए आदि	2,000	40,74,934
अन्य (पीजीडीसीएए डीइटीइ एवं डीसीएसइ)	41,45,325	78,200
3- ukbfyV dh ;kstukvksa ls ykHk		
d- çR;k;u 'kqYd		
vufre iR;kf;r Qhl		
ओ स्तर	38,70,000	44,40,000
ए स्तर	2,70,000	2,70,000
बी स्तर	-	-
सी स्तर	30,000	30,000
अनन्तिम प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	-	3,15,087
सभी अनन्तिम एसीसीआर का संसाधन शुल्क	-	2,23,000
हार्डवेयर ओ स्तर	15,000	-
iw.kZ çR;k;u 'kqYd		
ओ स्तर	5,24,199	4,49,184
ए स्तर	1,32,194	2,43,288
पूर्ण प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	12,00,000	9,56,303
ईएसडीएम/एनएसक्यूफ	13,39,972	3,09,446
vU; & ,lhlhvkj 'kqYd		
नाम/पता में परिवर्तन सभी स्तर	1,43,300	2,24,745
प्रत्यायन का नवीवीकरण सभी स्तर	6,85,583	3,27,415
प्रत्यायन का विलम्ब शुल्क	88,237	1,36,923
पाठ्यक्रम का विविधिकरण	-	-
आस्थगित मामले	30,000	50,000
सभी स्तर पर एसीसीआर जारी रखना	8,70,839	12,34,726
परिवर्ती एसीसीआर–फीस/एसीएफ	43,98,551	49,26,290

जारी है......

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31-03-2019 dh fLFkfr d vuqlkj vk; vkj 0;; d Hkkx d :i e vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"k	xr o"k
[kM ijh{kk ,o vU; 'kYd		
ओ स्तर	3,31,28,100	3,78,58,750
ए स्तर	9,26,250	11,91,350
बी स्तर	76,250	82,000
सी स्तर	77,424	75,195
पुनः पंजीकरण/पहचान पत्र एवं अन्य	6,29,755	2,90,325
lh½ ijh{kk 'kYd		
ओ स्तर	12,02,28,900	10,65,85,540
ए स्तर	68,03,140	69,77,400
बी स्तर	6,19,500	7,91,000
सी स्तर	1,94,914	2,47,354
परियोजना शुल्क	2,56,599	4,70,988
रियायत शुल्क	2,038	1,430
पुनःयोग शुल्क व अन्य	3,09,336	2,25,461
सकल/वास्तविक शुल्क ओ/ए/बी स्तर	2,31,95,300	1,94,54,900
4- lhlhlh ,o chlhlh dkslZ ls izkIr vk;		
d½ dkslZ Qhl		
बीसीसी	1,04,900	13,20,369
सीसीसी	19,96,162	9,53,96,433
[k½ lfoèkk iHkkj		
एसीसीआर–सीसीसी	1,12,52,627	65,42,153
x½ iathdj.k ,o vU; 'kYd		
बीसीसी	-	-
सीसीसी	-	21,86,540
Mh½ ijh{kk 'kYd@ijh{kk 'kYd dk Hkkx		
बीसीसी	29,43,000	28,35,040
सीसीसी	96,67,60,826	45,87,92,904
5- gkMZos;j ;kstuk ls izkIr vk;		
,½ dkslZ 'kYd		
हार्डवेयर कोर्स	16,96,500	64,28,919
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	51,54,394	-
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	75,000	-
ch½ iathdj.k ,o vU; Qhl		
हार्डवेयर कोर्स	-	23,30,764
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	14,33,455	-
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	-	-
lh½ ijh{kk 'kYd		
हार्डवेयर कोर्स	8,29,675	42,59,593
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	42,90,588	-
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	-	-
;kx	**1,57,00,50,808**	**1,09,81,49,758**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 16 :

परियोजनाओं से आय

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj vk; vkj O;; dk Hkkx dk :i esa vuqlwph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
ljdkj }kjk çk;kftr ifj;kstuk,¡ ¼,ebZvkbZVhokbZ lfgr½		
पंचायती राज परियोजनाएँ	-	2,21,59,800
एनसीपीयूएल	26,20,10,049	25,19,62,468
एचपी स्कूल परियोजनाएँ	22,94,27,842	18,84,60,889
अन्य (डीओएनइआर, एचआईपीए, आरइओ मंडी–कोचिंग अ.जा./अ.ज.जा.,सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण)	4,58,30,572	2,30,22,245
,ebZvkbZVhokbZ ifj;kstuk,¡		
ईएसडीएम परियोजनाएँ	24,55,309	36,96,919
ई–विद्या/इ–वेस्ट परियोजनाएँ	83,16,352	1,57,90,006
प्रशिक्षण–आईटी कुशलता/ग्रामीण जनता के लिए आईटी/बीसीसी–ई–समावेशन	23,71,899	88,11,372
एनईआर क्षेत्र में आईईसीटी में प्रशिक्षण	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला	56,91,440	9,41,137
आईटी आईटीईएस–बीपीओ में प्रशिक्षण	2,64,61,809	-
महिलाओं का प्रशिक्षण/अल्पसंख्यक समुदाय का प्रशिक्षण	30,54,300	19,315
ग्रामीण भारत में महिला अधिकारिता	-	57,104
ई–शासन में क्षमता निर्माण/क्षमता निर्माण कूच बिहार/ईपीडीपीटी	1,51,55,758	2,54,57,015
साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला/साइबर सुरक्षा जागरूकता परियोजना/आईएसईए	41,68,112	54,87,285
जीवन प्रमाण परियोजना	-	-
एसएमडीपी एवं आईसीडीयू (जयराज–यूके)	80,87,776	28,97,281
संयुक्त परियोजना नाइलिट, सीएलटी+अमृता विश्व विद्यापीठ एवं सीएससी वीएलई (पीकेएस)	-	66,86,619
डीजीई एण्ड टी–ओएमआर शीट स्कैनिंग	1,49,14,536	2,36,00,452
अनुसूचित जाति/जनजाति को प्रतिपूर्ति	2,65,64,968	78,90,005
एनबीसीएफडीसी कुशलता विकास पाठ्यक्रम	-	-
एंटीस्पैम समन्वय परियोजना	7,14,418	15,31,789
डिजीटल जागरूकता कार्यकम	-	18,32,580
डीजीधन मेला	-	44,19,801
अन्य (एसएफआईओ, एनडीएलएम, आईआईटी, बॉम्बे/आईसीटी परियोजना, बीएसडीएम मॉडल कैरियर/आर्मी जवान क्लब, साइबर ग्राम योजना)	6,93,43,219	2,50,94,920
jkT; ljdkj }kjk çk;kftr		
स्मार्ट क्लासरूम	1,80,33,819	31,10,64,571
बीएडीपी के अधीन कौशल विकास	6,00,000	-
जेआइसीए परियोजना	-	-
कर्मचारी प्रशिक्षण परियोजना (ईटीपी)	-	1,28,36,966
अन्य	1,03,68,598	3,17,46,520
vkuh ifj;kstuk,¡	-	-
लोक सेवा आयोग	-	2,33,333
राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम)/जीएआईएल	2,24,621	9,60,524
मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण/एनइजीडी/जीवन प्रमाण/परीक्षा क्रियाकलाप/अन्य	6,03,04,212	6,47,61,323
मूल्यह्रास वापस लाया गया	3,76,31,467	3,42,38,996
विस्तार केन्द्र से आय–पूर्वोत्तर परियोजना	-	-
एनपीआर	93,62,359	1,60,86,950
;ksx	**86,10,93,435**	**1,09,17,48,185**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 17 :

प्रकाशनों की बिक्री से आय

31-03-2019 dh fLFkfr d vu lkj vk; vkj 0;; d Hkkx d :i e vu lph

(राशि रुपए में)

fooj.k	orleku o"k	xr o"k
fooj.k iqfLrdk dh fcØh		
ओ स्तर	8,38,694	11,50,001
ए स्तर	-	1,900
ओ स्तर–हार्डवेयर	-	-
बीसीए	27,900	32,100
एमसीए	3,500	5,700
अन्य (एम.टेक)/पीएचडी/डीसीएसई/डीईटीई	3,08,400	2,61,700
ikBîfooj.k dh fcØh		
ओ स्तर	1,060	920
ijh{kk Qkel dh fcØh		
ओ/ए/बी/सी स्तर	-	2,300
बीसीसी/सीसीसी	12,850	-
अन्य वस्तुओं की बिक्री	27,200	6,500
प्रकाशनों की बिक्री–मुख्यालय/अन्य केन्द्र/हार्डवेयर पाठ्यक्रम	90,882	37,600
रायल्टी से आय	-	-
;kx	**13,10,486**	**14,98,721**

अनुसूची 18 :

अर्जित ब्याज

(राशि रुपए में)

fooj.k	orleku o"k	xr o"k
सावधि जमा पर	18,51,60,019	15,97,75,623
बचत खातों पर	2,38,36,562	96,07,500
कर्मचारी ऋण पर	57,152	61,475
अन्य पर– सुरक्षा जमा पर /आटोस्वीप/निवेश आदि	25,23,943	27,43,632
ईयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि/जीआईए पर	3,36,71,331	5,62,08,292
घटाइए: डोनर प्रोजेक्ट को ब्याज अंतरण (वापस किया गया)	(23,000)	-
;kx	**24,52,26,007**	**22,83,96,522**

अनुसूची 19 :

टाउनशिप से प्राप्तियाँ

(राशि रुपए में)

fooj.k	orleku o"k	xr o"k
किराया प्राप्तियाँ	8,17,138	10,02,075
जल प्रभार की वसूली	44,158	1,54,685
विद्युत प्रभार की वसूली	87,836	1,61,764
टाउनशिप से अन्य प्राप्तियाँ	4,18,266	6,300
;kx	**13,67,398**	**13,24,824**

हस्ता/–	हस्ता/–
(राजीव तलवार)	**(जयदीप कुमार मिश्रा)**
मुख्य वित्त अधिकारी	महानिदेशक

अनुसूची 20 :

विविध प्राप्तियाँ

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj vk; vkj 0;; dk Hkkx dk :i esa vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
विविध आय	36,09,223	1,66,18,987
कार्यशाला प्राप्ति	1,37,282	4,84,725
अतिथि गृह/छात्रावास प्राप्तियाँ	1,00,20,374	67,19,671
अन्य फुटकर प्राप्तियाँ	89,00,434	40,00,964
;kx ¼d½	**2,26,67,313**	**2,78,24,347**
xSj çpkyu vk;		
गत वर्षो से संबंधित आय	5,06,95,722	1,92,20,849
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभ	1,74,455	(1,25,478)
असाधारण वस्तुओं से आय	4	21,33,370
चिन्हित निधियों के अधीन सृजित परिसंपत्तिसयों पर मूल्यह्रास	2,87,49,365	-
अतिरिक्त प्रावधान वापस लाया गया	83,63,391	7,04,393
अनुदान की परिसम्पत्तियों पर मूल्यहृास	20,62,68,079	18,23,85,536
;kx ¼[k½	**29,42,51,016**	**20,43,18,670**
vfUre LVkd		
तैयार वस्तुओं तथा निर्माणाधीन कार्य के स्टॉक में बढ़ोतरी/कमी	1,21,605	(1,40,091)
भण्डार, अतिरिक्त–पुर्जे, खपत योग्य वस्तुएँ तथा संघटक–पुर्जे	-	33,630
;kx ¼x½	**1,21,605**	**(1,06,461)**
dqy ;kx ¼d½$¼[k½$¼x½	**31,70,39,934**	**23,20,36,556**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 21 :

स्थापना व्यय

31-03-2019 dh fLFkfr dk vuqlkj vk; vkj 0;; dk Hkkx dk :i es vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
1- deZpkfj;ksa dk ikfjJfed		
वेतन तथा मजदूरी	66,92,58,150	72,53,87,597
समयोपरि भत्ता/अवकाश दिवस क्षतिपूर्ति	2,28,500	32,015
बोनस/अनुग्रह राशि	2,65,000	1,72,000
प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के लिए छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	11,85,316	58,47,777
अतिथि शिक्षकों को मानदेय	5,92,892	15,62,954
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	-	-
सेवानिवृत भुगतान	17,93,922	-
2- deZpkfj;ksa dk ykHk	-	-
चिकित्सा प्रभार – प्रतिपूर्ति	4,15,47,350	4,32,22,034
छुट्टी यात्रा रियायत	81,80,238	40,38,114
प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत भुगतान	-	-
छुट्टी का नकदीकरण	3,24,68,936	15,79,306
कर्मचारियों को अन्य लाभ	54,55,165	57,64,070
सामूहिक/उपदान बीमा प्रीमियम	40,34,546	1,06,57,676
सीपीएफ पर ब्याज	-	-
संतान शिक्षा भत्ता/ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति	87,02,989	60,02,386
मेसिंग तथा प्रति दिन भत्ता	18,26,669	10,34,964
3- fuf/k;ksa esa laLFkk dk va'knku	-	-
भविष्य निधि में अंशदान	6,61,74,221	6,89,42,397
उपदान निधि में अंशदान	4,15,26,349	7,46,84,240
छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान तथा अन्य	44,66,039	6,80,64,926
परियोजना निधि को स्थानांतरित व्यय	-	-
;ksx	**88,77,06,282**	**1,01,69,92,456**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31-03-2019 dh fLFkfr ds vuqlkj vk; vkSj 0;; ds Hkkx ds :i esa vuqlwph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
1- deZpkjh dY;k.k 0;;		
कैन्टीन पर व्यय	79,32,218	77,37,779
अन्य कल्याणकारी व्यय	59,67,863	43,00,471
2- eq[;ky; }kjk ukbfyV ;kstuk ds dk;kZUo;u ls 0;;	-	72,74,434
मानदेय व्यय	1,25,496	97,688
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	5,55,45,347	5,16,49,970
3- fdjk;k nj ,oa dj	-	-
परिसर का किराया	4,49,78,279	4,76,27,960
भवन के सेवा प्रभार	55,02,351	43,07,660
वाहन शुल्क	1,30,864	-
विद्युत एवं जल प्रभार	3,85,82,546	3,13,20,798
4- chek	-	-
कार्यालय का बीमा	10,09,993	9,98,808
वाहन बीमा	4,62,323	3,06,557
अन्य बीमा	2,35,090	77,010
5- ejEer rFkk j[kj[kko	-	-
उपकरण	60,55,039	89,67,561
कार्यालय एवं आवास भवन	2,01,63,700	1,29,78,835
वाहन	17,30,778	17,03,784
अन्य/स्थिर परिसम्पत्तियाँ	31,68,382	46,66,440
6- ;k=k 0;;	-	-
अन्तर्देशीय	1,43,63,513	1,71,22,531
विदेश	9,555	89,345
वाहन प्रभार प्रतिपूर्ति	4,78,150	4,95,461
यात्रा व्यय – अन्य	40,611	4,741
स्थानांतरण व्यय	3,18,794	3,14,122
7- foKkiu ,oa çpkj&çlkj	-	-
टेंडर आमंत्रण	1,76,269	13,08,906
भर्ती	3,97,222	6,81,752
बिक्री संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार	65,63,265	96,97,389
प्रदर्शनी एवं मण्डप	6,42,725	2,76,751
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	24,11,989	6,68,021
कार्यशाला व्यय	10,46,561	32,69,500
8- dk;kZy; 0;;	-	-
पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएँ	9,90,704	6,43,565
डाक एवं तार	31,80,372	34,98,409
कूरियर एवं माल भाडा	6,47,679	7,00,062

जारी है......

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31-03-2019 dh fLFkfr ds vuqlkj dk Hkkx ds :i esa vuqlph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
टेलीफोन/इंटरनेट खर्च	98,66,099	1,00,82,004
खरीदी गई पाठ सामग्रियाँ एवं विकास	-	41,056
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	70,37,348	97,92,653
वाहन चालन व्यय	13,02,175	12,35,525
आतिथेयता व्यय	8,53,709	5,97,993
कर्मचारियों की वर्दी	42,179	1,990
विधायी/व्यावसायिक/परामर्श सेवा शुल्क व्यय	36,84,737	26,25,302
जनशक्ति व्यय	11,51,64,875	10,29,50,810
9- fofo/k 0;;	-	-
लेखा–परीक्षा शुल्क	9,52,086	9,91,685
अन्य भूमिका में लेखा परीक्षकों को भुगतान	3,03,569	2,61,067
अनुसंधान संस्थानों/आईईईई पुस्तकालय को अंशदान/लाइसेंस प्रभार	40,604	21,722
कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	1,75,13,923	1,23,62,090
सॉफ्टवेयर विकास पर व्यय	14,949	10,33,980
सेमीनार एवं विकास पाठ्यक्रमों पर व्यय	10,23,355	8,94,943
कम्प्यूटरों का किराया	24,908	1,74,530
वाहन किराया	77,30,374	59,59,442
बैंक प्रभार	7,14,439	5,24,962
अतिथि गृह व्यय	89,258	12,02,552
अन्य फुटकर व्यय	1,99,02,862	2,06,41,044
बैठकों पर व्यय	27,92,241	37,12,981
परीक्षा व्यय/पंजीकरण शुल्क (सीएफएस, सीसीसी, डीईपीएम, एम.टेक, जैव सूचना–विज्ञान)	59,04,356	88,31,626
एफिलिएशन फीस	5,47,338	4,39,042
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	2,06,546	1,95,487
प्रत्यायन व्यय	-	-
परियोजनाओं पर व्यय का आवंटन/ परियोजनाओं से वसूल/	(4,82,893)	(4,25,000)
पट्टा किराया का भुगतान (सहायता अनुदान)	-	-
अशोध्य ऋण बट्टा खाता	360	4,215
हानि–बट्टे खाते डाली गई	-	-
आस्थगित राजस्व व्यय/विविध आस्तियां बट्टे खाते डाली गई	26,75,987	36,84,439
संघटक–पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तुएँ	34,94,468	18,70,349
10- C;kt	-	-
वित्तीय संस्थानों से ऋण पर ब्याज	-	-
नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	32,630	57,515
अन्य वस्तुओं पर ब्याज (स्पष्ट करें)	30,19,673	19,566
11- vk;dj@0;kolkf;d dj	-	-
व्यावसायिक कर	2,500	4,54,131
अन्य कर (स्वच्छ भारत, जीएसटी इत्यादि)	90,16,626	(1,49,197)
12- çko/kku	-	-
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	1,07,45,444	39,44,189

जारी है......

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31-03-2019 dh fLFkfr d vu lkj vk; vkj 0;; d Hkkx d :i e vu lph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
गत वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	1,32,60,679	49,79,639
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि	3,26,924	35,637
13-ikBîØek d lpkyu ij 0;;	-	-
दीर्घावधि पाठ्यक्रम	56,83,990	40,13,016
एम.टेक/एमसीए	4,24,332	11,89,675
सीसीसी योजना	1,63,90,430	2,09,68,685
बीसीसी योजना	-	1,85,157
अल्पावधि पाठ्यक्रम	17,66,66,238	8,82,27,450
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	11,79,937	10,36,338
आईटीईएस बीपीओ योजना	-	-
डीएसडब्ल्यूएस/डीडीसीएस योजना	-	8,59,082
जैव सूचना–विज्ञान पाठ्यक्रम/ईएसडीएम	-	18,750
14- ckgjh ikfVZ;k dk çf'k{k.k 0;;	-	5,16,864
;kx	**66,10,06,933**	**53,88,51,296**
fLFkj ifjlEifÙk;k ij eY;ál & lgk;rk vunku	**20,62,68,079**	**18,24,45,746**
fLFkj ifjlEifÙk;k ij eY;ál & vfr'k"k l	**6,62,22,609**	**6,26,90,376**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 23 :

परियोजनाओं पर व्यय

31-03-2019 dh fLFkfr d vu|lkj vk; vkj 0;; d Hkkx d :i e vu|l ph (राशि रुपए में)

fooj.k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
केन्द्र सरकार (एमईआईटीवाई / डीएसटी / एआईसीटीई / डीजी एण्ड ईटी की परियोजनाएँ)	11,90,69,900	39,39,65,124
विस्तार केन्द्र पर व्यय	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक परियोजना के लिए केन्द्र का अंशदान	-	10,77,213
राज्य सरकार	2,05,20,660	3,49,58,096
अन्य परियोजनाएँ	29,60,346	-
अपनी परियोजनाएँ	45,75,42,217	43,67,38,723
परियोजनाओं की स्थिर परिसम्पत्तियों का मूल्यह्रास	3,77,88,088	3,42,38,996
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	-	77,14,12,536
;kx ¼d½	**63,78,81,211**	**1,67,23,90,688**
lokvk ij 0;; ¼[k½	**1,01,55,80,605**	**87,27,28,972**
;kx ¼d$[k½	**1,65,34,61,816**	**2,54,51,19,660**

हस्ता / –
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता / –
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

अनुसूची 24 :
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आगे नाइलिट के रूप में संदर्भित), एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (डीओईएसीसी सोसायटी से, दिनांक 10.10.2011 से परिवर्तित नाम) की स्थापना इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत नवंबर, 1994 के दौरान सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित कार्यकलापों को कार्यान्वित करने के लिए की गई थी। यह संस्था धारा 12ए के तहत आयकर विभाग में पंजीकृत है तथा विश्व स्तरीय शिक्षा व प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएं प्रदान करते हुए, सूचनाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) और संबद्ध क्षेत्रों में केवल उत्तम जनशक्ति का सृजन और कौशल पेशेवरों का विकास करने के उद्धेश्य से, बनायी गई है। यह संस्था सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में दोनों औपचारिक एवं अनौपचारिक रूप से शिक्षण प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, आईसीटी के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश के प्रमुख संस्थान के लिए मानक स्थापित करने के लिए अत्याधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी उत्तम शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो संस्थानों/संगठनों को विशेष रूप से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए प्रत्यायन प्रदान करती है। रा.इ.सू.प्रौ.सं. अपने 21 केंद्रों– आइज़ोल, औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, पटना, रांची, रोपड़, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और जम्मू के माध्यम से कार्य कर रहा है।

निम्नलिखित नीतियां इसके विभिन्न केंद्रों सहित नाइलिट की समेकित लेखांकन नीतियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें विभिन्न केंद्रों की लेखा परीक्षित रिपोर्टों में लेखों की महत्वपूर्ण टिप्पणियां और विभिन्न महत्वपूर्ण सूचनाएं भी शामिल हैं। जो रा.इ.सू.प्रौ.सं. के समेकित वित्तीय विवरण का अंग बन गई हैं।

1- ys[kkadu dh ijEijk%

d½ ys[kkadu i)fr

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा और जब तक नीचे अन्यथा उल्लेख न किया गया हो लेखांकन की अर्जन पद्धति के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

[k½ vuqekuksa dk iz;ksx

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए आंकलन तथा पूर्वानुमान करने होते हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि को बताई जाने वाली परिसम्पतियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को उस समय स्वीकार किया जाता है जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/ मूर्त रूप देते हैं।

2- vk; dh igpku

निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केन्द्र लेखांकन की अर्जन पद्धति का अनुसरण कर रहे हैं।

क) अगरतला केंद्र के मामले में आईएसईए परियोजना-II और डोनर परियोजना से प्राप्त आय नकद आधार पर लेखांकित की जाती है।

ख) अजमेर केंद्र ने बीसीसी/सीसीसी परीक्षा शुल्क के अंश के संबंध में लेखांकन की प्रणाली नकद प्रणाली से मर्केंटाइल प्रणाली में परिवर्तित कर दी है।

ग) कालीकट केंद्र–छात्र परियोजनाओं से आय पूर्ण होने के आधार पर गणना में ली जाती है।

घ) नई दिल्ली केंद्र ने भारत सरकार से वास्तविक रूप में प्राप्त अनुदान को नकद आधार पर लेखांकित किया।

ङ) इम्फ़ाल तथा श्रीनगर/जम्मू केंद्र ने पाठ्यक्रम शुल्क को प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया है।

च) पंजीकरण शुल्क, प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनशील प्रत्यायन शुल्क (वीएएफ) तथा जागरूकता सृजन निधि (एसीएफ) को प्राप्ति आधार पर लेखांकित किया।

3- ,ebZvkbZVhokbZ }kjk vkorhZ 0;; dh izfrZ gsrq dsUnzks dks tkjh jktLo vuqnku&lgk;rk dks laf/kr dsUnzks }kjk vk; ds :i esa ys[kkfdr fd;k x;k gS ftldk fooj.k fuEu izdkj gS%&

Øa-la-	ukbfyV dsUnzksa dk uke	/kujkf'k ¼#- esa½
i	आइजोल	2,48,67,581/-
ii	गुवाहाटी	4,02,92,420/-
iii	गंगटोक	1,22,31,008/-
iv	इम्फ़ाल	96,49,394/-
v	ईटानगर	2,41,00,000/-
vi	कोहिमा	50,00,000/-
vii	शिलोंग	1,53,00,000/-
viii	रांची	68,92,997/-
ix	मुख्यालय	1,81,84,160/-
	dqy	**15,65,17,560/-**

4- fuos'k

संस्था की निधियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमाओं में निवेश किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार "कोषागार प्रबंध अतिशेष" के रूप में दर्शाया गया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमार्कड/एन्डाउमेंट निधि सावधि

जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमार्कड/एन्डाउमेंट निधि के खाते में रखा जा रहा है।

4A- buoVjh

औरंगाबाद केंद्र के मामले में, उन्होनें प्रधान कार्यालय नई दिल्ली की संशोधित और रूपांतरित नीति के अनुसार सामग्री, उपकरणों, प्रकाशनों, उपभोग्य सामग्रियों इत्यादि को मूल्यांकित किया व दर्शाया है। मूल्यांकन लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, के आधार पर किया गया है।

5- fLFkj ifjlEifr;k

स्थिर परिसम्पत्तियों को लागत में संचित मूल्यह्रास को घटाकर दर्शाया जाता है। खरीद की लागत में आवक मालभाड़ा, शुल्क एवं कर तथा खरीद से संबन्धित एवं प्रत्यक्ष व्यय को शामिल करके दर्शाया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसम्पतियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

क) कालीकट केन्द्र के संदर्भ में, यूएनडीपी द्वारा केन्द्र को अनुदान के रूप में दिए गए 17 उपकरणों के मूल्य को रु.1/– के सांकेतिक मूल्य पर देयता एवं परिसम्पतियाँ दोनों ही पक्षों में दर्शाया गया है।

ख) कोलकाता केंद्र के संदर्भ में, स्थायी परिसम्पत्तियों को लागत (सकल) में संचित मूल्यह्रास घटाकर दर्शाया गया है। लागत में, अधिग्रहण की लागत, संस्थापन, भाड़ा व शुल्क कर, अनुषंगी खर्च सम्मिलित है। बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लाट नं. 267, ब्लॉक– बीएफ) स्थित 999 वर्षों के लिए "पट्टाकृत भूमि" को स्थिर परिसंपत्तियों की अनुसूची में "भवन" शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है। इनके अचल संपत्ति रजिस्टर को अद्यतन करने की आवश्यकता है।

ग) चंडीगढ़ केंद्र के संदर्भ में, एससीओ 114–116, सेक्टर–17–बी, चंडीगढ़ में नाइलिट चंडीगढ़ (पूर्व में क्षेत्रीय कम्प्यूटर सेंटर) के कब्जे वाली इमारत में जून, 2014 में एक बड़ी आग की घटना हुई। वर्ष 2015–16 में उनके संबंध में हानियों/राईट ऑफ़ के संबंध में उपयुक्त लेखांकन प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इस घटना में, केंद्र ने उस तारीख तक लगभग सभी अभिलेख खो दिये हैं, जिसमे स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर भी सम्मिलित था।

घ) अगरतला केंद्र के संदर्भ में, त्रिपुरा सरकार द्वारा निशुल्क रूप से स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 15 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इसे स्थायी परिसंपत्ति अनुसूची के अंतर्गत नाममात्र मूल्य रु.1/– पर दर्शाया गया है।

ड़) राजस्थान सरकार ने केकड़ी, जिला अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों की लीज़ पर निःशुल्क रूप में आबंटित की है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।

च) गुवाहाटी केंद्र के संदर्भ में, सिलचर तथा जोरहाट विस्तार केन्द्र की पूर्वोत्तर क्षमता निर्माण परियोजना के मामले में, 4 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विद्युत) पर किए गए व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा। इसके अतिरिक्त, नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विद्युत) पर किए गए व्यय को आस्थगित भुगतान के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते में डाला जाएगा।

6- eY;gkl

मूल्यह्रास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.डी.वी पद्धति पर किया जाता है।

"अनुदान से संबंधित परिसंपत्तियों" पर चालू वर्ष के लिए मूल्यह्रास को आय तथा व्यय खाते के नामे किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में जमा भी किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

7- ljdkjh vuqnku

वित्तीय वर्ष 2018–19 के दौरान, नाइलिट को एमईआईटीवाई से जीआईए (योजना) और (गैर योजना) प्राप्त नहीं हुई है।

8- y[kkdu uhfr e ifjorlu

वर्ष के दौरान, कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं।

9- depkjh d ykHk

- उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन पर किया जाता है। कालीकट और चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से समूह उपदान नकद संचयन के अधीन संबंधित कर्मचारी न्यास के पक्ष में ली गई पॉलिसी द्वारा सुरक्षित किया गया। नाइलिट के कर्मचारी 14.12.2002 की स्थिति के अनुसार उपदान योजना के अन्तर्गत सम्मिलित हैं अर्थात प्रत्येक कर्मचारी की उस एक माह की परिलब्धियाँ (वेतन+ग्रेड वेतन), सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष के लिए है।
- छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर किया जाता है।
- बोनस नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।
- नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 से ईपीएफ के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है। अप्रैल, 2013 से ईपीएफ में अंशदान को आरपीएफसी में जमा किया जा रहा है। 01.01.2003 से 31.03.2013 की अवधि के लिए ईपीएफ की बकाया राशि ईपीएफ कार्यालय में जमा की गई है। नाइलिट के सीपीएफ में रखी शेष राशि का समाधान किया जा रहा है।
- नाइलिट ने 1 सितंबर 2014 के बाद नियुक्त हुए सभी नियमित कर्मचारियों के लिए एनपीएस योजना को अपनाया है।

अनुसूची 25 :

लेखों पर टिप्पणियां

1- vkdfLed n;rk%

d½ pMhx<+ dsæ

(i) foHkkx }kjk mBkbZ xbZ lsok dj dh ekax%

Ø-la	ekeys dk ikf/kdj.k	ekeys ds rF;	lfEefyr jkf'k
1	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई लेखन सामग्री का मूल्य सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाई गई मांग पर सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ द्वारा रोक लगायी गयी है। हालांकि, मामले में नियमित सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है।	रु. 83,92,094/– समान रकम के जुर्माने और ब्याज के साथ।
2	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	सेवा कर विभाग ने वर्ष 2012 के दौरान, सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई लेखन सामग्री का मूल्य सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाई गई मांग के संबंध में आयुक्त (अपील) के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु. 3,55,310/– समान रकम के जुर्माने और ब्याज़ के साथ।
3	आयुक्त (अपील) वस्तु और सेवा कर, लुधियाना	सेवा कर विभाग ने वित्त वर्ष 2014–15 के दौरान, कर योग्य सेवाओं के मूल्य में छूटप्राप्त सेवाओं जैसे शिक्षा सहायक सेवाओं से आय, नाइलिट के 'ओ' लेवल के पाठ्यक्रम से आय और सीसीसी परीक्षा से आय आदि को भी सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाई गई मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु. 46,23,975/– समान राशि के जुर्माने, ब्याज़ और रु 10,000/ के अतिरिक्त जुर्माने के साथ।
4	आयुक्त (अपील) वस्तु और सेवा कर, लुधियाना	सेवा कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान, सेवाओं के कर योग्य मूल्य में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रों को दिये गए वाणिज्यिक प्रशिक्षण और कोचिंग से प्राप्त अग्रिम और आय के मूल्य को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाई गई मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु. 28,21,447/– समान राशि के जुर्माने, ब्याज़ और रु. 10,000/ के अतिरिक्त जुर्माने के साथ।

ii) vU; ekdnes%

- नाइलिट, चंडीगढ़ ने स्कूल परियोजना के लिए प्रशिक्षक उपलब्ध करने हेतु शेष धनराशि रु. 15,66,021 की वसूली हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विरुद्ध मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की है जिसके लिए बहियों में संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान पहले ही किए गए थे। केवीएस ने न केवल केंद्र के दावे को खारिज कर दिया है बल्कि, केंद्र (पूर्व में आरसीसी) को अधिक भुगतान के रूप में रु.2,68,650/– का काउंटर दावा भी पेश किया है। मध्यस्थता कार्यवाही अभी तक समाप्त नहीं हुई है।
- ईएसआई ने अक्टूबर 2002 से मार्च 2003 की अवधि के लिए ईएसआई योजना का अनुपालन न किए जाने के लिए रु.11,22,702/– और रु.3,03,947/– का मांग नोटिस जारी किया था। उपनिदेशक, ईएसआई के दिनांक 21.07.2011 के आदेश संख्या पीबी.17000399790001013/245 के माध्यम से मांग के भुगतान के लिए केंद्र को निर्देश दिया

है। हालांकि, केंद्र ने अपील की है और तदनुसार 2013 की सिविल रिट याचिका (सीडब्ल्यूपी) संख्या 5441 और 2013 की सीडब्ल्यूपी संख्या 5367 माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में लंबित हैं, हालांकि माननीय उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम राहत के रूप में मांग की वसूली पर रोक लगाई है।

- दिनांक 2 मई, 2014 के माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेशों के विरुद्ध, केंद्र ने माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ के समक्ष सुश्री मनजीत कौर, पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' के द्वारा गलत ढंग से आहरित एचआरए और दांडिक ब्याज के लिए रु. 3,89,642/– की वसूली के लिए 2014 की सिविल रिट याचिका सं 15204 को दायर किया गया था। इस मामले में कार्यवाही प्रक्रिया में हैं। उनकी सेवानिवृत्ति पर देय छुट्टी नकदीकरण की धनराशि में से रु.3,89,642/– की उक्त राशि की वसूली कर ली गई है। सुश्री मनजीत कौर, इस केंद्र की पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' ने माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ बेंच में पुनः ओ.ए. संख्या 60/129/2018 के माध्यम से रोक लगाई गई धनराशि रु.3,89,642/– को जारी किए जाने संबंधी याचिका दायर की है तथा कार्यवाही प्रक्रिया में हैं।

  जब तक, माननीय न्यायालय द्वारा निर्णय लिया जाता है, रु.3,89,642/– की धनराशि को आकस्मिक देनदारियों के रूप में माना गया है।

- इस केंद्र ने राजस्थान राज्य सहकारी बैंक जयपुर को हार्डवेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की खरीद के लिए कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रदान की थी जिसके लिए इस केंद्र को रु.17.15 लाख की अग्रिम धनराशि प्राप्त हुई। राजस्थान राज्य सहकारी बैंक जयपुर ने अंत में आपूर्ति आदेश नहीं दिया और माननीय अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक–13, जयपुर सिटी के समक्ष 23.58 लाख (रु 17.15 तथा रु. 6.43 लाख ब्याज के रूप में) वसूली के लिए सूट नं. 60/2007 दायर की। इस मामले को अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक–13, जयपुर शहर से माननीय न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश, वाणिज्यिक न्यायालय 1 और उसके बाद वाणिज्यिक न्यायालय 2, जयपुर महानगर जयपुर में स्थानांतरित कर दिया गया है, कार्यवाही प्रक्रिया में हैं।

- दिनांक 29.01.2002 के पत्र सं. एमसी/ईएसटीएटीई/2002/4732 के माध्यम से आवंटित भूमि के लिए नगर निगम चंडीगढ़ के विरुद्ध वसूली योग्य धनराशि रु.43,24,045/– दिखायी गयी थी, जो बाद में केंद्र द्वारा वापस की गयी थी, मुख्य प्रशासक, चंडीगढ़ और यूटी प्रशासन, चंडीगढ़ द्वारा कोई भी राहत प्रदान न किये जाने के कारण, माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के समक्ष रिट याचिका दायर की गई थी, जिसे डिफ़ॉल्ट रूप से भी खारिज कर दिया गया था, जिसके विरुद्ध, एक अन्य रिट मामले की बहाली के लिए दायर की गई थी। उस रिट याचिका को उसी कारण से पुनः नए रूप में फाइल करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया गया था। मनीमाजरा में भूमि आवंटन के लिए पुनः विचार करने के संबंध में नगर निगम, चंडीगढ़ के पक्ष में इस केंद्र द्वारा जारी किए गए रु.43.24 लाख के प्रारंभिक भुगतान को समायोजित करके और प्रीमियम, ग्राउंडरेंट के देरी से भुगतान पर ब्याज के लिए जारी मांग नोट की गैर–प्रयोज्यता के बारे में नगर निगम, चंडीगढ़ को भेजे गए अभ्यावेदन के आधार पर, तथा विचाराधीन धनराशि की जब्ती के लिए केंद्र सरकार के काउंसेल के माध्यम से नई रिट याचिका दायर की गई है। इस संबंध में केंद्र की लेखा बहियों में उचित प्रावधान पहले से ही किया जा चुका है।

- अक्टूबर, 2012 से अप्रैल, 2013 तथा जुलाई, 2013 से मार्च, 2014 तक अनुपस्थिति के लिए वेतन जारी करने के लिए माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ, चंडीगढ़ के समक्ष श्री इतवारी, सफाईकर्मी (एमटीएस) ने ओए नं 60/294/2018 दायर किया है। उन्होंने अक्टूबर 2012 से अप्रैल 2013 तथा जुलाई 2013 से मार्च 2014 तक अनुपस्थिति की पूरी अवधि के लिए गलत तरीके से यह कहते हुए दावा किया था कि वह उपरोक्त अवधि के दौरान उपस्थित थे। विभिन्न रिकार्ड/उसके बैंक खाते के बैंक विवरणों का लेखा समाधान करने के लिए व्यापक कार्रवाई की गई। सितंबर 2012 के 7 दिनों के वेतन की वसूली के पश्चात अक्टूबर, 2012 के लिए 13 दिनों, दिसंबर, 2012 के 2 दिनों और अप्रैल, 2013 के 9 दिनों के लिए उनका बकाया वेतन जारी कर दिया गया है। माननीय सीएटी के समक्ष जवाब दाखिल किया जा चुका है और कार्यवाही चल रही है।

  श्री वीके जैन, प्रभारी निदेशक, नाइलिट चंडीगढ़, तथा नाइलिट चंडीगढ़ के पंद्रह अन्य पूर्व कर्मचारियों ने, जो 01.01.2016 के बाद और 29.03.2018 से पहले सेवानिवृत्त हुए थे अर्थात श्रम और रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राजपत्र अधिसूचना जारी करने की तिथि, जिसके द्वारा ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के तहत एक कर्मचारी को देय ग्रेच्युटी की अधिकतम राशि, 10 लाख से बढ़ाकर रुपये 20 लाख कर दी गई है, ने माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ चंडीगढ़, के समक्ष आवेदकों को ग्रेच्युटी की संशोधित राशि रु. 20 लाख सेवानिवृत्ति की तिथि से भुगतान की तिथि तक 12 प्रतिशत ब्याज़ के साथ स्वीकृत करने के लिए ओए न. 60/1144/2018 दायर किया है। उत्तरदाताओं की ओर से जवाब माननीय सीएटी के समक्ष दायर किये गए थे। आगे की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

[k½ <u>dkydkrk dæ</u>

i) आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास आयकर विभाग की मान्यता के साथ नाइलिट में 01.01.2004 से पहले कार्यग्रहण करने वाले कर्मचारियों की भविष्य निधि का खाता रख रहा है। तथापि 01.01.2004 को या उसके बाद नाइलिट में कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारियों का पी.एफ ईपीआर और एमपी अधिनियम 1952 के अधीन नाइलिट मुख्यालय में रखा जा रहा है। केन्द्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7क के अन्तर्गत

आदेश दिनांक 09.07.2008 तथा धारा 7ख के अन्तर्गत आदेश दिनांक 30.01.2009 प्राप्त हुआ है कि नाइलिट को ईपीएफ व एमपी अधिनियम, 1952 के अन्तर्गत अगस्त,1982 से शामिल किया जाएगा। केन्द्र ने उपर्युक्त आदेश के खिलाफ ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली (समुचित प्राधिकारी) के समक्ष एक अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय भारत सरकार की गजट अधिसूचना दिनांक 26.07.1997 के अनुसार सीपीएफ अधिनियम, 1925 के अन्तर्गत शामिल है। लेकिन, ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली ने दिनांक 3 अगस्त, 2011 के आदेश के जरिए अपील को खारिज कर दिया है। उसके पश्चात केन्द्र ने माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता में उक्त आदेश के विरुद्ध दिनांक 21 मार्च, 2012 को एक अपील दायर की है। उक्त अपील अभी तक लम्बित है।

नाइलिट कोलकाता ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र से रु.6,27,413/– की माँग के समक्ष रु.1,56,854/– की राशि का भुगतान प्रतिवाद के अन्तर्गत किया है। मांग का केंद्र ने विरोध किया है।

सामान्य इनपुट सेवा पर प्राप्त सेनवैट क्रेडिट के लिए धनराशि रु.9.82,620/– (4,87,425/–) की सेवा कर की आकस्मिक देयता है जिसके लिए तुलन–पत्र तिथि तक मूल्यांकन लंबित है तथा नियम 6(3) और सीसीआर नियम, 2004 के नियम 14 के अंतर्गत रु.4,95,195/– जिसके लिए अपील सेवा कर प्राधिकरण में लंबित है, जिसमें से रु.4,95,195/– पर आयुक्त, सीजीएसटी और सीईएक्स हावड़ा आयोग ने अपने आदेश संख्या 219/एस टैक्स–11/कोल–1/2018 दिनांक 20.03.18 के द्वारा विचार नहीं किया गया था।

x½ f'keyk dæ

i) स्वमूल्यांकन के आधार पर सेवा कर का भुगतानः

Øe- la	ekeys dk vf/kdkj	ekeys dk rF;	lfEefyr /kujkf'k
1.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर विभाग, शिमला	दिनांक 01 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2016 की अवधि के लिए उच्च शिक्षा निदेशक, हिमाचल प्रदेश के लिए प्रदान की गई सेवाओं के बारे में सेवा कर विभाग ने नोटिस जारी कर सेवा कर के प्रावधानों के उल्लंघन की जांच करने के लिए अभिलेखों की मांग की है।	रू. 2,50,81,223/-

स्वमूल्यांकन के आधार पर सेवा कर के रूप में रु.2,50,81,223 का भुगतान किया गया है और चालू वर्ष अर्थात 2019–20 के दौरान खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है। हालांकि, सेवा कर विभाग द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना लगाया जा सकता है, जो वर्तमान में निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

आगे, नाइलिट ने उच्च शिक्षा विभाग, हिमांचल प्रदेश को पहले के वर्षों में प्रदान की गई सेवाओं पर सेवा कर लगाया है, तब इस तरह की सेवाओं को सेवा कर से छूट दी गई थी, सेवा कर विभाग को भुगतान किए गए सेवा कर की इस राशि के लिए प्राधिकारियों के समक्ष धन वापसी की अपील दायर की गई है।

ii) निदेशक उच्च शिक्षा, हिमांचल प्रदेश को प्रदान की गई सेवाओं को अक्टूबर, 2018 तक जीएसटी से मुक्त माना गया और उसके बाद जीएसटी को एकत्र किया गया और जीएसटी विभाग को भुगतान किया गया। इसलिए अप्रैल 2018 से अक्टूबर 2018 तक की अवधि के लिए जीएसटी के कारण देयता हो सकती है।

iii) इसके जीएसटीआईएन के अंतर्गत वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान कुछ जीएसटी भुगतान किये गए जिसमें जीएसटी धनराशि को जीएसटीआईएन द्वारा विलंब शुल्क के साथ परिगणित कम अथवा विलंब भुगतान था किन्तु, जीएसटी अधिनियम, 1961 कि धारा 50(1) में निर्धारित ब्याज, केंद्र द्वारा बहियों में क्रमशः जमा नहीं किया गया/बुक में नहीं है, तथा जहाँ कहीं लागू हो, नकद भुगतान के आधार पर अंतिम भुगतान के रूप में अधिकारियों द्वारा मांग के अनुसार राशि का भुगतान किया जाएगा।

?k½ ukbfyV ¼eq[;ky;½

नाइलिट (मुख्यालय) ने वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान वित्त वर्ष 2013–14 से वित्त वर्ष 2015–16 तक की अवधि के लिए एसीसीआर शुल्क पर तथा वर्ष 2013–14 से वित्त वर्ष 2015–16 तक संबंधित परीक्षा प्रपत्र की बिक्री पर सेवा कर ऑडिट द्वारा की गयी मांग पर सेवा कर की राशि रु.46,00,770/– और सेवा कर पर ब्याज़ रु. 45,94,626/– का भुगतान किया।

2- iwath ifrc)rk

क) लुंगलई विस्तार केंद्र और आइजोल केंद्र में भवन का निर्माण किया गया है, कुल अनुमानित निर्माण लागत रु. 19,22,21,002/– है, जिसमें से रु. 12,58,48,234/– दिनांक 31.03.2019 तक भुगतान किए जा चुके हैं।

ख) मुख्यालय के मामले में एनबीसीसी टॉवर, किदवई नगर में कार्यालय की खरीद रु.47.01 करोड़ में की जा रही है जिसमें से रु.45.55 करोड़ दिनांक 31 मार्च, 2019 तक दिये जा चुके हैं।

ग) मुख्यालय के लिए नाइलिट भवन का निर्माण द्वारका, दिल्ली में किया गया है। कुल अनुमानित लागत रुपये 52.69 करोड़ है, जिसमें से 31 मार्च, 2019 तक 44.05 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

घ) वर्ष के दौरान, रु.28,74,93,652/– की लागत के साथ

भवन रखरखाव निधि बनायी गयी है जो, अचल आस्तियों की अनुसूची में प्रदर्शित है।उन्हीं निधियों को ईयरमार्क वाले फंड से बिल्डिंग मेंटेनेंस फंड में ट्रांसफर किया गया है।

3- pky vkfLr;k] pky lifŸk] n;rk,] iko/kku vkj _.k vkj vfxze

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों को उस मूल्य पर दर्शाया गया है जो, सामान्य कारोबार के दौरान वसूली योग्य होगा, केवल उन देनदारों को छोड़कर जहाँ अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया गया है।

d½ fnYyh dk d ekeyk e

फुटकर देनदारों के संबंध में संदिग्ध ऋणों के लिए रु.1,07,04,323/– का प्रावधान किया गया है, धनराशि (नीचे निम्नलिखित के अतिरिक्त) जो तीन वर्षों से भी अधिक समय से बकाया है (अर्थात दिनांक 31.03.2016 से पहले) जो प्रबंधन की राय में पर्याप्त है।

शिक्षा निदेशक, झंडेवाला से रु.1,12,71,327/– की वसूली के समक्ष संदिग्ध ऋण के लिए रु. 30,25,941 का प्रावधान किया गया है। यह धनराशि 2004–05 से बकाया है। यह मामला मध्यस्थता के अधीन है।एक मध्यस्थ ने 27.12.2017 को शिक्षा निदेशालय को यह आदेश दिया कि वह नाइलिट को रु.78,98,437/– का भुगतान 23.03.2011 से भुगतान की तिथि तक उपर्युक्त राशि पर प्र.व. 8% ब्याज़ के साथ करें। प्रबंधन की राय में, प्रावधान की मात्रा यथोचित हैं।

[k½ pMhx< dk d ekeyk e

i) nsunkj

चंडीगढ़ केंद्र में रु.1606.07 लाख के देनदार हैं जिसमें से रु.550.02 लाख तीन वर्षों से भी अधिक समय से बकाया हैं। बकाया देनदार वित्त वर्ष 2005–06 और उससे पहले से संबंधित हैं। लेखापरीक्षा के दौरान, यह पाया गया है कि बकाया राशि की वसूली/निगरानी के लिए कुछ तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है जिस पर लेखा परीक्षकों की 2017–18 की रिपोर्ट में भी ज़ोर दिया गया था। हालांकि, प्रबंधन का मानना है कि देनदार सरकारी विभागों से या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से हैं और वसूली योग्य हैं, और जिनमें मौजूदा पार्टियां भी सम्मिलित हैं, इसलिए संदिग्ध ऋण के प्रावधान के लिए मूल्यांकन नहीं किया जा सका।

ii) vuqnku lgk;rk

चंडीगढ़ केंद्र ने अनुदान स्वीकृति/वितरण–पत्रों के अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न अनुदानों की प्राप्ति और उपयोग के लिए कोई उप–खाता या पृथक रूप से रजिस्टर नहीं रखा है। दिनांक 31/03/19 तक बकाया राशि रु.676.55 लाख है। इसमें पहले पूरी की गई परियोजनाओं से संबंधित राशि भी सम्मिलित है। अनुदान के उपयोग के समय, इन राशियों को विशिष्ट अनुदान से समायोजित नहीं किया गया था। प्रासंगिक समायोजन प्रविष्टि को पारित करने की आवश्यकता है ताकि, लेखांकन प्रणाली के अनुसार व्यय/अव्ययित राशि को उचित रूप से दर्शाया जा सके।

iii) olwyh ;kX; jkf'k%

पीएसईबी/पीएसपीसीएल द्वारा काफी समय से कार्य अनुबंध कर (डब्ल्यूटीसी) की कटौती किसी भी कानूनी आदेश के बिना की जा रही है। दिनांक 31 मार्च, 2019 को वसूल करने योग्य राशि के रूप में रु.42.58 लाख की धनराशि दर्शायी गयी है। इस संबंध में कानूनी राय मांगने की आवश्यकता है और बकाया राशि वसूलने के लिए मामले को तत्काल आधार पर सुलझाने की जरूरत है।

iv) ljdkjh foHkkxk d d ikl lj{kk tek%

विभिन्न सरकारी विभागों के पास रखी गई कुछ पुरानी बकाया सुरक्षा जमा राशि रु.6.92 लाख की वापसी/वसूली के लिए शेष/अतिदेय हैं। इस संबंध में उचित कार्रवाई हेतु तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

v) 'k"k if"Vdj.k@ lek/kku%

देनदारों, लेनदारों, छात्रों और अन्य, आदि से प्राप्त अग्रिम सहित पार्टी खातों में पुष्टि तथा समाधान संबंधी आवश्यक समायोजन समाधान के फलस्वरूप शेष है।उक्त पुष्टि/समाधान किये जाने पर वर्तमान /पूर्व वर्षों की आय/व्यय तथा आस्तियों/देयताओं पर होने वाले उसके प्रभाव को ज्ञात नही किया जा सकता।

जैसे कि, केंद्र, सरकारी विभागों/स्वायत्त निकायों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है इसलिए, प्रबंधन की राय में, पूर्व प्राप्य राशियों जिनके लिए प्रावधान नही किया गया है या बट्टे खाते में नहीं डाली गयी हैं, की वसूली की आशा की जा रही है। हालांकि, दिनांक 31 मार्च, 2019 तक शेष धनराशि की पुष्टि नहीं हुई।

i) गत वर्ष देनदारों से प्राप्त किए गए रु.3,24,863.10 की राशि उपयुक्त जानकारी के अभाव में उपयुक्त देनदार के खाते में नहीं जमा की जा सकी। उक्त समेकित राशि को कुल देनदारों से घटा दिया गया है।

ii) नाइलिट शिमला को नाइलिट मुख्यालय के कार्यालय आदेश सं. एसएचएम (01)2017–नाइलिट (सिविल)/01/7304 दिनांक 27.12.2018 के माध्यम से स्वतंत्र केंद्र घोषित किया गया है। परिणामस्वरूप, (01.04.2018 को) अचल संपत्तियों के डब्लूडीवी के बराबर धनराशि रु.4,79,218.00 जो अनुदान सहायता से खरीदी गई थी, नाइलिट चंडीगढ से नाइलिट

शिमला को स्थानांतरित कर दी गई है। नाइलिट शिमला के बहीखातों में पहले से ही अचल सम्पत्तियों का मूल्य दिखाया जा रहा था।

iii) देनदार द्वारा जीएसटी के तहत टीडीएस के लिए रु.257970.50/– काट लिए गए हैं, लेकिन उपयोगकर्ता विभागों से विवरण प्राप्त होने पर क्रेडिट का लाभ उठाया जाएगा।

x½ e[;ky; d ekey e

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने उनके मुख्यालय के निर्माण के लिए सेक्टर 8, द्वारका, नई दिल्ली में नाइलिट को 4277.88 वर्ग मीटर का एक प्लॉट आवंटित किया है। जमीन की अंतिम लागत को डीडीए द्वारा अंतिम रूप दिया जाना शेष है।

?k½ वित्तीय वर्ष 2016–2017 के दौरान, शिलांग केंद्र ने परियोजना परामर्शदाता (पीएमसी) को "मोबिलाइजेशन एडवांस" के रूप में रु.2,86,50,000/– प्रदान किए थे जो परियोजना के तहत नाइलिट और पीएमसी के बीच निष्पादित समझौते के अनुसार, "आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/ शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर उत्तर–पूर्वी क्षेत्र का विकास" शीर्षक परियोजना के लिए थे।

M½ Jhuxj rFkk tEe d ekey e

i. केंद्रीय भविष्य निधि अधिशेष और ब्याज की राशि रु.4,00,19,633/– लाभ एवं हानि खाता में जमा की गयी है। उसके बारे में ऑडिटर को बताया गया की वह पिछले अतिरिक्त योगदान और ब्याज की रकम है, जिसे सावधि जमा में रखा गया है, जिसकी निगरानी अब प्रधान कार्यालय स्तर पर की जाती है। इसलिए, रकम लाभ और हानि खाते में जमा की जा रही है जिसे सोसाइटी के कर्मचारियों की शेष सीपीएफ देनदारी से अधिक पाया गया था।

ii. जीएसटी इनपुट प्राप्य राशि रु.3,42,78,269,22/– जो उसका अंश होने के कारण परियोजना के हिस्से में जोड़ी जाती है, उसे अब वसूली योग्य नहीं दिखाया गया है। यह विचार इसलिए किया गया है क्योंकि यह विदित हो कि इसे खरीदार से वापस नही लिया जा सकता जोकि जम्मू एवं कश्मीर की राज्य सरकार है और यह समझौता राज्य में जीएसटी अधिनियम लागू होने से पहले किया गया था।

p½ vkbtky d ekey e

दिनांक 31.03.2019 को रु 72,61,512/– के रूप में शुल्क और करों का संतुलन "चालू आस्तियां ऋण और अग्रिम आदि" के तहत दर्शाया गया है। इनपुट टैक्स क्रेडिट में ऐसी राशि की प्रकृति एनईसीबी परियोजना के अंतर्गत भवन निर्माण के कारण सामने आयी है। मामले की समीक्षा की जानी है।

N½ vkjxkcn dæ d ekey e

i) यह सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2014–15 में सीएसएबी जयपुर से रु.5,20,000/– की अतिरिक्त पावती है, ऐसी प्राप्तियों का विवरण उपलब्ध नहीं है और इसे वर्तमान देयता के रूप में माना जाता है, मामले में आवश्यक कार्रवाई की आवश्यकता है।

ii) खातों से यह पता चलता है कि टीडीएस प्राप्य खातों के संबंध में वित्तीय वर्ष 2009–10 से 2017–18 तक बहुत पुराने शेष हैं और आवश्यक प्रविष्टियों पारित किया जाना आवश्यक है जिनकी कुल धनराशि रु. 1,02,23,190/– है। इसके अतिरिक्त, ऐसी धनराशि का विनियोग प्रधान कार्यालय द्वारा नही किया जाता है। यह सुझाव दिया जाता है कि उस रकम को प्रधान कार्यालय खाते को अंतरित किया जाए क्योंकि आयकर रिटर्न प्रधान कार्यालय द्वारा दायर किया जाता है।

iii) चालू देनदारिया शीर्ष के शेष के तहत जीआईए खाता अग्रिम (पंचायती राज परियोजना) के तहत 31 अगस्त 2015 को विशिष्ट उद्देश्य के लिए रु.9,35,734/– प्राप्त हुए थे , लेकिन 31 मार्च 2019 तक वह ना तो इस्तेमाल किये गए और ना ही वापस किये गए हैं।

t½ vtej d ekey e

रु.4,21,820/– की राशि जो चालू आस्तियों के अधीन ओ लेवल से अर्जित आय के रूप में दर्शाई गई हैं, वित्तीय वर्ष 2015–16 से लंबित है।

Ök½ f'keyk d ekey e

नाइलिट शिमला की स्वतंत्र केंद्र के रूप में घोषणा और सेवा कर वापसी के दावे से संबंधित मामलों को सौंपना:

नाइलिट शिमला को नाइलिट मुख्यालय कार्यालय आदेश नं. एसएचएम(01)2017–नाइलिट (सिविल)/01/7304 दिनांक 27.12.2018 द्वारा स्वतंत्र केंद्र घोषित किया गया है। आदेश के अनुसार, नाइलिट शिमला की लेखा बहियों का दिनांक 01.04.2018 से स्वतंत्र रूप से प्रबंध किया जाएगा और चालू वित्त वर्ष के लिए तुलन पत्र नाइलिट केंद्र शिमला द्वारा अलग से तैयार किया जाएगा। परिणामस्वरूप, नाइलिट चंडीगढ़ के तुलन–पत्र, आय और व्यय खाते को अलग (नाइलिट शिमला को छोड़कर) किया गया है, जबकि पिछले आंकड़े नाइलिट चंडीगढ़, शिमला और कुरुक्षेत्र के समेकित आंकड़े हैं।

उपरोक्त आदेश के परिणामस्वरूप, सीईएसटीएटी के समक्ष दायर एचपी स्कूल परियोजना से संबंधित रु 74.86 लाख और रु 257.78 लाख के सेवा–कर की वापसी की मांग करने वाले मामलों को आगे की कार्रवाई के लिए नाइलिट शिमला को सौंप दिया गया है।

4- vk;dj vf/kfu;e] 1961 dh /kkjk 11 d v/khu lfpr cpr lf{kIr cpr dk mi;kx

संचित बचत के उपयोग का विवरण:

(धनराशि रुपए में)

ukbfyV dæ	foÙk o"k&2013&14 grq lfpr cpr dk mi;kx			foÙk o"k 2014&15 grq lfpr cpr dk mi;kx			dy	fVIi.kh
	foÙk o"k 2016&17 rFkk 2017&18 d nkjku i;ä	foÙk o"k 2018&19 d nkjku i;ä	dy	foÙk o"k 2017&18 d nkjku i;ä	foÙk o"k 2018&19 d nkjku i;ä	dy		
1	2	3	4=(2+3)	5	6	7=(5+6)	8=(4+7)	
कालीकट	23,73,017	9,19,847	32,92,864	-	34,80,392	34,80,392	67,73,256	एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास का निर्माण एवं पूंजीगत संपत्ति की खरीद।
कोलकाता	95,50,000	-	95,50,000	-	-	-	95,50,000	साल्ट लेक परियोजना।
श्रीनगर	27,70,000	-	27,70,000	-	-	-	27,70,000	लेह केंद्र की स्थापना।
चंडीगढ़	71,96,248		71,96,248	-	1,80,175	1,80,175	73,76,423	पूंजीगत संपत्ति का क्रय।
औरंगाबाद	2,08,01,061	-	2,08,01,061	-	2,90,01,804	2,90,01,804	4,98,02,865	छात्रों के छात्रावास का निर्माण, भवन का नवीनीकरण तथा पूंजीगत संपत्ति की खरीद।
अगरतला	92,321	-	92,321	-	49,07,679	49,07,679	50,00,000	पूंजीगत संपत्ति की खरीद।
मुख्यालय	3,17,74,032	-	3,17,74,032	-	-	-	3,17,74,032	नाइलिट केंद्रों में स्मार्ट वर्चुअल कक्षाओं का निर्माण।
मुख्यालय	57,49,076	-	57,49,076	-	-	-	57,49,076	नाइलिट केंद्रों में स्मार्ट वर्चुअल कक्षाओं का निर्माण।
मुख्यालय	5,90,63,271	10,31,65,430	16,22,28,701	3,48,82,161		3,48,82,161	19,71,10,862	किदवई नगर में निर्मित स्थान।
अइज़ोल	-	-	-	-	47,19,000	47,19,000	47,19,000	पूंजीगत संपत्ति की खरीद।
dy	**13,93,69,026**	**10,40,85,277**	**24,34,54,303**	**3,48,82,161**	**4,22,89,050**	**7,71,71,211**	**32,06,25,514**	

5- jk"Vh; tulf[;k jftLVj ¼,uihvkj½

(क) vkdfLed nk;rk,a

pMhx<+ dæ d ekey e

(i) माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड द्वारा मध्यस्थता याचिका दायर की गई थी। मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड को देय भुगतान के अतिरिक्त, एमएसपी ने 18% की दर से ब्याज की मांग की है। उनकी याचिका में जोन–61, उत्तर प्रदेश हेतु निर्दिष्ट ब्याज की राशि रु.2,32,69,467/– तथा जोन–62, उत्तर प्रदेश के लिए रु.1,79,62,692/– है जो, नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ के अधिकार क्षेत्र में था। ब्याज के अतिरिक्त, एमएसपी बैंक गारंटी के नवीनीकरण की लागत की भी मांग कर रहा है। मामले मे मध्यस्थ पूर्व में ही नियुक्त कर लिया गया है। दिनांक 24.28.2018 को मध्यस्थता की कार्यवाही हुई और विफल रही। मेसर्स एसआरईआई इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत दावे के विवरण के खिलाफ प्रतिरक्षा का विवरण प्रतिवादी अर्थात नाइलिट द्वारा दायर किया गया है। आगे की कार्यवाही प्रक्रिया में है।

(ii) राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) परियोजना के

जनसांख्यिकीय डेटा डिजिटलीकरण के लिए नाइलिट चंडीगढ़ के साथ मेसर्स विर्गो साफ़्टेक लि. द्वारा किए गए समझौतों के संबंध में मध्यस्थ की नियुक्ति के लिए मेसर्स वर्गो साफ़्टेक लि., नई दिल्ली ने मध्यस्थता याचिका दायर की है। उक्त याचिकाओं में, एमएसपी ने काम के निष्पादन में देरी के लिए नाइलिट द्वारा किए गए रु.3,36,76,262/– की कटौती की गैर–प्रयोज्यता के बारे में उल्लेख किया है और उक्त दंड को इस बात के लिए चुनौती दी है कि, उनके द्वारा कार्य समय पर पूरा किया गया है। उप सचिव, एमईआईटीवाई ने 15 अक्टूबर, 2018 के पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि, मंत्रालय ने नाइलिट और मेसर्स विर्गो साफ़्टेक लि. के बीच विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया है और माननीय उच्च न्यायालय को भी इस बाबत अवगत करा दिया गया है। दिनांक 30.11.2018 को माननीय उच्च न्यायालय ने मेसर्स विर्गो साफ़्टेक लि. द्वारा दायर याचिकाएँ खारिज कर दी हैं।

xkj[kij dæ d ekey e

रु.7,24,77,407/– के दावे के समक्ष एकमात्र मध्यस्थ माननीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के समक्ष, मेसर्स एसआरइआई इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड व नाइलिट के बीच मध्यस्थता के मामले में नाइलिट गोरखपुर केंद्र प्रतिवादी है।

(ख) <u>pky vkfLr;k] _.k vkj vfxze</u>

प्रबंध वर्ग की राय के अनुसार, चालू आस्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों को उस मूल्य पर बताया गया है जिस पर उसे व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में वसूल किया जाएगा।

(ग) इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग ने उनके पत्र संख्या एफएनओ 7(2) 2011–ईजी–1 दिनांक 05/04/2011 के द्वारा 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर)के सृजन हेतु जनसांख्यिकीय डेटा डिजिटाइजेशन और बायो–मेट्रिक डेटा संग्रह का काम सौंपा है। आरजीआई ने उनके दिनांक 27.06. 2012 के डीओ संख्या 9/83/2010–सीआरडी (एनपीआर) के माध्यम से नाइलिट से बायो–मेट्रिक डेटा डिजिटलीकरण के कार्य को वापस ले लिया है।

(घ) भारत के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के निष्पादन के लिए नाइलिट को रु.522.24 करोड़ की अग्रिम धनराशि जारी की थी। डाटा डिजिटाइजेशन (एनपीआर परियोजना) की कुल लागत लगभग रु.569 करोड़ है।

(ङ) डेटा डिजिटलीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अंतिम डिजिटाइज्ड डेटा अक्टूबर, 2013 के दौरान आरजीआई को सौंप दिया गया है। हालांकि, एमएसपी (प्रबंधित सेवा प्रदाता) को भुगतान पहले नहीं किया जा सका, क्योंकि, नाइलिट ने एमएसपी द्वारा प्रस्तुत किए गए बिलों के समक्ष आरएफक्यू (कोटेशन के लिए अनुरोध) के अनुसार जुर्माना लगाया था जिसका एमएसपी द्वारा, विरोध किया गया था। आगे, आरजीआई (भारत के रजिस्ट्रार जनरल) द्वारा एलआरयूआर (सामान्य निवासियों का स्थानीय रजिस्टर) के सुधार के कार्य को भी वापस ले लिया गया। जुर्माने और एलआरयूआर सुधार लागत के निपटारे से संबंधित मामला नाइलिट के सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखा गया था। सक्षम प्राधिकारी ने निम्नानुसार अनुमोदन दिया था:

(i) एलआरयूआर सुधार लागत की कटौती के बाद एमएसपी को पारदर्शी और उत्तरदायी तरीके से भुगतान जारी किया जाना चाहिए, जिसे एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटलीकृत दर का 4.3% निर्धारित किया गया है।

(ii) एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत को आरजीआई को वापस किया जाना है।

(iii) एलआरयूआर वापस लेने के कारण कार्यक्षेत्र में परिवर्तन और भुगतान से संबंधित नियम और शर्तों में परिवर्तन के कारण एमएसपी के साथ हुए समझौतो को संशोधित करना।

(च) सक्षम प्राधिकारी के निर्णयों के अनुसार, एलआरयूआर सुधारों के कारण लागत में की गई कटौती को "चालू देयताओं और प्रावधानों" के अंतर्गत उप शीर्ष देयताएं–एलआरयूआर (एनपीआर) के अंतर्गत गणना में लिया गया है।

(छ) अप्रयुक्त अग्रिम पर अर्जित/उपचित ब्याज़ रु. 271.15 करोड़ की राशि को देयताओं के अधीन चिन्हित किया गया है और आरजीआई से दिशानिर्देशों की अनुपस्थिति में ब्याज़ आय के रूप में लेखांकित नहीं किया गया है।

(ज) एनपीआर परियोजना के संबंध में सभी एनपीआर प्रतिभागी नाइलिट केंद्रों द्वारा दिनांक 01.04.2012 से अलग खाताबहियाँ रखी गई हैं और वित्त वर्ष 2012–2013 से अलग वार्षिक खाता तैयार किया गया है।

6. हम एतदद्वारा पुष्टि करते हैं कि प्रबंधन द्वारा एकत्र की गई सूचना के आधार पर ऐसी पार्टियों की पहचान के अनुसार संस्था की सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 की धारा 7(1) में निर्दिष्ट सूक्ष्म, लघु और माध्यम उद्यमों के अंतर्गत आने वाली किसी भी पार्टी को कोई भी राशि देय नहीं है।

7. देनदारों और लेनदारों, ऋणों और अग्रिमों चालू आस्तियों और चालू देनदारियों को बहियों में उस मूल्य पर बताया गया है जो वसूली योग्य/देय हैं। हालांकि, पार्टियों से पुष्टि प्रक्रिया में है।

8. आंकड़े नजदीकी रुपए में राउंड ऑफ किए गए हैं।

9. पिछले वर्षों के आंकड़ों को आवश्यकता के अनुसार पुनः समूहीकृत/वर्गीकृत किया गया है, इसे पार्टियों से तुलनीय

बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

10. विभिन्न केंद्रों के डेटा एकीकरण के दौरान, श्रेष्ठतर और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए शीर्षक/समूहों को पुनः व्यवस्थित किया गया है।

11. विभिन्न केंद्रों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन के विवेक अनुसार केवल महत्वपूर्ण टिप्पणियों को इन समेकित वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत किया गया हैं, गैर महत्वपूर्ण टिप्पणियां के लिए प्रत्येक केंद्र के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण का संदर्भ लिया जा सकता है।

12. नाइलिट 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए स्रोत पर की गयी कटौती का आयकर विभाग द्वारा जारी फॉर्म 26एएस के साथ समाधान का कार्य कर रहा है।

13. पूर्व अवधि और असाधारण मदें :

v tej dæ

पूर्व वर्ष से संबन्धित लेनदेन आय और व्यय लेखा में दर्शायी गयी हैं।

पूर्व अवधि का खर्च	रु. 1,62,613/–(अजमेर) तथा रु. 9,307/–(पाली)
पूर्व अवधि की आय	रु. 1,97,774.50/–(अजमेर)

14- r;yu i= dh rkjh[k d ckn gbl ?kVuk,a

- कार्यालय आदेश क्रम सं 01 (08) 2016–नाइलिट (सिविल)/Vol. VI/9311 दिनांक 01.01.2019 के अनुसार नाइलिट चंडीगढ ने अपना परिचालन अप्रैल, 2019 में सी –134, पनकॉम बिल्डिंग, चरण VIII, औद्योगिक क्षेत्र, एसएएस नगर (मोहाली) से बिरला फार्म्स कैम्पस, बड़ा फूल, रोपड़ (पंजाब) में स्थानांतरित कर दिया है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की कुछ गतिविधियों को आईईटीई कैम्पस, सेक्टर–30, चंडीगढ़ में किराए के स्थान से परिचालित किया जाएगा।
- इसके अलावा, 18 अगस्त 2019 के दिन, रोपड़ में कार्यालय भवन में बाढ़ का पानी घुस गया जिससे इमारत, हार्डवेयर, फर्नीचर और फिक्स्चर, इलेक्ट्रिकल और एयर कंडीशनिंग उपकरण और कनेक्शन, वाहन आदि क्षतिग्रस्त हो गए थे। केंद्र इस नुकसान का आकलन करने की प्रक्रिया में है। इसलिए, तुलन–पत्र और आय और व्यय खाते पर इसके प्रभाव का पता लगाया जाना अभी शेष है।

15. वर्ष के लिए पाली विस्तार केंद्र की सांविधिक लेखा–परीक्षा अजमेर केंद्र की लेखा–परीक्षा के साथ की गई है। वित्त वर्ष 2018–19 से पाली विस्तार केंद्र में किए गए लेन–देन को केंद्र के वित्तीय विवरण में नाइलिट अजमेर केंद्र के साथ शामिल कर दिया गया है।

16. केंद्र अल्पकालिक जमा के मामले में प्राप्ति और भुगतान खातों को तैयार करने में सुव्यवस्थित नीति का पालन नहीं करते हैं जिसके परिणामस्वरूप दिनांक 31.3.2019 के तुलन–पत्र और प्राप्ति और व्यय खाते में दर्शायी गयी अल्पकालिक जमाओं की स्थिति के अंतिम शेष के बीच कुछ समाधान अंतर होता है। इसके अतिरिक्त 31.03.2019 को प्राप्तियाँ और भुगतान खाते में नकद और बैंक शेष राशि अथशेष और अंतशेष के बीच कुछ समाधान अंतर है।

कृते t-ih- pkoyk vkj daiuh ,y,yih
(शासपत्रित लेखाकार)
एफआरएन 001875 एन/एन 500025

स्थान : नई दिल्ली	(राजीव तलवार)	(जयदीप कुमार मिश्रा)	(सीए रजत चावला)
दिनांक : 24.09.2019	मुख्य वित्त अधिकारी	महानिदेशक	(भागीदार)
			एम.सं. 510745

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए

(राशि रु. में)

Ø-l	çkfIr;k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
I	vFk 'ks"k		
	क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	8,931	1,91,89,557
	ख) बैंक शेष	-	-
	i) चालू खातों में	24,51,48,280	9,64,73,123
	ii) बचत खातों मे	81,70,06,145	26,16,21,889
	iii) अल्पावधि जमा में	2,60,99,91,514	3,54,46,22,595
	iv) दीर्घावधि जमा में	1,58,34,23,453	1,62,03,63,445
	v) दीर्घावधि जमा मे–इयरमार्क्ड निधियाँ	2,41,15,52,988	1,49,05,61,525
	vi) दीर्घावधि जमा में–सहायता अनुदान निधि	-	-
	vii) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-
	viii) एनपीआर शेष	-	-
II	çkIr vunku	-	
	क) भारत सरकार से		-
	i) योजनागत	20,97,94,601	14,73,52,521
	ii) पूर्वोत्तर परियोजना के लिए योजनागत निधि	31,30,89,978	39,16,80,728
	iii) योजना भिन्न	4,34,00,000	3,30,51,946
	iv) रिफर्बिशमंट निधि	-	-
	v) न्यायिक प्रयोगशाला की स्थापना	-	-
	vi) केन्द्रों से अन्तरित निधि	-	-
	एनपीआर परियोजना	-	4,94,14,937
	योजनागत निधि पर ब्याज	4,87,674	2,52,228
	ख) राज्य सरकार से	-	32,47,291
	ग) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	6,88,61,457	8,07,19,222
	i) डोनर (आईटीईएस)	-	-
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान एवं कालेज के प्रमाणन के लिए)	-	-
	iii) डीआईटी (सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता के लिए)	25,94,474	23,82,100
	iv) डीआईटी (महिला सशक्तिकरण)	-	-
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	-	-
	vi) अन्यों से प्राप्त निधियाँ (राज्य सरकार तथा अन्य एजेंसियाँ)	-	7,52,29,200
	vii) केन्द्रों को वितरण के लिए (योजनागत तथा योजना भिन्न)	-	-
	viii) विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को वितरण के लिए	1,42,15,33,809	1,43,72,34,246
	ix) ई–अधिगम	-	-
	x) आभासी प्रशिक्षण परिवेश (वीटीई) सहित सूचना सुरक्षा कुशलता विकास के लिए परीक्षण स्थल का विकास	-	-
	xi) डीआईटी (पटना आरसी की स्थापना)	-	-
	xii) डीआईटी (अनु.जा/ज.जा अनुदान)/ एससीएसपी एवं टीएसपी	1,12,33,656	-
	xiii) अन्य परियोजनाएँ	3,69,137	3,43,17,920
	xiv) डोनर से प्राप्त	4,20,02,519	1,72,15,000
III	fuEufyf[kr ij fuos'k ls vk;		
	क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	52,41,75,756	1,19,33,92,045
	ख) अपनी निधियाँ (अन्य निवेश)	25,92,49,551	4,79,17,179
	ग) जीआईए निधि से	3,90,33,41,528	1,57,57,71,624
	घ) अल्पावधि जमा	-	-

Ø-l	Hkqxrku	orZeku o"kZ	xr o"kZ
I	0;;		
	क) स्थापना व्यय	79,89,57,053	72,50,30,083
	ख) प्रशासनिक व्यय	47,72,29,798	61,29,95,998
II	fofHké ifj;kstukvksa ds fy, çkIr fuf/k;ksa ls fd, x, Hkqxrku ¼ifj;kstukvksa ij 0;;½		
	i) डोनर (आईटीईएस)	3,91,755	99,377
	ii) परियोजना व्यय के लिए पेशगियाँ	-	-
	iii) सूचना सुरक्षा कर्मियों का प्रमाणन	-	-
	iv) सूप्रौ.वि/वि.प्रौ.वि तथा अन्य परियोजनाएँ (अपनी सहित)	4,71,86,704	3,90,28,862
	v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएँ)	-	-
	vi) राज्य सरकार की परियोजनाएँ	-	-
	पटना आरसी की स्थापना	24,41,12,422	-
	केन्द्रों को जारी निधियाँ	63,72,77,311	68,71,79,112
	विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को जारी निधियाँ	-	7,31,44,000
	परियोजनाओं पर व्यय	2,24,44,02,738	1,61,74,02,625
	एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	-	89,78,88,220
	मुख्यालय को वापसी	15,87,193	-
III	fd, x, iwathfuos'k rFkk tek		
	क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि से	78,69,08,500	62,73,53,830
	ख) अपनी निधियों से (निवेश–अन्य)	9,44,06,348	5,84,78,044
	ग) सहायता अनुदान	3,55,49,56,032	2,01,30,43,264
	घ) अल्पावधि जमा	-	-

जारी है......

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए

(राशि रु. में)

Ø-l a	çkIr ;k	orZeku o"kZ	xr o"kZ
IV	çkIr C;kt		
	क) बैंक जमा राशि पर – सावधि जमा	32,11,71,659	34,85,66,276
	ख) बचत खाता पर	2,45,31,301	1,62,70,871
	ग) ऋण तथा अग्रिम आदि	3,45,98,637	6,55,83,769
	घ) बचत खाता–एनपीआर परियोजना	8,85,99,650	10,66,18,460
	ङ) एफडीआर पर अर्जित ब्याज	17,99,317	10,62,740
V	vk; ¼fufnZ"V djsa½		
	फीस/अंशदान	1,39,04,83,829	1,00,71,61,248
	सेवाओं से आय	1,17,88,50,935	1,05,10,42,723
	परियोजनाओं से आय	70,79,86,990	87,49,90,075
	प्रकाशनों की बिक्री से आय	10,44,732	9,39,263
	टाउनशिप से प्राप्तियाँ	9,41,009	29,93,803
	विविध आय	1,66,31,421	2,27,84,266
	जैव–सूचना प्रौद्योगिकी पाठयक्रमों का कार्यान्वयन	-	-
	संचित बचत नीधि	1,58,93,487	-
VI	m/kkj yh xbZ jkf'k		
	नाइलिट योजना से पेशगी	3,40,84,112	1,25,00,000
	मुख्यालय से प्राप्त सॉफ्ट ऋण	1,80,99,070	4,19,22,350
VII	dksbZ vU; çkfIr		
	क) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-
	ख) जमा प्राप्ति (एसडी,ईएमडी,सीएमडी आदि)	5,16,61,328	6,11,83,788
	ग) वसूलियाँ/पेशगियों की वापसी	5,53,10,659	4,47,71,247
	घ) सावधि जमा का नकदीकरण तथा पूँजीनिवेश से आहरण	28,86,576	5,56,00,319
	ङ) विविध प्राप्तियाँ/प्रावधान	1,97,55,907	6,01,26,107
	च) फुटकर लेनदारों में वृद्धि/वर्तमान देयताएँ	28,55,52,307	42,29,62,428
	छ) फुटकर देनदारों में कमी	22,78,35,506	37,31,88,506
	ज) अन्तर केन्द्र खाता	2,60,84,91,939	38,80,14,735
	झ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	-	6,18,791
	ञ) वर्ष में शामिल नकद तथा बैंक शेष	5,75,565	-
	च) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	9,12,64,800	3,39,82,384
	छ) ईपीएफ/सीपीएफ	1,45,32,784	1,01,80,022
	;ksx	**21,65,98,48,971**	**17,12,50,74,492**

Ø-l a	Hkqxrku	orZeku o"kZ	xr o"kZ
IV	fLFkj ifjlEifRr;ksa ij 0;; rFkk fuekZ.kk/khu iw¡thxr dk;Z		
	क) स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	9,83,87,952	56,48,16,417
	ख) पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य पर व्यय	5,95,94,109	(28,73,85,637)
V	vfr'ks"k jkf'k@_.k dh okilh		
	क) भारत सरकार को	-	-
	ख) राज्य सरकार को	-	-
	ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	90,86,535	-
VI	foÙk çHkkj ¼C;kt½	930	-
VII	vU; Hkqxrku		
	क) सुरक्षा जमा, काशन मनी, ईएमडी आदि	3,49,02,177	11,56,22,373
	ख) ऋण तथा पेशगियाँ (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	21,11,32,887	32,10,34,216
	ग) विविध व्यय	3,89,58,683	1,61,24,220
	घ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	-	95,382
	ङ) वेतन में कटौतियों का भुगतान	5,20,17,101	8,35,00,132
	च) फुटकर देनदारों/वर्तमान परिसम्पत्तियों में वृद्धि	12,85,55,187	5,91,47,647
	छ) फुटकर लेनदारों में कमी	41,00,61,112	36,79,12,117
	ज) अन्य देयताओं का भुगतान	42,70,76,248	32,66,47,561
	झ) पंजीकरण फीस	1,18,500	3,06,500
	ञ) गैर–प्रचालन व्यय	2,55,11,050	7,806
	ट) प्रत्यायन व्यय	-	-
	ठ) अन्तर केन्द्र खाता	2,70,09,08,322	46,98,00,497
	ड) केन्द्रों को जारी अतिशेष राशि	5,12,13,993	94,90,118
	ढ) प्रदत्त सेवा कर/आयकर/टीडीएस/वैट/प्रो. कर/जीएसटी	26,08,70,443	14,63,35,825
	ण) सीपीएफ न्यास/ईपीएफ को देय	84,20,810	2,10,51,711
	ढ) संचित अधिशेष भुगतान	71,69,700	-
VIII	bfr'k"k		
	क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	18,342	8,931
	ख) बैंक शेष	-	-
	i) चालू खाताओं में	21,29,42,353	24,51,48,280
	ii) बचत खाताओं में	1,29,93,68,363	81,70,06,145
	iii) अल्पावधि जमा में	2,06,97,46,595	2,50,17,84,395
	iv) दीर्घावधि जमा में	1,97,34,54,522	1,58,34,23,453
	v) दीर्घावधि जमा में–इयरमार्क्ड निधियाँ	2,69,29,17,203	2,41,15,52,988
	vi) सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
	घ) एनपीआर खाता –पास में नकदी	-	-
	ङ) एनपीआर खाता –बैंक शेष	-	-
	;ksx	**21,65,98,48,971**	**17,12,50,74,492**

हमारी इसी तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते t-ih- pkoyk vkSj dEiuh ,y,yih
(शासपत्रित लेखाकार)
एफआरएन 001875 एन/एन 500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **24.09.2019**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

संक्षिप्ताक्षर

एआईसीटीई अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद। **बीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातक। **बीआई–ए** जैव–सूचना विज्ञान–ए स्तर। **बीआई–ओ** जैव–सूचना विज्ञान–ओ स्तर। **बीपीओ** व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग। **बीसीसी** मूलभूत कम्प्यूटर पाठयक्रम। **सीएसएसपी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा कार्मिक। **सीसीएफपी** प्रमाणित कम्प्यूटर फोरेन्सिक कार्मिक। **सीआईएसएसए** प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा ऑडिटर। **सीएसएसएसडी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा समाधान डिजाइनर। **सीवीओ** मुख्य सतर्कता अधिकारी। **सीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में सर्टिफिकेट पाठयक्रम। **सीएचएम–ओ स्तर** कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ओ स्तर। **सीएचएम–ए स्तर** कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ए स्तर। **सीसीसी** कम्प्यूटर अवधारणा पाठयक्रम। **ईसीसी** विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम। **सीईडीटीआई** भारतीय इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र। **डीपीआर** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट। **डीईपीएम** इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं प्रबंध में डिप्लोमा। **डीओएनइआर** पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग। **डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण। **एचटीसीएस** हार्डवेयर तकनीकी परामर्श योजना। **आईसीटी** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईटीईएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ। **आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी। **जे एण्ड के** जम्मू तथा कश्मीर। **एमईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय। **एमसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में निष्णात। **नाइलिट** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान। **एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद। **एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर। **पीजीडीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। **पीएसयू** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम। **पीएमसी** परियोजना प्रबंध परामर्शदाता। **आरजी. आई** भारत के महापंजीयक। **आरएण्डडी** अनुसंधान एवं विकास। **एससी** अनुसूचित जाति। **एसटी** अनुसूचित जनजाति। **वीएलसी** आभासी अधिगम केन्द्र। **एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन। **एनबीसीसी** राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम। **सीपीडब्ल्यूडी** केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग। **एमबी** प्रबंध बोर्ड। **जीसी** अधिशासी परिषद। **एफ एण्ड ए** वित्त एवं लेखा समिति की बैठक।

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकेट, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110 077
हेल्पलाइन नं. (टॉल फ्री) 1800116511 फोन : 91-11-25308300
वेबसाइटः http://www.nielit.gov.in; ईमेलः contact@nielit.gov.in